

# बॉबमैत्री Bobmaitri

अप्रैल-जून • April-June 2022



# कॉर्पोरेट एल्बम

## Corporate Album

### Our Bank launches Industry First end-to-end Digital Co-Lending Platform



On 9<sup>th</sup> May, 2022 our Bank launched an end-to-end Digital Platform to facilitate co-lending of loans in partnership with NBFCs at Mumbai. The platform provides seamless integration between the Bank and multiple NBFC partners to strengthen, accelerate and simplify the co-lending process. Our MD & CEO Shri Sanjiv Chadha, Executive Directors Shri Vikramaditya Singh Khichi, Shri Ajay K Khurana, Shri Joydeep Dutta Roy, Chief Digital Officer Shri Akhil Handa and other dignitaries were present on the occasion.

### प्रसिद्ध लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी को महाराजा सयाजीराव लोक भाषा सम्मान

27 मई, 2022 को बैंक द्वारा प्रसिद्ध लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी को लोक गीतों के माध्यम से भारतीय लोकभाषाओं के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान हेतु बैंक के संस्थापक महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय के नाम से स्थापित महाराजा सयाजीराव लोकभाषा सम्मान से सम्मानित किया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के. खुराना, मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) श्री अजय के खोसला, प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र, अन्य कार्यपालकगण तथा देश भर के राजभाषा प्रभारी उपस्थित रहे.



### Our Bank launches bob World Gold for Senior Citizens



On 27<sup>th</sup> April, 2022 our Bank launched BOB World Gold - a new feature on its bob World mobile banking platform designed especially for seniors and the elderly. BOB World Gold has easy navigation, large fonts, sufficient spacing and clear menus with added features like ready-to-assist voice based search service. Our MD & CEO Shri Sanjiv Chadha, Executive Directors Shri Vikramaditya Singh Khichi, Shri Ajay K Khurana, Shri Joydeep Dutta Roy and Chief Digital Officer Shri Akhil Handa and other dignitaries were present on the occasion.

प्रबंध निदेशक एवं  
मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश  
Managing Director  
& Chief Executive Officer's Message



संजीव चड्ढा  
Sanjiv Chadha

प्रिय साथियो,

पत्रिका के इस अंक के माध्यम से आप सभी से पुनः जुड़ना मेरे लिए एक सुखद अनुभव है। एक वित्तीय संस्थान के लिए नए वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही काफी महत्वपूर्ण होती है और पूरे वर्ष के लिए प्रदर्शन की आधारशिला तैयार करती है। यह अत्यंत हर्ष एवं संतोष का विषय है कि आपके बैंक ने आप सभी के प्रयत्न एवं योगदान के बल पर नए वित्तीय वर्ष का आगाज शानदार प्रदर्शन के साथ किया है। अप्रैल-जून 2022 तिमाही के परिणाम काफी उत्साहवर्धक रहे हैं। बैंक के सभी वर्टिकल के उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के आधार पर हम व्यवसाय के लगभग सभी मानदंडों पर उत्कृष्ट परिणाम दे पाए हैं। हमारा कुल वैश्विक व्यवसाय वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 13.98% बढ़कर लगभग ₹18.72 लाख करोड़ हो गया है, घरेलू अग्रिमों में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर जहां 15.7% की वृद्धि दर्ज की गई है वहीं घरेलू जमाएं 8.5% बढ़ी हैं, कासा जमाओं में वर्ष-दर-वर्ष के आधार पर 97 आधार बिंदुओं की बढ़ोत्तरी हुई है और यह 44.18% के सम्मानजनक स्तर तक पहुंच चुकी है। बैंक ने आस्ति गुणवत्ता में भी लगातार सुधार करना जारी रखा है। सकल एनपीए में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 260 आधार बिंदु तथा शुद्ध एनपीए में 145 आधार बिंदुओं की गिरावट आई है। इन सभी का परिणाम आपके बैंक द्वारा ₹2168 करोड़ के शुद्ध लाभ के अर्जन के रूप में सामने आया है। इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैं आप सभी को बधाई देता हूँ। मुझे पूरा विश्वास है कि भविष्य में भी आप अपने प्रयासों को इसी जोश एवं समर्पण के साथ जारी रखेंगे ताकि हमारे बैंक की टॉपलाइन एवं बॉटमलाइन दोनों में ही सतत वृद्धि होती रहे।

वर्तमान की सफलता काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमें और ज्यादा प्रयास करने की ऊर्जा मिलती है परंतु हमारे पास भविष्य की सफलता की नींव रखने की भी महती जिम्मेदारी है। मेरे विचार में भविष्य की सफलता की नींव की सर्वाधिक प्रमुख ईंट

Dear Friends,

It is indeed a pleasure for me to communicate with you again through this issue of the House Journal. The first quarter of the new financial year is very important for any financial institution as it lays the foundation for better performance during the entire year. It's a matter of great pleasure and satisfaction that with your continuous efforts and contribution your Bank has begun new financial year with a splendid performance. The results of April-June 2022 quarter have been very encouraging. With the excellent performance of all the verticals of the Bank, we have been able to deliver outstanding results on almost all business parameters. Our overall global business grew by 13.98% Y-O-Y to approximately ₹18.72 lakh crore, domestic advances grew by 15.7% Y-O-Y, domestic deposits grew by 8.5%, CASA deposits grew by 97 basis points on a Y-O-Y basis reaching to a decent level of 44.18%. The Bank has been continuously improving its asset quality. Gross NPAs have declined by 260 bps and Net NPAs have gone down by 145 bps on a Y-O-Y basis. All these have resulted in your Bank earning a net profit of ₹2168 crores. I congratulate all of you for this wonderful performance. I am sure that you will continue your efforts with the same zeal and dedication in future also so that your Bank's topline and bottomline both grow on continuous basis.

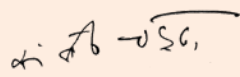
Our present success is very important because it gives us the energy to strive for more. We also owe responsibility to lay the foundation for future success. In my view the most important tool for the foundation of future success is technology. Our Bank of the future will be on a strong foundation of

तकनीक है. भविष्य का हमारा बैंक तकनीक आधारित होगा परंतु हमारा लक्ष्य तकनीक मात्र को बैंक में लाना नहीं है. तकनीक तभी तक हमारे लिए सार्थक है जब इससे ग्राहक-संतुष्टि के स्तर में बढ़ोत्तरी आए, जोखिम प्रबंधन के कार्य को हम बेहतर ढंग से कर पाएं, बैंक के लिए नए आय के साधन जुटा सकें. इस दृष्टि से डिजिटल बैंकिंग हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके माध्यम से ही हम ग्राहकों की सुविधा के लिए तकनीक का उपयोग करते हैं. ग्राहकों के लिए तकनीक के उपयोग का एक बेहतरीन उदाहरण 'बॉब वर्ल्ड' के रूप में आप सबके समक्ष है. मैं आप सभी का अत्यंत आभारी हूँ कि आपने अपने अथक प्रयासों के द्वारा एक ही वर्ष में बैंक के आधे गैर-वित्तीय समावेशन ग्राहकों को बॉब वर्ल्ड से जोड़ने का काम किया है और उन्हें इसका लाभ उठाने का अवसर प्रदान किया है और यह बहुत ही बड़ी उपलब्धि है. इस चैनल को हम जितना आगे बढ़ाएंगे हमारा बैंक भी उसी गति से आगे बढ़ेगा.

मौजूदा दौर प्रत्येक भारतीय के लिए एक विशेष दौर है. इस दौर में हमारा देश अपनी आज़ादी के 75 वर्ष पूरे कर स्वतंत्रता की शताब्दी अर्थात् इंडिया@100 की ओर आगे बढ़ रहा है. इस दौर में हम सभी के स्तर पर किए गए परिश्रम से प्राप्त उपलब्धियां बेहतर भारत के निर्माण की नींव रखेंगी. भारत सरकार ने भी इस दौर को खास बनाने के लिए अपनी तरफ से कई पहलें की हैं. आज़ादी के इस अमृत महोत्सव के दौर में हम सभी से यह अपेक्षा है कि हम एक नागरिक की हैसियत से, संस्थान की हैसियत से, समाज का एक हिस्सा होने की हैसियत से देश हित में अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए भारत के भविष्य के निर्माण की ओर सुदृढ़ता से कदम आगे बढ़ाएं. देश को एक बेहतर कल का मजबूत आधार प्रदान करने के लिए हमारे कार्य में समावेशिता जरूरी है ताकि हम इस दौर में उपलब्ध नए संसाधनों के जरिए समाज के प्रत्येक वर्ग को देश की उन्नति का हिस्सा बनाएं.

आज़ादी के अमृत महोत्सव के इस दौर में आइए! हम सभी मिल कर इंडिया@100 के सपने को पूरा करने पर अभी से कार्य को आरंभ करें और अपने बैंक की प्रगति के जरिए राष्ट्र की प्रगति का अटूट हिस्सा बनें.

शुभकामनाओं सहित,

  
संजीव चड्ढा

technology but merely bringing technology in the Bank is not our objective. Technology is important only to the extent it enriches customer experience, helps us in managing risk and creates new sources of income for the Bank. From this perspective digital Banking is very important for us because here we use technology for the convenience of the customers. Best example of providing technology for the convenience of our customers in our Bank is 'bob World'. I am very thankful to all of you for your unstinted efforts in bringing half of the Bank's non-financial inclusion customers to bob World's fold in a single year and provide them an opportunity to be benefitted by it. It's a great achievement for us. The more we take this channel forward, the faster will grow our Bank.

The present phase of our nation's journey post-independence, is very special for every Indian. In this phase, our country is moving towards the century of India's independence i.e. India@100 having completed 75 years of its independence. In this phase, our collective efforts and hard work and the achievements made out of them will lay the foundation for building the India of future. The Government of India has also taken many initiatives to make this phase of nation's journey very special. During Azadi ka Amrit Mahotsav, as a citizen, as an institution, as a part of the society it is expected from all of us to perform our duties in the best interest of the country so that we can firmly move ahead on the path of ensuring great future for my country. In order to build strong foundation for a better tomorrow, inclusive approach in our work is of utmost important so that we can include and engage every section of the society with the progress of the nation through new resources available in this phase.

In this age of Azadi ka Amrit Mahotsav let us all come together to fulfill the dream of India@100 and become an integral part of the progress of the nation by ensuring the progress of our Bank.

With best wishes,



Sanjiv Chadha

विषय-वस्तु प्रबंधन टीम

Content Management Team

अजय कुमार खोसला Ajay Kumar Khosla

प्रकाश वीर राठी Prakash Vir Rathi

सुब्रत कुमार Subrat Kumar

एम वी मुरलीकृष्णा M V Murali Krishna

पुरुषोत्तम Purushotam

अर्चना पाण्डेय Archana Pandey

आई वी एल श्रीधर IVL Shridhar

सुधांशु कुमार सिंह Sudhanshu Kumar Singh

रवीन्द्र सिंह नेगी Ravindra Singh Negi

कार्यकारी संपादक / Executive Editor

संजय सिंह / Sanjay Singh

संपादक / Editor

पुनीत कुमार मिश्र Punit Kumar Mishra

सहायक संपादक / Assistant Editor

महीपाल चौहान Mahipal Chauhan

सहयोग / Associate

बिक्रम सिंह Bikram Singh

पत्रिका संवाददाता / Magazine Correspondents

बीसीसी	BCC	उमानाथ मिश्र
अहमदाबाद	Ahmedabad	वंदना जैन
बड़ौदा	Baroda	अमर साव
बेंगलुरु	Bengaluru	सुमी पी यू
भोपाल	Bhopal	चंदन वर्मा
चंडीगढ़	Chandigarh	मोनिका सिंह
चेन्नै	Chennai	गौरी वी एम
एर्णाकुलम	Ernakulam	नीना देवस्सी एम
हैदराबाद	Hyderabad	अमित साव
जयपुर	Jaipur	सोमेश्वर यादव
कोलकाता	Kolkata	सुमित कुमार गुप्ता
लखनऊ	Lucknow	मोहम्मद इरशाद
मंगलुरु	Mangaluru	पुष्पलता बी एन
मेरठ	Meerut	दिनेश कुमार मित्तल
मुंबई	Mumbai	रेश्मा जलगांवकर
नई दिल्ली	New Delhi	पंकज वर्मा
पटना	Patna	मानिक चंद्र तिवारी
पुणे	Pune	अनुमिता सिंह
राजकोट	Rajkot	चन्द्रवीर सिंह राठौड़
एपेक्स अकादमी	Apex Academy	अमित चौधरी

बैंक ऑफ बड़ौदा के लिए प्रधान कार्यालय, बड़ौदा भवन, आर सी दत्त रोड, अलकापुरी, बड़ौदा - 390007 से संपादित एवं प्रकाशित.

ई-मेल : bobmaitri@bankofbaroda.co.in

Edited and published for Bank of Baroda at Head Office, Baroda Bhavan, R C Dutt Road, Alkapuri, Baroda - 390007.

E-mail : bobmaitri@bankofbaroda.co.in

# इस अंक में Contents

अप्रैल-जून • April-June 2022



- 03 प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश
- 06 कार्यकारी संपादक की कलम से
- 07 Launch of our Code of Ethics
- 09 Digital Currency
- 11 चैंपियन अंचल - चंडीगढ़ अंचल
- 14 चैंपियन क्षेत्र - अलवर क्षेत्र
- 16 वित्तीय समावेशन में भारतीय भाषाओं का योगदान
- 24 Success Begins at the End of Your Comfort Zone
- 25 एक महत्वपूर्ण पहलू - अनुपालन
- 26 Jan Samarth Portal
- 28 बैंकिंग में साइबर अपराधों के स्वरूप एवं सुरक्षात्मक उपाय
- 32 Financial Inclusion & Role of e-RUPI
- 40 ग्रीन बैंकिंग
- 42 Banking Transformation: Aligning with Emerging Trends
- 46 Artificial Intelligence in Banking
- 48 भारत में साइबर कानून : प्रभावशीलता एवं सुधारों की आवश्यकता
- 50 Wedding Industry
- 52 Flipping Through Golden Pages
- 54 A Trip to Ali Bedni Bugyal: My Quest to Explore Himalayas
- 55 जीआई टैग - जिओग्राफिकल इंडिकेशन
- 56 बचपन की कुछ सुनहरी यादें
- 58 An Insurance Policy for Every Life Goal
- 60 अखिल भारतीय वार्षिक राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन
- 61 Narrowing Down The Gap: The Bank Job
- 62 Non-Verbal Communication and Body Language
- 64 Doorstep Banking Services - An Alternate Channel



बॉबमैट्री, बैंक ऑफ बड़ौदा के कर्मचारियों के लिए प्रकाशित की जाती है. इसमें व्यक्त विचारों से बैंक का सहमत होना आवश्यक नहीं है.

BOBMAITRI is issued for all employees of Bank of Baroda. The views expressed in it do not necessarily represent those of the Bank.

रुपांकन : सॅप प्रिंट सोल्युशन्स प्रा. लि., 28, लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस.एन. पथ, लोअर परेल (प), मुंबई - 400 013, महाराष्ट्र, भारत.

Designed at : SAP Print Solutions Pvt. Ltd., 28, Lakshmi Industrial Estate, S. N. Path, Lower Parel (W), Mumbai-400 013. Maharashtra, India.



## कार्यकारी संपादक की कलम से / The Executive Editor Speaks

संजय सिंह, कार्यकारी संपादक | Sanjay Singh, Executive Editor

प्रिय पाठकों,

बैंक की गृह पत्रिका 'बॉबमैत्री' के कार्यकारी संपादक के रूप में आपसे संवाद करते हुए और आपके समक्ष पत्रिका का नवीनतम अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। पत्रिका का यह अंक आपको बैंक द्वारा आयोजित विविध गतिविधियों की झलक के साथ-साथ ज्ञानवर्धक सामग्री उपलब्ध कराएगा। मुझे आशा है कि इसे और अधिक आकर्षक बनाने के लिए आप हमारी संपादकीय टीम को सहयोग प्रदान करना जारी रखेंगे। डिजिटलीकरण की दिशा में एक और कदम उठाते हुए बैंक ने विभिन्न प्रकाशनों को डिजिटल रूप से एक स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए बॉब अभिव्यक्ति मोबाइल ऐप तैयार किया है। आप सभी इस ऐप के माध्यम से बड़ी सहजता से अपनी सुविधानुसार 'बॉबमैत्री' और अन्य कार्पोरेट पत्रिकाओं/न्यूजलेटर्स को एक्सेस कर सकते हैं।

वर्तमान में बैंकिंग सेवाओं के तेजी से हो रहे डिजिटलीकरण के साथ संभावनाओं का नया द्वार खुल रहा है। हमारा बैंक भी विभिन्न डिजिटल माध्यमों से ग्राहकों को त्वरित और सहज ग्राहक सेवा प्रदान कर लगातार अपनी परिचालनगत दक्षता को बढ़ा रहा है। ग्राहक को सहज सेवा प्रदान करने में भाषायी पक्ष भी बहुत महत्वपूर्ण होता है इसलिए हमारे बैंक ने ग्राहक सुविधा को नए स्तर पर ले जाने हेतु इस पक्ष पर विशेष ध्यान दिया है। व्हाट्सएप बैंकिंग के हिंदी वर्जन का आरंभ भी बैंक द्वारा इस दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। बैंक अपनी बहुभाषी एसएमएस सुविधा, मोबाइल बैंकिंग ऐप 'बॉब वर्ल्ड', अन्य सुविधाओं के प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चला रहा है। विभिन्न योजनाओं/ उत्पादों का लाभ उठाने की प्रक्रिया के बारे में आम ग्राहकों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विशेष रूप से हिंदी एवं भारतीय भाषाओं में वीडियो तैयार कर बैंक के विभिन्न सोशल मीडिया चैनलों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सभी बड़ोदियन इन वीडियो को लाइक और शेयर कर बैंक की इस पहल को समर्थन प्रदान करें।

पत्रिका के इस अंक में हमने श्री संजय कुमार का आलेख 'Digital Currency' शामिल किया है जिसमें भारत में डिजिटल मुद्रा की नई संकल्पना के आरंभ एवं उसके स्वरूप पर चर्चा की गई है। श्री राजीव कुमार ने अपने आलेख 'Financial Inclusion & Role of e-RUPI' में वित्तीय समावेशन में ई-रूपी की उपयोगिता का उल्लेख किया है। श्री क्षेम कुमार बी आर द्वारा 'Banking Transformation: Aligning with Emerging Trends' श्री राजेश गुलिया द्वारा 'Artificial Intelligence in Banking', श्री अशोक अग्रवाल द्वारा 'मानव व्यवहार पर सोशल मीडिया का प्रभाव' और सुश्री लक्ष्मी आनंद द्वारा 'Success Begins at the end of your Comfort Zone' अन्य ऐसे महत्वपूर्ण आलेख हैं जो हमारे पाठकों के लिए बैंकिंग के विविध पहलुओं एवं स्वविकास के संबंध में बहुत उपयोगी सिद्ध होंगे। साथ ही, इस अंक में श्री दिनेश कुमार का आलेख 'Wedding Industry' और सुश्री गीता का आलेख 'वित्तीय समावेशन में भारतीय भाषाओं का योगदान' भी शामिल किया गया है। इस अंक में तिमहाी के दौरान बैंक के 'चैंपियन अंचल एवं चैंपियन क्षेत्र' की व्यावसायिक उपलब्धियां भी प्रकाशित की गई हैं।

उपर्युक्त के अलावा, इस अंक में बैंक स्तर पर आयोजित विभिन्न समारोह, कार्यक्रम, समाचार और आयोजन, पुरस्कार एवं सम्मान पर रिपोर्ट और राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियों को शामिल किया है। मुझे विश्वास है उपर्युक्त विविधतापूर्ण सामग्री पाठकों के लिए इस अंक को और अधिक रोचक बना देगी। मैं अपने सुधी पाठकों से अनुरोध करता हूँ कि पत्रिका में रचनात्मक योगदान करते रहें और अपनी प्रतिक्रियाओं/ सुझावों से बॉब अभिव्यक्ति ऐप में उपलब्ध सुविधा का उपयोग कर अथवा bobmaitri@bankofbaroda.com पर मेल भेजकर हमें अवगत कराएं ताकि इस पत्रिका को निरंतर बेहतर बनाना सुनिश्चित किया जा सके।

शुभकामनाओं सहित,

संजय सिंह

Dear Readers,

It gives me immense pleasure to interact with you as the Executive Editor of the Bank's House Journal 'Bobmaitri' while presenting you the latest issue of the magazine. This issue of the Journal will give you the glimpses of several activities being organized by the bank and provide you informative material as well. I hope, you will continue to support our Editorial Team to make it more attractive. Taking another step towards digitization, Bank has developed Bob Abhivyakti mobile app to make available various publications digitally at one place. You can easily access 'Bobmaitri' and other corporate magazines/ newsletters through this app as per your convenience.

Currently, the rapid digitization of banking services is opening up a new world of opportunities. Our Bank is also continuously enhancing its operational efficiency by providing quick and seamless customer service to the customers through various digital channels. The aspect of language is also very important in providing seamless service to the customers. Hence, our bank has paid special attention to it so that the convenience of customers is taken to a new level. The launch of Hindi service of WhatsApp Banking is an important step taken by the bank in this direction. Further Bank is undertaking a massive campaign to promote its Multilingual SMS service, Mobile Banking App 'Bob World' and other facilities available in various Indian languages. In order to ensure awareness among customers about the process of availing various schemes/ products of the Bank, videos clips are being prepared in Hindi & Indian languages and are being made available on various social media channels. All Barodians are requested to support this initiative by liking and sharing these videos on social media.

In this issue of the magazine, we have included Shri Sanjay Kumar's article 'Digital Currency' which deliberates upon introduction of a new concept of Digital Currency in India and its features. Shri Rajiv Kumar in his article 'Financial Inclusion & Role of e-RUPI' has elaborated upon the utility of e-RUPI in financial inclusion. 'Banking Transformation: Aligning with Emerging Trends' by Shri Kshem Kumar B. R., 'Artificial Intelligence in Banking' by Shri Rajesh Gulia, 'मानव व्यवहार पर सोशल मीडिया का प्रभाव' by Shri Ashok Agarwal and 'Success Begins at the end of your Comfort Zone' by Ms. Lekshmy Anand are other important write ups which will be very useful to our readers in understanding various aspects of banking and self development. We have also included Shri Dinesh Kumar's article 'Wedding Industry' and Ms. Geeta's article 'वित्तीय समावेशन में भारतीय भाषाओं का योगदान' in this issue. The business achievements of the 'Champion Zone and Champion Region' of the Bank during the quarter have also been included in this issue.

In addition to the above, this issue also carries reports on various celebrations, events, news and activities organized at the bank level, reports on awards and honors and activities related to implementation of Official Language. I trust the above mix of content will make this issue more interesting for the readers. I request our fellow readers to keep on sending their contribution to the Journal and do let us know your feedback/ suggestions using the facility available in BOB Abhivyakti App or by sending mail to bobmaitri@bankofbaroda.com so that continuous improvement of this Journal is ensured.

With best wishes,

Sanjay Singh



# Launch of our Code of Ethics

The Bank launched “**Our Code of Ethics**” on **21<sup>st</sup> May 2022** at the Annual Business Conference, Bengaluru which is a ground-breaking initiative for a Public Sector Bank in the country. Our MD & CEO Shri Sanjiv Chadha with his team of Executive Directors Shri Ajay K. Khurana, Shri Vikramaditya Singh Khichi, Shri Debadatta Chand and Shri Joydeep Dutta Roy, Advisor to the Bank on Ethics & ESG- Dr. Mukund Rajan, Members of the Apex Level Ethics Committee, CGM (HRM) Shri Prakash Vir Rathi, CGM (Compliance) Shri Balasubramaniam Elango and Chief Risk Officer Shri S. Anantharaman, DGM (Project BOBNOWW) Shri Sunil Sinha and DGM & Head-Corporate Ethics Mrs. Jayanthi Bhat launched the Code of Ethics booklet.

Mrs. Jayanthi Bhat, Head-Corporate Ethics, in her welcome address highlighted how this Code of Ethics is an outcome of about nine months of deliberations and brainstorming and how drafting the Code of Ethics also threw up an opportunity to re-articulate the language on the Core Values of our Bank including its conforming and non-conforming behaviours so as to have better expression and alignment with the Code of Ethics.



Dr. Mukund Rajan addressed the gathering with lucid details on the Code of Ethics, its purpose and relevance in organization. He highlighted how the Ethics Agenda and the way it is executed can prove to be a turning point for the Bank. He



mentioned that Our Code of ethics holds its own with the Codes of some of the most respected names from India and from the Banking world internationally against whom it has been benchmarked and this Code can be relied upon for years to come, given its comprehensive coverage of all the provisions we would expect to see in a modern and contemporary Code of Ethics. The Code also underlines the pride every employee can feel about serving the Nation.



Shri Sanjiv Chadha, MD & CEO thanked Dr. Mukund Rajan for his unstinted support and guidance in preparation and launch of the Code of Ethics. In his brilliant talk, he highlighted the importance of Ethics in an organization citing example of the TATAs where Dr. Mukund

Rajan held the position of Chief Ethics Officer amongst other respectable positions. He also shared that his initial expectations before the launch of Code of Ethics has been that it will be employees as well as customer centric but this Code of Ethics rose above the expectations with its Stakeholder Centric approach comprising of ethical dimensions while dealing with other external stakeholders, business partners and the communities within which we operate. He directed that this Code shall be our guiding light to ethical conduct at work for years to come.

The event also marked the release of updated Core Values booklet and signing the Ethics Pledge by all the dignitaries. All the Chief General Managers, General Managers, Vertical Heads, Zonal Heads and Regional Heads were present at this historic occasion to witness the launch of "Our Code of Ethics". The Code of Ethics and Core Values booklet was distributed to all the members present in the gathering and they also signed the Ethics Pledge which is symbolic to our commitment to the Code of Ethics.



"Our Code of Ethics" is our guide to ethical behavior and re-affirms our commitment to each of our stakeholders to adhere to our Core Values and uphold the highest standards of ethical conduct while delivering superior business performance.

The Code contains simple illustrations of ethical dilemmas that we may face at work and helps us understand what we need to do in difficult situations.



Each one of us is ultimately responsible for living the values embedded in this Code. We are the ambassadors for our brand, and our work ethic and the way we behave (with integrity) is reflective of our culture.

This Code primarily contains five sections - "We Barodians", "Our Customers", "Our Other External Stakeholders", "Our Business" and "Our Communities". The Code presents how we cherish our Bank as a fair and inclusive place to work. The health and safety of each one of us and our stakeholders are top priorities. Discrimination, harassment or any unfair dealings including bribery and corruption are not tolerated. The Code highlights issues that typically impact our people in their daily business at the Bank, like managing conflicts of interest and protecting the integrity of the Bank's information and assets. The Code underlines our commitment to providing our customers with innovative and best in class products and services. Treating them fairly, understanding their needs while avoiding mis-selling and building long term relationships are all directly linked to our value of customer centricity. Our Code emphasizes political non-alignment and prohibition of anti-competitive behavior. Our values of excellence and passionate ownership emerge in commitments we make on issues such as transparent disclosure, the maintenance of a strong cyber security framework and building robust cyber security controls. It also underlines our responsibility to protect the environment and to playing our part in the transition towards a low carbon and resource efficient economy.



Let us all read, understand and internalize the various tenets of the Code of Ethics and consider it as a resource to be referred to frequently whenever we face ethical dilemmas at work and in need of clarity and guidance on the way forward.

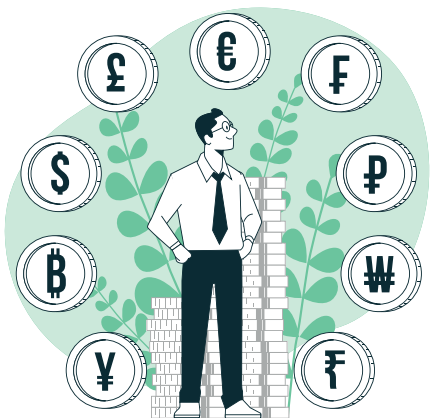




Money is an instrument used in exchange for buying something you need. It usually consists of currency notes and coins. The word "money" has originated from Rome. The temple of Juno Moneta at Rome built in 344 BC was the place where the Mint of ancient Rome was located. The name "Juno" is derived from the Goddess "Uni" which means the one or unique and Moneta either from the Latin word "Monere" meaning remind, warn, or instruct or from the Greek word "Moneres" which mean alone or unique. This Temple become Rome's primary mint where all coins were created and stored. Latin "Moneta" become "Moneie" in French and "moneye" in English from which the word "Money" derived.

**Barter system:** In this system an individual offer something he has in surplus for something he needs. For instance, a person having more fish would offer it to a person who may be having more of, say, corn. This system was full of defects and disadvantages. Many disputes arose on the value attached to the item offered for barter.

# DIGITAL CURRENCY



**Commodity money:** Exchange of commodity which had a better scope for measuring value came in. They played the role of currency against which other product were valued. Most common commodity used as money were cattle, salt and cowry shells. But the problem of commodity money is difference in estimates of values, lack of flexibility and inconvenient to store as wealth.

**Metal as money:** Metal become a better option for use as money. It offered easy transportation, divisibility and easier accumulation. Metal came in standard weight and size and also with Stamping showing its values.

**Object as money:** With metal finding a place as money, objects made of metal to become valuable commodities. However, it did not

find a widespread use for settling transactions.

**Coins:** In the beginning coins were made by hand and were coarse, rough and had irregular shapes. In the seventh century BC, the first full-fledged metal (gold, silver and bronze) coins appeared, with fixed weight and value and bearing an official seal.

**Paper money or fiat money:** The first recorded use of paper money was in the 7<sup>th</sup> century in China. Fiat money is a government-issued currency that is not backed by a commodity such as gold. Fiat money gives central banks greater control over the economy because they can control how much money is printed. Most modern paper currencies, such as the Indian rupee, are fiat currencies.

**Digital Currency:** In the present era paper money are losing its charm and a new form of currency that is digital currency or cryptocurrency are gaining popularity. digitisation of currency cannot be ignored by the countries and therefore it has become pertinent for Central banks to consider new money. **Central Bank Digital Currency (CBDC)** issued by a central bank of a country and enjoy government mandate. Usually, token based CBDC does not required the two parties to have a bank account; a person can pay with CBDC much like a payment made in cash. But, before going ahead, lets discuss the difference between Digital currency and cryptocurrency. While all crypto currencies could be considered digital currencies, the reverse is not true.

Particulars	Digital Currency	Cryptocurrency
Issuing authority	Issued by the Central bank of a nation that oversees the banking system in the country. For instance, RBI in India will issue digital currency when mandated by the government. It means digital currency are centralized.	No single issuing authority. It is developed by team as a piece of code used for issuance through mining. Creation as well as use, is maintained through distributed ledger. They transmit value across a decentralized network of users.
Encryption and underlying technology	There is little encryption happen in the digital currency and no Cyber security. Anyone having regular bank account can store and use digital currency.	Blockchain is the underline Technology in case of cryptocurrency. Cryptocurrency are stored in a wallet which have high degree of cyber security.
Stability and fluctuation	Digital currency is backed by central bank hence they are stable in value.	Cryptocurrency are volatile in nature. Their values are highly fluctuating.

Particulars	Digital Currency	Cryptocurrency
Transparency	Digital currency is backed by central issuing authority. Hence, it depends on the issuing authority that how much information they want to share with the public.	Cryptocurrencies are developed through blockchain which cannot be modified. Hence, cryptocurrencies are more transparent than digital currency.
Cost of transaction	Central issuing authority charges each time when the transaction takes place.	The cost of transaction is minimum and there is no fee for third party.
Legal framework	There is some kind of legal framework for protection for Digital currency in the country.	Except EL Salvador, till date no country has allowed any legal framework for cryptocurrency.

In her budget speech the finance minister Smt Nirmala Sitharaman introduced a Central Bank Digital Currency, a digital version of rupee using blockchain and other Technology starting from 2022-23. India is now ready for Digital currency because demonetisation in 2016 have increased digital transaction around hundred-fold. Low-cost 4G data and low-cost smartphone has further deepened the digital transaction. According to Atlantic Council, 87 countries representing over 90% of global GDP are currently exploring a CBDC in contrast to May 2020 when only 35 countries were considering it. There are 9 listed digital currency in the world and 56 digital currencies are under research or development. Jamaica recently announced its sovereign digital currency to be released in 2022. Eastern Caribbean countries launched a digital currency "Dcash", in 2021 itself.

#### Type of Central Bank digital currency:

- 1. Account-based:** Central Bank allows people to open an account and transfer money between account holders.
- 2. Token based or retail based:** Each token represents digital cash for use by the general public or non-banking entities.
- 3. Wholesale based:** A restricted access digital token is issued for wholesale settlement like interbank payments and even cross border payments.

It is important to understand that digital currency and transaction made on digital payment portals are not the same. No transaction on digital portal are nearly and

exchange of Fiat money facilitated by technology where no physical exchange is taking place between parties involved in the transaction. A digital currency on the other hand is another category of Fiat money that lacks any physical attributes and exist only in electronic form.

#### Factors for introduction of digital currency in India:

1. Large number of virtual currencies are circulated in the market and the market is extremely fragmented.
2. Due to limited scale and efficiency of private virtual currencies, transaction occurring through these currencies are very low.
3. The degree of pseudo-anonymity provided by private digital currencies discourages participation as the transaction have to be recorded on a public ledger that every participant has access to.
4. There are many technical and security concern associated with its use.
5. Moreover, cryptocurrency is largely decentralized with no issuance authority behind it which make it all list trusted source of investment and it is extremely volatile and subject to risks.

Despite a diverse range of virtual currency being available of private digital currency in India is very low and hence it offers a strong case for India only Digital Fiat rupee that will promote financial inclusion and increased demand for real money balances. It will ensure

privacy, transferability, convenience, accessibility and financial security.

Introduction of CBDC will reduce the cost of transaction especially for large corporate consumers. It will replace large cash transactions and reduce the cost that the central bank bears for printing, transporting and managing cash. CBDC currency is hard to duplicate or counterfeit and is secured by consensus mechanism that prevent tampering. Digital currency offers stability and safety in the market.

Paper currency make it difficult for interest rate to go negative at time of financial crisis. CBDC can allow banks to cut interest rates in response to a large deflationary pressure. Paper currency allow users to hide their transaction but it digital currency are able to track fraud ensuring that it resources of the economy are not misused. It gives the economy stability.

Digital currency can be used in direct benefit transfer to the vulnerable population ensuring increased exposure to digitisation and peak financial assistance at the same time. It will also boost The E-Commerce with greater trust.

**Conclusion:** Central Bank Digital Currency will give boost to the already strong digital infrastructure of the country. A country like India with a large and diverse population work as a sample market for the entire world to understand the mechanism of new products, that is, digital currency.

❖❖❖



**Sanjay Kumar**  
Chief Manager & Faculty  
Baroda Academy, Jaipur

## चंडीगढ़ अंचल

हमारा बैंक सफलता के नित नए सोपान तय कर रहा है और इसके पीछे सभी बड़ौदियन साथियों का विशेष योगदान है. अंचल कार्यालयों की श्रेणी में चंडीगढ़ अंचल श्रेष्ठ कार्य-निष्पादन हेतु बड़ौदा स्पर्श स्कोर के आधार पर जून, 2022 माह में तृतीय स्थान पर रहा है. टीम बॉबमैत्री की ओर से हम चंडीगढ़ अंचल की समस्त टीम को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हैं. आइए जानते हैं क्षेत्र के लीडरों से सफलता के मूलमंत्र - संपादक

### सफलता के मूलमंत्र

हमारे अंचल के लिए यह अत्यंत गौरव की बात है कि जून' 22 माह में अंचल ने अखिल भारतीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया है. यह उपलब्धि सभी स्टाफ सदस्यों के सहयोग और अथक परिश्रम से प्राप्त हो सकी है. मेरा मानना है कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्यनिष्पादन में निरंतरता का होना ज़रूरी है. हमारा अंचल एकजुट होकर पूर्ण लगन एवं उत्साह के साथ सकारात्मक दृष्टिकोण से निरंतर लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहता है. मैं हमेशा निम्नलिखित पंक्तियों को आत्मसात कर अंचल के स्टाफ सदस्यों को प्रोत्साहित करता हूँ कि :



**विमल कुमार नेगी**  
अंचल प्रमुख, चंडीगढ़ अंचल

- अंचल में 1 सीबीओ और 6 मुद्रा तिजोरियां / करेंसी चेस्ट हैं.
- 30-06-2022 की स्थिति के अनुसार अंचल में कुल 2984 स्टाफ हैं.
- अंचल ने जून' 21 से 101% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्ज करते हुए जून' 22 तक रु. 71.34 करोड़ का परिचालन लाभ दर्ज किया है.
- अंचल का कासा अनुपात वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 57 आधार अंकों के सुधार के साथ जून, 2022 तक 43.04% तक पहुंच गया है.

कोशिश कर हल निकलेगा, आज नहीं तो कल निकलेगा

अर्जुन के तीर सा सध, मरुस्थल से भी जल निकलेगा

मेहनत कर पौधों को पानी दे, बंजर ज़मीन से भी जल निकलेगा

ताकत जुटा हिम्मत को आग दे, फौलाद का भी बल निकलेगा

जिंदा रख दिल में उम्मीदों को, गरल के समंदर से भी गंगाजल निकलेगा

कोशिश जारी रख कुछ कर गुजरने की, जो है आज थमा-थमा सा चल निकलेगा

चंडीगढ़ अंचल 07 क्षेत्रों, 352 शाखाओं व 399 एटीएम के माध्यम से 3 राज्यों व 3 केंद्रशासित प्रदेशों में बैंकिंग सेवाएं दे रहा है. चंडीगढ़, जम्मू व कश्मीर के अलावा पंजाब, हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश में भी अंचल की उपस्थिति है. हमारे सभी क्षेत्र, बेहतर ग्राहक सेवा के माध्यम से व्यवसाय संवर्धन को केंद्र बिन्दु बनाकर काम करते हैं तथा बैंक के उत्पादों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाते हैं. जैसा कि वर्तमान दौर डिजिटल बैंकिंग का है तथा बैंक के उच्च प्रबंधन द्वारा डिजिटल बैंकिंग पर जोर दिया जा रहा है. हम बैंक के डिजिटल उत्पादों, मुख्य रूप से 'बॉब वर्ल्ड' से ग्राहकों को लाभान्वित करने के लिए सतत् अभियान चलाते रहते हैं. इस प्रकार के अभियानों में स्टाफ सदस्यों के साथ - साथ अंचल के व्यवसाय प्रतिनिधियों (बीसी) की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. अंचल में अच्छा कार्यनिष्पादन करने वाले सभी स्टाफ सदस्यों एवं व्यवसाय प्रतिनिधियों (बीसी) को उचित प्रकार से सम्मानित किया जाता है तथा उनका उत्साहवर्धन किया जाता है.

हमने लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास किए हैं. परिणामस्वरूप जून, 2022 माह में चण्डीगढ़ अंचल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है. इसका श्रेय मैं अंचल के सभी स्टाफ सदस्यों को देता हूँ.

- ऋण/ अग्रिम प्रस्तावों के अनुमोदनों तथा सुचारु रूप से प्रसंस्करण के लिए अंचल में 5 एसएमएस, 3 एसएमईएलएफ और 2 एसएमई प्रकोष्ठ हैं.
- 30-06-2022 की स्थिति के अनुसार अंचल में 64 कार्यपालक धारित शाखाएं हैं.

जून, 2022 तिमाही में चंडीगढ़ अंचल के व्यावसायिक कार्य-निष्पादन की उल्लेखनीय बातें :

- अंचल 14.84% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ रु. 38787 करोड़ के कुल कारोबार तक पहुंच गया है.
- खुदरा अग्रिमों में, अंचल ने जून, 2022 के अपने लक्ष्यों को पार कर लिया है. इसके अंतर्गत वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष आधार पर क्रमशः 5.36% और 24.82% की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे खुदरा अग्रिम में अंचल रु. 4835 करोड़ तक पहुंच गया है. तिमाही के दौरान, अंचल ने खुदरा अग्रिमों में कुल रु 546.87 करोड़ का संवितरण किया है.
- मॉर्गेज ऋण में अंचल ने जून, 2022 के अपने लक्ष्यों को 104.88% के अंतर से पार कर लिया है. 7.31% की वाईटीडी एवं 27.17% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्ज करके क्षेत्र का मॉर्गेज ऋण खंड रु. 580 करोड़ तक पहुंच गया है.
- ऑटो ऋण में, अंचल ने जून, 2022 के अपने लक्ष्यों को 104.88% के अंतर से पार कर लिया है.
- अंचल ने शिक्षा ऋण में अपने जून, 2022 के लक्ष्य को 102.56% के अंतर से हासिल कर लिया है. 30.06.2022 तक शिक्षा ऋण खंड रु. 196 करोड़ तक पहुंच गया जिससे वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 6.60% और 23.52% की वृद्धि हुई है.
- वैयक्तिक ऋण खंड में, अंचल ने जून, 2022 के लक्ष्य को 103 फीसदी के बड़े अंतर से हासिल किया. 30.06.2022 को वैयक्तिक ऋण खंड रु. 249 करोड़ तक पहुंच गया जिससे 25.03% वाईटीडी वृद्धि दर्ज की गई.
- कृषि अग्रिमों में, अंचल ने वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 4.78% और 18.97% की वृद्धि दर्ज की, जिससे जून 2022 के लक्ष्य 101.10% के अंतर से प्राप्त हुए.

- अंचल ने बीकेसीसी अग्रिमों, कृषि स्वर्ण ऋण और खाद्य-कृषि अग्रिमों में क्रमशः 102%, 100% और 104% के अपने लक्षित स्तर को सफलतापूर्वक पार कर लिया है।
- एमएसएमई अग्रिमों में, अंचल ने क्रमशः 14.01% और 3.41% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की है। 30.06.2022 की स्थिति के अनुसार, अंचल ने अपने आवंटित जून, 2022 के लक्ष्यों में से 99.81% हासिल किया और रु. 3238 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है।
- 30.06.2022 को अंचल ने कासा में 11.01%, बचत बैंक जमा में 10.15%, चालू जमा में 18.10% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की है। जून, 2022 माह के दौरान अंचल ने 2.10 की दैनिक औसत दर से -16689- बचत खाते खोले।
- जून, 2022 की तिमाही के दौरान, अंचल ने वसूली के तहत पहली तिमाही के लक्ष्य रु. 55 करोड़ के मुकाबले रु. 57.30 करोड़ की वसूली करके 104% उपलब्धि प्राप्त की।
- वित्तीय वर्ष 22-23 की पहली तिमाही के दौरान, अंचल स्लिपेज को रु 90.50 करोड़ तक सीमित करने में सक्षम रहा जो कि संपूर्ण शर्तों पर अखिल भारतीय स्तर पर दूसरा सबसे कम स्लिपेज था।
- जून, 2022 माह के दौरान अंचल ने बॉब वर्ल्ड सक्रियण के अंतर्गत लक्ष्य के मुकाबले 122% की उपलब्धि हासिल की।
- जून, 2022 माह में अंचल ने जीवन बीमा, सामान्य बीमा तथा स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत वर्ष दर वर्ष आधार पर क्रमशः 81.63%, 40.93% एवं 17.90% की वृद्धि दर्ज की है।

#### चंडीगढ़ अंचल को प्राप्त अन्य पुरस्कार एवं सम्मान

- मॉर्गेज ऋण के अंतर्गत चंडीगढ़ अंचल ने अखिल भारतीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया है।
- वसूली, बीकेसीसी अग्रिम, कृषि स्वर्ण ऋण एवं फूड - एग्री अग्रिम के अंतर्गत भी हमने लक्ष्यों को हासिल किया है।
- जून 22 तिमाही में, बॉब वर्ल्ड सक्रियण तथा इंटरनेट बैंकिंग सक्रियण के अंतर्गत चंडीगढ़ अंचल को क्रमशः दूसरा तथा तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।
- राजभाषा रेटिंग प्रणाली के अंतर्गत चंडीगढ़ अंचल को 'ख क्षेत्र' के अंतर्गत प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

#### अंचल के शीर्ष कार्य-निष्पादन वाले क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुख से जाने सफलता के मूलमंत्र



#### श्री सतपाल मेहरा, क्षेत्रीय प्रमुख, अमृतसर क्षेत्र

हमारे बैंक की गृह पत्रिका 'बॉबमैत्री' के माध्यम से आपके समक्ष आना मेरे लिए गौरव की बात है। क्षेत्रीय कार्यालय, अमृतसर में क्षेत्रीय प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के पश्चात मैंने पाया कि यहाँ के स्टाफ सदस्य लक्ष्य प्राप्ति के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। हमारी टीम के द्वारा की गई कड़ी मेहनत, कार्य के प्रति लगन, समर्पण के फलस्वरूप ही हम आज उच्च प्रबंधन द्वारा दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल हो पाए हैं।

क्षेत्रीय कार्यालय अमृतसर और शाखाओं के स्टाफ सदस्यों के सहयोग से अमृतसर क्षेत्र जून 22 माह में चंडीगढ़ अंचल में प्रथम स्थान पर रहा है। यह उपलब्धि सभी स्टाफ सदस्यों के श्रेष्ठ प्रदर्शन के कारण ही संभव हो पाई है। मैं स्टाफ सदस्यों द्वारा जून 22 माह के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु दिए गए सहयोग के लिए सराहना करता हूँ और सभी का धन्यवाद करता हूँ।

#### अमृतसर क्षेत्र की कुछ उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं -

- अमृतसर क्षेत्र ने कुल अग्रिम में जून 22 के अपने लक्ष्य को 102.20% के अंतर से पार कर लिया है। क्षेत्र का कुल अग्रिम रु. 935 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है, इस प्रकार 6.38% की वार्डटीडी वृद्धि और 11.46% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्ज की गई है।
- क्षेत्र ने खुदरा अग्रिम में, जून 22 के अपने लक्ष्य को भी 101.71% के अंतर से पार कर लिया है। क्षेत्र का खुदरा अग्रिम वार्डटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 7.59% और 24.50% की वृद्धि दर्ज करके रु. 409 करोड़ तक पहुँच गया है।
- आवास ऋण में, क्षेत्र ने 6.75% की वृद्धि दर्ज की है और रु. 174 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है तथा 102.90% के अंतर से जून 22 के अपने लक्ष्य को पार कर गया है।
- ऑटो ऋण में, क्षेत्र रु. 117 करोड़ तक पहुंच गया है, इस प्रकार वार्डटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 8.99% और 26.28% की वृद्धि दर्ज हुई है। क्षेत्र ने जून 22 के अपने लक्ष्य को 104.26% के अंतर से पार कर लिया है।
- शिक्षा ऋण में, क्षेत्र ने वार्डटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 10.54% और 11.00% की वृद्धि दर्ज की है जिससे यह रु. 20 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया है और जून 22 के अपने लक्ष्य को 106.51% के अंतर से पार कर गया है।
- क्षेत्र ने कृषि अग्रिम में जून 22 के अपने लक्ष्य को भी 100.90% के अंतर से पार कर लिया है। 30.06.2022 की स्थिति के अनुसार कृषि अग्रिम खंड रु. 198 करोड़ तक पहुंच गया, जिससे वार्डटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 4.58% और 12.29% की वृद्धि दर्ज हुई है।
- एमएसएमई अग्रिम में, क्षेत्र ने जून 22 के अपने लक्ष्यों को 101.50% के अंतर से हासिल किया है। 30-06-2022 की स्थिति के अनुसार एमएसएमई अग्रिम रु. 245 करोड़ तक पहुंच गया जिससे वार्डटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 4.61% और 13.75% की वृद्धि दर्ज हुई है।

#### अंत में कुछ पंक्तियाँ जरूर कहना चाहूँगा -

**जीत की खातिर बस जुनून चाहिए, जिसमें उबाल हो ऐसा खून चाहिए। यह आसमान भी आएगा ज़मीन पर, बस इरादों में जीत की गूँज चाहिए।**



#### श्री देवराज बंसवाल, क्षेत्रीय प्रमुख, जालंधर क्षेत्र

बॉबमैत्री के माध्यम से पहली बार मुझे आप लोगों से रूबरू होने का मौका मिल रहा है। जलन्धर क्षेत्र एनआरआई व्यवसाय केन्द्रित है जिसके कारण यहाँ पर कोर बैंकिंग में व्यवसाय के मानदंडों को हासिल करना बहुत चुनौतीपूर्ण रहता है परंतु यह हमारा टीम वर्क है कि हमने न केवल अपने लक्ष्य को हासिल किया है बल्कि अंचल स्तर पर भी अपने लिए एक सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया है। हम हमेशा इस दिशा में और अधिक प्रयास करते हुए व्यवसाय के क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने का निरंतर प्रयास करते रहेंगे। मैं, हमारी उपलब्धियों को इन चंद पंक्तियों में बयां करना चाहूँगा :

**कि तोड़ना है हर पिंजरा**

**कि मेरी उड़ान अभी बाकी है**

**मंजिलें जमी भर नहीं, आसमान अभी बाकी है**

**लहरों का थमना नहीं समंदर की बेबसी**

**बाहर खामोशी सही भीतर अभी तूफान बाकी है.**

- जालंधर क्षेत्र ने मांग जमा में जून 22 के अपने लक्ष्य को 102.71% के अंतर से पार कर लिया है. वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष की क्रमशः 8.25% और 47.39% वृद्धि दर्ज करने के बाद क्षेत्र रु. 134 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है.
- क्षेत्र ने कुल अग्रिम में जून 22 के अपने लक्ष्य को 102.48% के अंतर से पार कर लिया है. क्षेत्र का कुल अग्रिम रु. 1052 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया जिससे 6.81% की वाईटीडी वृद्धि और 13.62% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्ज की गई है.
- क्षेत्र ने खुदरा अग्रिम में जून 22 के अपने लक्ष्य को भी 100.72% के अंतर से पार कर लिया है. क्षेत्र का खुदरा अग्रिम वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 5.95% और 15.12% की वृद्धि दर्ज करके रु. 433 करोड़ तक पहुंच गया है.
- आवास ऋण में, क्षेत्र ने 3.58% की वाईटीडी वृद्धि दर्ज की है जिससे क्षेत्र का आवास ऋण रु. 191 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया है तथा 100.41% के अंतर से क्षेत्र ने जून 22 के अपने लक्ष्य को पार लिया है.
- इसी प्रकार ऑटो ऋण में, क्षेत्र रु.141 करोड़ तक पहुंच गया है जिससे वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 4.64% और 21.97% की वृद्धि दर्ज हुई है. क्षेत्र ने जून 22 के अपने लक्ष्य को 100.57% के अंतर से पार कर लिया है.
- मॉर्गेज ऋण में, क्षेत्र ने 9.16% की वाईटीडी वृद्धि दर्ज की है जिससे क्षेत्र का मॉर्गेज ऋण रु. 50 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया है तथा क्षेत्र ने 106.32% के अंतर से जून 22 के अपने लक्ष्य को पार कर लिया है.
- क्षेत्र ने कृषि अग्रिम में, जून 22 के अपने लक्ष्य को भी 100.81% के अंतर से पार कर लिया है. 30.06.2022 की स्थिति के अनुसार क्षेत्र का कृषि अग्रिम रु. 202 करोड़ तक पहुंच गया. इस प्रकार वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 6.50% और 18.58% की वृद्धि दर्ज हुई है.
- एमएसएमई अग्रिम में, क्षेत्र ने जून 22 के अपने लक्ष्य को 105.61% के अंतर से पार कर लिया है. 30-06-2022 तक एमएसएमई अग्रिम रु.330 करोड़ तक पहुंच गया, जिससे वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 8.98% और 12.08% की वृद्धि दर्ज हुई है.



**श्री श्रीपाल सिंह तोमर, क्षेत्रीय प्रमुख, शिमला क्षेत्र**

**“जो अपने कदमों की काबिलियत पर विश्वास रखते हैं, वो ही अक्सर मंजिल पर पहुँचते हैं”**

उक्त पंक्ति को शिमला क्षेत्र की टीम ने बखूबी साबित किया है. शिमला क्षेत्र भले ही चंडीगढ़ अंचल का सबसे छोटा क्षेत्र है परन्तु इस क्षेत्र की टीम ने अपने काम करने के जोश और जज़्बे से क्षेत्र को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है. सभी के सकारात्मक प्रयासों का ही परिणाम है कि हमारे क्षेत्र ने स्पर्श प्लस की रैंकिंग में अंचल स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया है. स्पर्श प्लस एक ऐसा माध्यम है जिसके जरिए बैंक ईमानदारी व मेहनत से कार्य करने वाले स्टाफ के लिए प्रत्यक्ष रूप से प्रेरणादायी सबित होता है और उत्साह से कार्य करने के लिए मनोबल बढ़ाता है.

मैं अपने क्षेत्र की कुछ उपलब्धियों की ओर आप सभी का ध्यानाकर्षित करना चाहूँगा:

- शिमला क्षेत्र ने मांग जमा में जून 22 के अपने लक्ष्य को 100.71% के अंतर से पार कर लिया है. 5.68% की वाईटीडी वृद्धि दर्ज करते हुए, क्षेत्र रु. 89 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है.
- क्षेत्र ने कुल अग्रिम में जून 22 के अपने लक्ष्य को 100.92% के अंतर से पार कर लिया है. इस प्रकार 5.82% की वाईटीडी वृद्धि दर्ज करते हुए क्षेत्र का कुल अग्रिम रु. 874 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है.
- क्षेत्र ने खुदरा अग्रिम में जून 22 के अपने लक्ष्य को 100.42% के अंतर से पार कर लिया है. क्षेत्र का खुदरा अग्रिम, वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 4.79% और 20.95% की वृद्धि दर्ज करके रु. 423 करोड़ तक पहुंच गया है.
- आवास ऋण के अंतर्गत क्षेत्र, 4.06% की वाईटीडी वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 247 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया है तथा जून 22 के अपने लक्ष्य को 100.55% के अंतर से पार कर गया है.
- ऑटो ऋण के अंतर्गत क्षेत्र, वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 3.58% और 14.95% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 98 करोड़ तक पहुंच गया है. क्षेत्र ने जून 22 के अपने लक्ष्य को 100.20% के अंतर से पार कर लिया है.
- मॉर्गेज ऋण में, क्षेत्र ने 8.98% की वाईटीडी वृद्धि दर्ज की है, जिससे यह रु.45 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया है और जून 22 के अपने लक्ष्य को 105.15% के अंतर से पार कर गया है.
- शिक्षा ऋण में, क्षेत्र ने वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 1.11% और 18.10% की वृद्धि दर्ज की है, जिससे यह रु.10 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया है तथा जून 22 के अपने लक्ष्य को 101.22% के अंतर से पार कर गया है.
- क्षेत्र ने कृषि अग्रिम में जून 22 के अपने लक्ष्य को भी 103.57% के अंतर से पार कर लिया है. क्षेत्र का कृषि अग्रिम रु. 60 करोड़ हो गया है, इस प्रकार वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 10.24% और 31.20% की वृद्धि दर्ज हुई है.
- एमएसएमई अग्रिम में, क्षेत्र ने जून 22 के अपने लक्ष्य को 100.43% के अंतर से पार कर लिया है. 30-06-2022 तक एमएसएमई अग्रिम रु. 334 करोड़ तक पहुंच गया जिससे वाईटीडी और वर्ष दर वर्ष क्रमशः 6.67% और 24.67% की वृद्धि दर्ज हुई.

हमारा क्षेत्र कई मानदंडों में अखिल भारतीय स्तर पर अग्रणी रहा है. आगे भी हम यह परंपरा बनाए रखेंगे और मुझे आशा है कि शाखाएँ सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने में पूरे उत्साह से प्रयास करेंगी और सभी अपनी मेहनत और लगन से क्षेत्र के विकास में भरपूर सहयोग देंगे. हमें अपने प्रयासों को सही दिशा में बढ़ाना है. छोटे-छोटे लक्ष्यों को पूरा करते हुए ही बड़े लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं. मुझे विश्वास है कि इसी तरह उन्नति के पथ पर एक-एक कदम बढ़ाते हुए हम बैंक और देश की प्रगति व विकास में अग्रसर रहेंगे. आशा है कि शाखाएँ उनके निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उत्साह से काम करेंगी और नई चुनौतियों को स्वीकार कर बड़ी सफलताएँ प्राप्त करेंगीं. हमें अग्रणी भूमिका निभाते हुए बदलाव के प्रयास के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करना होगा. मुझे अपनी टीम पर पूरा विश्वास है कि इस वित्तीय वर्ष में भी यही जोश व उत्साह बरकरार रखते हुए क्षेत्र के व्यवसाय को नए आयाम तक ले जाएगीं.

**‘बेहतर से बेहतर की तलाश करो,  
मिल जाए नदी तो समंदर की तलाश करो’**

❖❖❖

## अलवर क्षेत्र

हमारा बैंक सफलता के नित नए सोपान तय कर रहा है और इसके पीछे सभी बड़ौदियन साथियों का अथक परिश्रम है. क्षेत्रीय कार्यालयों की श्रेणी में अलवर क्षेत्र श्रेष्ठ कार्य-निष्पादन हेतु बड़ौदा स्पर्श स्कोर के आधार पर जून, 2022 माह में द्वितीय स्थान पर रहा है. टीम बॉबमैत्री की ओर से हम अलवर क्षेत्र की समस्त टीम को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हैं. आइए जानते हैं क्षेत्र के लीडरों से सफलता के मूलमंत्र – संपादक

### सफलता के मूलमंत्र

अलवर क्षेत्र सदैव ही जयपुर अंचल में स्थित सभी क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाए रखता है. मेरा यह मानना है कि किसी भी क्षेत्र का कार्यनिष्पादन यदि बेहतर से बेहतर होना है और वह ध्रुव तारे की तरह आकाश में चमकता है तो उसके पीछे सभी का योगदान होता है. कारोबार संबंधी मानदंड और लक्ष्य जो अंचल कार्यालय द्वारा हमारे क्षेत्रीय कार्यालय को दिए गए, चाहे वह खातों को खोलने से संबंधित हो, जमा राशियों के संग्रहण संबंधी हो या अन्य पार्टों से संबंधित व्यवसाय को लेकर हो, हर क्षेत्र में हमने सफलता के साथ अपने लक्ष्यों को पूरा किया है. साथ ही, बैंक द्वारा चलाये जा रहे सभी अभियानों में क्षेत्र की हमेशा सक्रिय भागीदारी रहती है.



राजेश कुमार शर्मा  
क्षेत्रीय प्रमुख, अलवर क्षेत्र

कोई भी क्षेत्र एक बेहतर, कुशल, दक्ष और प्रतिभावान टीम होने के बावजूद भी तब तक अपने प्रदर्शन को बेहतर नहीं बना सकता जब तक कि उससे जुड़ी हुई शाखाएं और शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा शाखा के सभी सदस्य किसी न किसी रूप में अपना योगदान ना दें. इसी को ध्यान में रखते हुये हमने हमेशा टीम का उत्साहवर्धन किया व इसी वजह से सम्पूर्ण टीम ने बैंक के सभी अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लिया. हमारी टीम के सहयोग से ही जून तिमाही में अलवर क्षेत्र GEMS रैंकिंग में अखिल भारतीय द्वितीय स्थान पर रहा है. हमारी टीम ने प्रथम तिमाही में उसी तरह से काम किया जैसा वित्तीय वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में किया था.

**जीतूंगा मैं, यह खुद से वादा करो,**

**जितना सोचते हो, कोशिश उससे ज्यादा करो,**

**तकदीर भी रुठे पर हिम्मत न टूटे,**

**मजबूत इतना अपना इरादा करो.**

जयपुर अंचल में स्थित अलवर क्षेत्र में अलवर जिला, सीकर जिला व जयपुर ग्रामीण में स्थित कुल 66 शाखाएं हैं. क्षेत्र में 15 शहरी शाखाएं, 22 अर्ध शहरी शाखाएं तथा 29 ग्रामीण शाखाएं हैं. अलवर जिले में स्थित सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान व बाघ संरक्षण क्षेत्र अपने प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए सम्पूर्ण भारत में प्रसिद्ध है. इसी के साथ भिवाड़ी, नीमराना व बहरोर उत्तर पश्चिमी भारत के प्रमुख औद्योगिक केन्द्रों में से हैं. ऐतिहासिक सीकर जिला राजस्थान के शेखावटी क्षेत्र में आता है. सीकर जिला अपनी हवेलियों व प्रसिद्ध खाटू श्याम जी के मंदिर के लिए प्रसिद्ध हैं. सीकर जिला एनआरआई व्यवसाय का भी बहुत बड़ा केंद्र है. इसी के साथ शिक्षा, कृषि व पशुपालन यहां के प्रमुख व्यवसाय हैं. साथ ही, अलवर क्षेत्र में 1 एसएमएस, 1 एसएमईएलएफ तथा 1 करेंसी चेस्ट भी है. हमारे क्षेत्र में 410 बीसी कार्यरत हैं.

अप्रैल-जून 2022 तिमाही के दौरान अलवर क्षेत्र के व्यवसायिक कार्य निष्पादन की उल्लेखनीय बातें:

1. जून तिमाही की समाप्ति में क्षेत्र का कुल व्यवसाय रु. 7200.67 करोड़ रहा, जिसमें कासा रु. 2661.71 करोड़ (62.26%), कुल जमा रु. 4275.03 करोड़, कुल अग्रिम रु. 2925.63 करोड़ रहा.
2. जून तिमाही में क्षेत्र ने अपने कुल अग्रिम, खुदरा अग्रिम, कृषि अग्रिम, एमएसएमई अग्रिम के लक्ष्य प्राप्त किए.
3. जून तिमाही में क्षेत्र ने गृह ऋण, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण व पर्सनल ऋण के लक्ष्य प्राप्त किए.
4. जून तिमाही में क्षेत्र ने कुल 13235 नॉन एफआई बचत खाते खोले व कुल 749 चालू खाते खोले हैं.

**क्षेत्र की शीर्ष कार्यनिष्पादन वाली शाखाओं के शाखा प्रमुख से जानें सफलता के मूलमंत्र**

### बगरु शाखा

जयपुर जिले में स्थित बगरु शाखा का नेतृत्व मुख्य प्रबंधक श्री अनिरुद्ध खंगारोत द्वारा किया जा रहा है. उन्होंने 06.09.2021 को शाखा का कार्यभार ग्रहण किया और तभी से बगरु शाखा अलवर क्षेत्र की शीर्ष शाखाओं में अपना स्थान बनाए रखी है. शाखा में कुल 13 स्टाफ सदस्य हैं. जून तिमाही में शाखा ने अपने चालू जमा, बचत जमा, कासा जमा, कुल जमा, खुदरा अग्रिम, कृषि अग्रिम, एमएसएमई अग्रिम के लक्ष्य प्राप्त किए हैं. जून, 2022 में शाखा का कुल व्यवसाय रु. 154.89 करोड़ रहा. शाखा द्वारा सदैव ही सभी अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लिया जाता है, जो शाखा प्रमुख के कुशल नेतृत्व का ही परिणाम है. इसके फलस्वरूप शाखा जून तिमाही में क्षेत्र में सर्वाधिक लघु वैयक्तिक ऋण कर क्षेत्र में प्रथम स्थान पर रही है.



## स्टेशन रोड, सीकर शाखा

सीकर जिले में स्थित स्टेशन रोड, सीकर शाखा का सदैव ही अलवर क्षेत्र के व्यवसाय में अच्छा योगदान रहा है। मुख्य प्रबंधक श्री कृष्ण कुमार वर्मा द्वारा दिनांक 04.11.2020 से शाखा की बागडोर संभाली जा रही है। शाखा का जून, 2022 तिमाही में कुल व्यवसाय रु. 331.10 करोड़ रहा। शाखा का न सिर्फ कोर व्यवसाय में सराहनीय प्रदर्शन रहा, अपितु इंडिया फ्रस्ट लाइफ इंश्योरेंस में भी शानदार प्रदर्शन रहा। शाखा प्रमुख तथा शाखा में पदस्थ सभी 17 स्टाफ सदस्यों द्वारा बैंक के सभी अभियानों में सदैव ही सक्रिय भागीदारी की गई।



## न्यू बस स्टैंड, बहरोर शाखा

अलवर जिले में स्थित न्यू बस स्टैंड, बहरोर शाखा की वर्तमान शाखा प्रमुख श्रीमती हिमांशी शर्मा द्वारा शाखा का कार्यभार 17.08.2021 को संभाला गया। शाखा ने जून 2022 तिमाही में अपने कुल जमा व कुल अग्रिम के लक्ष्यों को प्राप्त किया है। शाखा का जून में कुल व्यवसाय रु. 75.94 करोड़ रहा। शाखा में पदस्थापित सभी 10 स्टाफ सदस्यों की सदैव ही सभी अभियानों में सक्रिय भागीदारी रहती है। शाखा का प्रदर्शन सदैव ही सभी मापदंडों में उत्साहजनक रहता है।



## श्री सचिन कुमार गुप्ता



मुख्य प्रबंधक श्री सचिन कुमार गुप्ता अलवर क्षेत्र में ऋण विभाग प्रमुख हैं। इनके द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही में अलवर क्षेत्र के कुल अग्रिम में रु. 136.25 करोड़ के साथ 5.75% की वृद्धि हुई। साथ ही, जून तिमाही में क्षेत्र के खुदरा ऋण के सभी वर्गों में

लक्ष्य प्राप्त किए गए। खुदरा ऋण में क्षेत्र द्वारा रु. 68.04 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गयी। अंचल द्वारा चलाये गए सभी अभियानों में सदैव ही अलवर क्षेत्र अग्रणी रहा। जून तिमाही में जयपुर अंचल में प्रतिशत बढ़ोतरी के आधार पर अलवर क्षेत्र प्रथम रहा। उनके द्वारा क्षेत्र की सभी शाखाओं की खुदरा ऋण में जून तिमाही में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गयी।

## श्री श्याम कुमार जूनवाल



वरिष्ठ प्रबंधक श्री श्याम कुमार जूनवाल अलवर क्षेत्र में क्षेत्रीय विपणन प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। श्री जूनवाल के अथक प्रयासों की वजह से ही अलवर क्षेत्र जून तिमाही में इंडिया फ्रस्ट लाइफ इंश्योरेंस में जयपुर अंचल में अप्रैल, मई व जून माह की रोलिंग ट्रॉफी जीत पाया। साथ ही अलवर क्षेत्र जीवन बीमा में शहंशाह व सरताज क्षेत्र रहा। अलवर क्षेत्र ने अपने इंडिया फ्रस्ट लाइफ इंश्योरेंस के लक्ष्य भी प्राप्त किए।

## श्री संदीप कुमार चौधरी



वरिष्ठ प्रबंधक श्री संदीप कुमार चौधरी अलवर क्षेत्र में क्षेत्रीय डिजिटल मैनेजर व आई टी विभाग प्रमुख के पद पर कार्यरत हैं। श्री चौधरी के प्रयासों से अलवर क्षेत्र जून तिमाही में 29655 बॉब वर्ल्ड एक्टिवेशन कर सम्पूर्ण भारत में प्रथम स्थान पर रहा। इन्हीं के प्रयासों की वजह से अलवर क्षेत्र ने बॉब वर्ल्ड में अप्रैल माह व जून माह में अंचल की रोलिंग ट्रॉफी जीती। साथ ही, डिजिटल प्रीमियर लीग अभियान में क्षेत्र सम्पूर्ण भारत में प्रथम स्थान पर रहा।

## अलवर क्षेत्र को प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान

1. डिजिटल प्रीमियर लीग अभियान में क्षेत्र सम्पूर्ण भारत में प्रथम स्थान पर रहा।
2. क्षेत्र ने अप्रैल व जून माह में अंचल में सर्वाधिक बॉब वर्ल्ड एक्टिवेशन कर रोलिंग ट्रॉफी जीती।
3. क्षेत्र बॉब वर्ल्ड एक्टिवेशन में प्रथम तिमाही में सम्पूर्ण भारत में प्रथम स्थान पर रहा।
4. क्षेत्र ने जून तिमाही के अपने रिकवरी के लक्ष्य प्राप्त किए।
5. अप्रैल माह में अलवर क्षेत्र इंडिया फ्रस्ट लाइफ इंश्योरेंस में सम्पूर्ण भारत में 9 वें स्थान पर रहा।
6. क्षेत्र ने अप्रैल, मई व जून माह की इंडिया फ्रस्ट लाइफ इंश्योरेंस की रोलिंग ट्रॉफी जीती।
7. इंडिया फ्रस्ट लाइफ इंश्योरेंस व्यवसाय में क्षेत्र शहंशाह क्षेत्र रहा।
8. स्वास्थ्य बीमा में क्षेत्र स्वास्थ्य क्षेत्र रहा।
9. जून तिमाही में क्षेत्र की 100% शाखाओं का दौरा किया गया।
10. क्षेत्र के अंतर्गत फिलहाल -0- एटीआर हैं। सभी अनुपालना से संबंधित अनियमितताएं समय से पहले ही सुधार ली जाती हैं। क्षेत्र का ध्येय सदैव ही "अनुपालना के साथ व्यवसाय" रहा है।

# वित्तीय समावेशन में भारतीय भाषाओं का योगदान

समाज के वंचित, पिछड़े एवं कम आय वाले लोगों को वित्तीय सेवाएँ प्रदान करना ही वित्तीय समावेशन है। जैसा कि नाम से स्पष्ट है वित्तीय समावेशन कम आय वाले व्यक्तियों और समाज के वंचित वर्ग को वहनीय कीमत पर भुगतान, बचत, ऋण आदि सहित समस्त वित्तीय सेवाएँ पहुँचाने का प्रयास है। इसे 'समावेशी वित्तपोषण' भी कहा जाता है।

वित्तीय समावेशन का मुख्य उद्देश्य उन नियमों/प्रतिबंधों को दूर करना है, जो आम जनता/नागरिकों को वित्तीय क्षेत्र में भाग लेने में असमर्थ बनाते हैं। उन्हें किसी भी प्रकार के भेदभाव के बिना उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय सेवाओं को उपलब्ध कराना है। किसी भी देश के आर्थिक विकास का मुख्य आधार उस देश का बुनियादी ढाँचा होता है। यदि बुनियादी ढाँचा ही कमजोर होगा तो कितना भी प्रयास किया जाए व्यवस्था को मजबूत नहीं बनाया जा सकता है। यही कारण है कि देश की अर्थव्यवस्था के विकास एवं उन्नति हेतु वित्तीय समावेशन के प्रयासों को बल प्रदान करने के लिये नीति-निर्माताओं द्वारा एक ऐसे मार्ग का अनुसरण किया गया है जिसके माध्यम से सरकार आम आदमी को अर्थव्यवस्था के औपचारिक माध्यम में शामिल कर सके।

देश के सभी नागरिकों को वित्तीय आवश्यकताओं के प्रति सचेत करने एवं वित्तीय सुविधा रहित लोगों को बैंकिंग अथवा वित्तीय समावेशन के अंतर्गत सेवाएँ प्रदान करने के भारत सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबाई) के कुशल/समग्र प्रयास को साकार करने के लिए अलग-अलग मॉडल को अपनाया जाने लगा है। वित्तीय समावेशन का यह प्रयास है

कि न केवल वित्तीय सुविधा रहित लोगों को वित्तीय सुविधाओं से लाभान्वित किया जा सके बल्कि उन लोगों को वित्तीय या बैंकिंग सेवाओं के प्रति जागरूक भी बनाया जा सके। भाषा इस अभियान के अंतर्गत वित्तीय सेवाएँ पहुँचाने और वित्तीय शिक्षा देने के प्रयास का एक महत्वपूर्ण पहलू है। भारत के अधिकांश प्रदेशों में हिंदी और क्षेत्रीय भाषाएँ संपर्क भाषा के रूप में सार्थक योगदान दे रही हैं। भाषा के साथ वे माध्यम भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जो इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, उनमें समाचार माध्यमों, व्यवसाय प्रतिनिधियों और स्वयं सहायता समूहों का योगदान उल्लेखनीय है।

किसी भी देश के विकास के लिए देश की जनता की पूर्ण भागीदारी अपेक्षित है क्योंकि बिना समावेशी विकास के विकसित अर्थव्यवस्था की नींव नहीं रखी जा सकती। समावेशी विकास को सुनिश्चित करने के लिए देश के अंतिम व्यक्ति में भी भागीदारी की भावना जागृत करनी होती है और यह बिना हिन्दी/क्षेत्रीय भाषाओं के सहयोग के संभव नहीं है। यहाँ यह कहना समीचीन होगा कि जिस देश में बहुसंख्यक जनसंख्या हिन्दी भाषा बोल व समझ सके उस देश में संचार की सबसे उपयुक्त भाषा हिन्दी ही हो सकती है। देश की अधिकांश आबादी हिन्दी जानती और समझती है। वैसे आज रोजगार पाने के लिए लोग देश के अलग-अलग भाषाई क्षेत्रों में जाकर बसे हुए हैं, इस कारण अलग-अलग भाषाई लोगों को भी भिन्न भाषाओं को समझने का अवसर मिला है। समाचार पत्र, दूरदर्शन एवं विभिन्न निजी चैनलों ने भी भाषाओं की दूरियों को कम कर दिया है।

## वित्तीय समावेशन में भाषा की भूमिका:

इसमें दो मत नहीं है कि वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में भाषा की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ग्राहकों तक वित्तीय समावेशन के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए अनिवार्य है कि ग्राहकों को उनकी अपनी भाषा में जानकारी दी जाए। हिन्दी को संपर्क भाषा के रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है। विदेशी कंपनियाँ अपने उत्पादों को बेचने के लिए भारतीय भाषाओं का प्रयोग कर रही हैं। उन कंपनियों के विज्ञापन भी भारतीय भाषाओं में प्रकाशित हो रहे हैं।

आज के परिवर्तनशील युग में सूचना प्रौद्योगिकी हमारे रोजाना कामकाज का अंग बन चुकी है। कार्यालयीन काम-काज, स्कूल, महाविद्यालय, व्यवसाय या किसी भी अन्य संगठन की बात करें तो भाषा प्रौद्योगिकी ने सभी आयामों को प्रभावित किया है। सूचना प्रौद्योगिकी से व्यवसाय या कारोबार गतिमान हो गये हैं। समूचे विश्व में इंटरनेट एक सशक्त संचार माध्यम के रूप में प्रचलित हो चुका है। भाषा प्रौद्योगिकी ने अनुवाद, समाचार पत्र, कार्यालयीन कामकाज, संचार माध्यमों में अपना स्थान कायम कर लिया है। भाषा प्रौद्योगिकी ने सरकारी कामकाज में भी अपना महत्वपूर्ण स्थान कायम कर लिया है। उदाहरणतः हिन्दी-टंकण न जानने वाले व्यक्ति भी अब आसानी से हिन्दी में टंकण कार्य कर सकते हैं।

## वित्तीय समावेशन में प्रौद्योगिकी की भाषा

प्रत्येक कारोबार या संगठन इंटरनेट तकनीक से जुड़ा हुआ है। संगठन अपने कारोबार/उत्पादों की जानकारी लोगों को उनकी भाषा में पहुँचाने



में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वर्तमान समय में जनसंचार के लिए वेबपोर्टल प्रादेशिक भाषाओं और हिंदी में भी उपलब्ध हैं। आम लोगों को वित्तीय रूप से जोड़ने के लिए इस माध्यम का प्रयोग कर सकते हैं। हो सकता है कि तत्काल सफलता प्राप्त नहीं हो, लेकिन ज्यादा देरी नहीं लगेगी। आज सभी गावों को तकनीक से जोड़ा जा रहा है, सभी लोगों से संपर्क स्थापित किये जा रहे हैं। हमें भविष्य में इस माध्यम का उपयोग कर वित्तीय समावेशन की गतिविधियों को लोगों तक पहुंचाने में सहायता प्राप्त होगी। भविष्य में वित्तीय सुविधा रहित लोगों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का यह प्रयास बहुमूल्य साबित होगा जिससे आम लोग वित्तीय रूप से साक्षर होंगे। इस कार्य में भाषा अर्थात् लोगों के उनके क्षेत्र या संचार की भाषा मील का पत्थर साबित होगी।

### संचार माध्यम की भाषा और वित्तीय समावेशन:

कृषि क्षेत्र को परिवर्तनशील बनाने के लिए और किसानों को कृषि की जानकारी देने के लिए महाराष्ट्र में दूरदर्शन केंद्र ने "आमची माती, आमची माणसं" और "कृषि दर्शन" जैसे सफल कार्यक्रम प्रसारित किये, जो किसानों के लिए काफी ज्ञानवर्धक रहे। हमें वित्तीय समावेशन के सफल कार्यान्वयन के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों को प्रचारित/ प्रसारित करना होगा। ऑडियो विजुअल माध्यमों की सहायता से भी हम वित्तीय समावेशन के उद्देश्य को सफल बना सकते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों को प्रादेशिक भाषाओं में प्रसारित किया जाना चाहिए।

नाबार्ड द्वारा किये गये ऐसे प्रयास उल्लेखनीय साबित हो रहे हैं। ऑडियो विजुअल माध्यमों एवं समाचार पत्रों के साथ हमें व्यवसाय प्रतिनिधियों की भी सहायता लेनी चाहिए। व्यवसाय प्रतिनिधियों

द्वारा ग्रामीण या वित्तीय सुविधा रहित लोगों को उनकी भाषा में उनके पास जाकर सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

वित्तीय समावेशन के अभियान को सफल बनाने के लिए भारतीय भाषाओं के प्रयोग की आवश्यकता है। वित्तीय समावेशन के अधीन अधिकांशतः वे लोग आते हैं, जो अंग्रेजी नहीं जानते या बहुत कम जानते हैं ऐसे लोग या तो क्षेत्रीय भाषा अथवा हिंदी जानते/ समझते हैं। वैसे लोगों को उनकी भाषा में जानकारी देते हुए भाषाई आदान-प्रदान करने से वित्तीय समावेशन का उद्देश्य व्यापक रूप से सफल होगा।

❖❖❖



गीता

राजभाषा अधिकारी  
गुड़गांव क्षेत्र

## कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व / Corporate Social Responsibility

### मैसूरु क्षेत्र द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत वाहन का दान



17 मई, 2022 मैसूरु क्षेत्र द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत अखिल भारत वाक एवं श्रवण संस्था, मैसूरु को एक वाहन दिया गया। इस कार्यक्रम में अखिल भारत वाक एवं श्रवण संस्था के निदेशक डॉ.पुष्पावती, बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री अजय कुमार खुराना, अंचल प्रमुख श्री सुधाकर डी नायक ए, क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर मुरलीकृष्णा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री लोकेश एम तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### बेंगलुरु दक्षिण क्षेत्र द्वारा वाटर प्यूरीफायर की स्थापना



बेंगलुरु दक्षिण क्षेत्र की सिंगेन अग्रहारा शाखा द्वारा एपीएमएसी यार्ड में वाटर प्यूरीफाईर की स्थापना की गई। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री सुधाकर डी नायक ए, क्षेत्रीय प्रमुख श्री रितेश कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज कुमार सिन्हा एवं शाखा प्रमुख उपस्थित रहे।

### मैसूरु क्षेत्र द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत कम्प्यूटरों का दान



18 मई, 2022 को मैसूरु क्षेत्र द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत श्री चामुंडेश्वरी मंदिर को तीन कंप्यूटर प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में श्री चामुंडेश्वरी मंदिर के कार्यपालक अधिकारी श्री यतिराज संपतकुमार, बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री अजय कुमार खुराना, मुख्य महाप्रबंधक श्री जेठानन्द चोपड़ा, अंचल प्रमुख श्री सुधाकर डी नायक ए, क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर मुरली कृष्णा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री लोकेश एम तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## नासिक क्षेत्र द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन



03 अप्रैल, 2022 को नासिक क्षेत्र द्वारा बड़ौदा आरोग्य धाम, देवलाली, नाशिक में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री देबदत्त चांद, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल बड़जात्या, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## अमृतसर क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



05 मई, 2022 को अमृतसर क्षेत्र द्वारा श्रेष्ठ कार्य करने वाली शाखाओं को सम्मानित करने हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सतपाल मेहरा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा शाखाओं के शाखा प्रमुख उपस्थित रहे।

## राजकोट अंचल द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन



18 मई, 2022 को राजकोट अंचल द्वारा व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री देबदत्त चाँद, अंचल प्रमुख श्री विजय कुमार बसेठा, उप अंचल प्रमुख श्री वाय एस ठाकुर, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री नरेंद्र सिंह, सभी क्षेत्रीय प्रमुख, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## तेलंगाना उत्तर क्षेत्र द्वारा एसएचजी क्रेडिट लिंकेज कार्यक्रम का आयोजन



24 जून, 2022 को तेलंगाना उत्तर क्षेत्र द्वारा एसएचजी क्रेडिट लिंकेज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राविपाटि श्रीनिवास, अधिकारीगण तथा अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

## बड़ौदा शहर क्षेत्र 2 द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन



बड़ौदा शहर क्षेत्र 2 द्वारा 29 अप्रैल, 2022 को उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाले स्टाफ सदस्यों को सम्मानित करने हेतु पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजन प्रसाद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री चन्द्रकान्त चक्रवर्ती तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## बेंगलूरु अंचल द्वारा डिजिटल एजु आउटलेट का उद्घाटन



05 अप्रैल, 2022 को बेंगलूरु अंचल द्वारा बैंक के सर्वप्रथम डिजिटल एजु आउटलेट का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना द्वारा किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री सुधाकर डी नायक ए, बेंगलूरु मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश खन्ना तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## बड़ौदा अंचल द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन



5 मई, 2022 को बड़ौदा अंचल द्वारा सभी क्षेत्रीय प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची, अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## मुंबई अंचल द्वारा कार्यशाला का आयोजन



02 जून, 2022 को मुंबई अंचल द्वारा जोनल एक्शन प्लानिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय से महाप्रबंधक श्रीमती स्वप्ना बंदोपाध्याय, अंचल प्रमुख श्री जगदीश तुंगारिया, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## Madurai Region organizes MSME Customer Meet



On 28th June, 2022 Madurai Region, Rajapalayam Branch organised a MSME CUSTOMER MEET at Dhalavaipuram, Rajapalayam. Paddy and Rice Dealer's Association's Secretary Shri S A Ramar, President Shri M R Anandhan, Regional Head Shri M. Srinivasan, Branch Head Shri Madhusudhana Kumar and other Staff Members were present on the occasion.

## संबलपुर क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



16 जून, 2022 को संबलपुर क्षेत्र द्वारा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को सम्मानित करने हेतु पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री सोनाम टी भूटिया, शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## नई दिल्ली अंचल द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन



25 मई, 2022 को नई दिल्ली अंचल द्वारा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाले स्टाफ सदस्यों को सम्मानित करने हेतु वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री अमित तुली, उप अंचल प्रमुख श्री भवानी शंकर गुप्ता, नेटवर्क डीजीएम श्री घनश्याम सिंह और सभी क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुख उपस्थित रहे।

## जूनागढ़ क्षेत्र की मुख्य शाखा के नए परिसर का उद्घाटन



जूनागढ़ क्षेत्र द्वारा जूनागढ़ मुख्य शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री पराग शिरगांवकर, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री विकास चावला, शाखा प्रमुख श्री राम बिनय कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## Udupi II Region organises Annual BC meet



Udupi II region organized Annual BC meet on 11<sup>th</sup> June, 2022. Deputy Regional Manager Shri Prasanth Kumar, other dignitaries were present on the occasion.

## उदयपुर क्षेत्र द्वारा व्यवसाय संवर्धन बैठक का आयोजन



21 जून, 2022 को उदयपुर क्षेत्र में अंचल प्रमुख श्री के के चौधरी की अध्यक्षता में शाखा प्रमुखों की समीक्षा एवं व्यवसाय संवर्धन बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री सुधांशु शेखर खमारी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल कुमार माहेश्वरी, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनादि भट्ट, वरिष्ठ कार्यपालकगण एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

## आगरा क्षेत्र द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन



08 जून, 2022 को आगरा क्षेत्र द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री विवेक शुक्ला, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय अग्रवाल तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

## बड़ौदा शहर क्षेत्र 2 द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन



08 जून, 2022 को बड़ौदा शहर क्षेत्र 2 द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजन प्रसाद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री चन्द्रकान्त चक्रवर्ती एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

## दुर्ग क्षेत्र द्वारा वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन



22 अप्रैल, 2022 को दुर्ग क्षेत्र द्वारा शाखाओं के शाखा प्रमुखों की व्यवसाय समीक्षा बैठक तथा वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविंद काटकर, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सिद्धार्थ वर्मा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

## बांसवाड़ा क्षेत्र द्वारा ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन



22 जून, 2022 को बांसवाड़ा क्षेत्र द्वारा ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री के के चौधरी, नेटवर्क (उप महाप्रबंधक) श्री सुधांशु शेखर खमारी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री महेंद्र कुमार जैन, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री जवानमल रमेशा, वरिष्ठ कार्यपालकगण एवं ग्राहकगण उपस्थित रहे.

## भरुच क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन



24 जून, 2022 को भरुच क्षेत्र द्वारा क्षेत्र के स्टाफ सदस्यों तथा बीसी हेतु बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सचिन वर्मा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## नासिक क्षेत्र द्वारा शाखा प्रबंधकों की बैठक का आयोजन



नासिक क्षेत्र द्वारा 06 जून, 2022 को शाखा प्रमुखों के लिए समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्रीमती मिनी टी. एम., उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री राकेश कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल बड़जात्या तथा शाखाओं के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## बिलासपुर क्षेत्र द्वारा बैंक मित्रों के साथ बैठक का आयोजन



15 जून, 2022 को विलासपुर क्षेत्र द्वारा बैंक मित्रों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री बरून कुमार मेहेर, बैंक मित्र तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन



बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा 13 अप्रैल, 2022 को उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं के स्टाफ सदस्यों हेतु पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव आनंद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविंद कुमार सिन्हा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## जबलपुर क्षेत्र द्वारा टाउन हॉल सभा का आयोजन



13 अप्रैल, 2022 को जबलपुर क्षेत्र द्वारा भोपाल अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी. डालाकोटी की अध्यक्षता में टाउन हॉल सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री मदनपाल सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजीव कुमार तथा शाखाओं के शाखा प्रमुख उपस्थित रहे।

## कोटा क्षेत्र द्वारा सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों की बैठक का आयोजन



कोटा क्षेत्र द्वारा 13 मई, 2022 को बैंक के सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बैंक की विभिन्न योजनाओं के बारे में चर्चा की गयी। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश आनंद मेहरा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री तेज सिंह मीना, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## विजयवाणी रियल एस्टेट एक्सपो-2022 में बेंगलूरु अंचल का प्रतिनिधित्व



08 अप्रैल, 2022 को बेंगलूरु में आयोजित तीन दिवसीय विजयवाणी रियल्टी एक्सपो-2022 में बैंक के स्टॉल का उद्घाटन अंचल प्रमुख श्री सुधाकर डी नायक द्वारा किया गया। इस अवसर पर बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री रितेश कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## अजमेर क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन



अजमेर क्षेत्र द्वारा 30 अप्रैल, 2022 को व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची, मुख्य महाप्रबंधक (आरआरबी एवं आर सेटी) श्री संजय ग्रोवर, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## नवसारी क्षेत्र द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन



08 जून, 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आइकोनिक सप्ताह में नवसारी क्षेत्र द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज गुप्ता एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## टीवी 9 एजुकेशन समिट 2022 में बेंगलूरु अंचल का प्रतिनिधित्व



टीवी9 कन्नडा 24x7 न्यूज चैनल द्वारा आयोजित एजुकेशन समिट में बैंक के स्टॉल का उद्घाटन अंचल प्रमुख श्री सुधाकर डी नायक ए द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंगलूरु अंचल प्रमुख श्रीमती गायत्री आर, फिल्म अभिनेत्री सुश्री सान्ची, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## झुंझुनू क्षेत्र द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन



09 जून, 2022 को झुंझुनू क्षेत्र द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी. एल. सुंडा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर. एस. नैन, अग्रणी जिला प्रबंधक श्री रतन लाल वर्मा, बीएसवीएस, झुंझुनू के निदेशक श्री नवदीप सिंह तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## बड़ौदा शहर क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



बड़ौदा शहर क्षेत्र द्वारा 18 जून, 2022 को पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती वृषाली कांबली, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## कोटा क्षेत्र द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड ऋण मेला का आयोजन



कोटा क्षेत्र द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत लाभार्थी पशुपालकों के लिए ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोकसभा के अध्यक्ष श्री ओम बिडला, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा के मुख्य महाप्रबंधक श्री संजीव डोभाल, अंचल प्रमुख श्री कमलेश कुमार चौधरी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश आनंद मेहरा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## Hubli Region organises camp for account opening



Hubli Region organized camp for opening of salary accounts under police package at Dharwad branch, Hubli. Regional Head Shri Mathi Chakravarthi, RBDM Shri Vijay P Patil, LDM Shri Annaiah, SP of Dharwad Shri P Krishnakant were present on the occasion.

## अहमदाबाद अंचल द्वारा कार्यशाला का आयोजन



24 जून, 2022 को अहमदाबाद अंचल द्वारा मानव संसाधन प्रबंधन के स्टाफ सदस्यों हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई से महाप्रबंधक सुश्री सपना बंदोपाध्याय, अंचल प्रमुख श्री एम एम बंसल, विशेष अतिथि के रूप में किनसेंट्रिक संस्था से सुश्री अदिति गाला, अंचल और क्षेत्र के मानव संसाधन प्रबंधन विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## मुजफ्फरपुर क्षेत्र 2 द्वारा जागरूकता कैंप का आयोजन



20 मई, 2022 को मुजफ्फरपुर क्षेत्र 2 द्वारा बुनियादी बैंकिंग सेवाओं के बारे में नागरिकों को जागरूक करने हेतु जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वित्तीय सेवाएँ विभाग के संयुक्त सचिव श्री भूषण कुमार सिन्हा, क्षेत्रीय प्रमुख श्री शिव शंकर कुमार, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## वाराणसी क्षेत्र द्वारा ग्राहक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन



08 जून, 2022 को वाराणसी क्षेत्र द्वारा ग्राहक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री नीलमणि, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## सूरत शहर क्षेत्र द्वारा क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन



08 जून, 2022 को सूरत शहर क्षेत्र द्वारा क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सूरत शहर के क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर के गोयल, सूरत सिटी की मेयर श्रीमती हेमालीबेन बोधावाला, सूरत जिला के कलेक्टर श्री आयुष ओक, सूरत जिला क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अश्विनी कुमार एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

# Success Begins at the End of Your Comfort Zone

Do you know what is the fastest way to go up in your career? It's nothing but stepping out of your comfort zone. Your career actually starts the day you push yourself out of your comfort zone.

What exactly is a comfort zone?

Your comfort zone is a place where familiarity and routine provide you with a sense of safety and predictability. That's the space you have been for quite a while and you are in control of that space. You have a steady level of performance there and you find it very easy and comfortable to be there.

Now, just think of a moment you pushed yourself out of your comfort zone and did something new. Can you recollect any occasion?

Leaving your comfort zone happens in two situations.

One - you are compelled to move out of your comfort zone. Here you do not have a choice. Either you adapt to the new place or you give up.

Two – you leave your comfort zone out of your own choice. There could be many reasons for this conscious decision. Your routine becomes monotonous or you are bored being there for long or you want to learn things which happen outside your comfort zone or you want to try out something different or develop your skills.

In both the cases, the moment you move out of your comfort zone, you do not find it easy to adapt to the new environment. Sometimes it becomes too hard and uneasy that you give up. But if you stick on to it, even though you are struggling, you are opening the door for success.

Success always belonged to those who ventured outside their comfort zone. If you continue to be in your comfort zone, life could be easy for you but after a point of time, you would realise that you did not reach where you could have and you did not live the life you wanted. Boredom always slows you down and you become complacent. The biggest obstacle for anyone to achieve their goals is their comfort zone.

The studies say there are four zones – comfort zone, fear zone, learning zone and growth zone. Moving from the first zone to the fourth zone leads the way to success.

Yes, it will be overwhelming in the beginning but the best things happen when you leave your comfort haven. In work place also, if you observe, those who went out of their comfort space always came out more successful than the others.

## How to step out of your comfort zone?

The first and foremost thing is to be open to changes. Break your routine. Figure out your boundaries and take the first step to come out of the boundaries. Once you are self-sabotaged in comfort zone, you don't want to try anything new for fear of failure. The best way to adapt to the new environment is to demystify your fears. How? List out your fears, sit down and think about the ways and means to address each one of them. Face everything and rise.

How often do you give challenges to yourself? Once you challenge your beliefs, you would see magic happening. Don't ask "what if I can't?". Instead, ask "what if I can?" You would realise that you are much more capable than you give yourself credit for. Challenging yourself is important for self-development as well. There are ample opportunities awaiting you at the exit ramp of your comfort zone.

Open yourself up to unfamiliar situations and embrace new experiences. Focus on the best things that can happen. All you need is the zeal to learn new things. No learning happens in comfort zone. Think about where you want to be in your career. Jot down your goals. Break your goal into smaller segments and devise a plan. Be creative and find out new ways to do things. Just start doing it – once you start, you will realise it's not as difficult as you perceived and gradually you will exceed your own expectations. Once you expand your horizon, you will grow personally as well as professionally. What you want in life is just one step outside your comfort zone. Live your dream.

As you push past your comfort zone, you will find a world where anything is possible. Don't be a caged lion. Step out and rule your kingdom.



**Lekshmy Anand**  
Chief Executive  
Fiji Operations



# एक महत्वपूर्ण पहलू - अनुपालन



भारत का बैंकिंग परिदृश्य तेजी से बदल रहा है. प्रौद्योगिकी के विकास के साथ-साथ पूरे बैंकिंग उद्योग में बड़े पैमाने पर बदलाव हुए हैं, जिससे वित्तीय प्रणाली के परिचालन के तौर-तरीके तथा वित्तीय संस्थानों के कामकाज के तरीके भी बदल गए हैं. वित्तीय प्रौद्योगिकी को एक ऐसे विघटनकारी प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है जिससे भविष्य में वित्तीय क्षेत्र, कारोबारी मॉडल और बैंकिंग क्षेत्र की संरचना में आमूल-चूल बदलाव देखने को मिलेगा.

साधारण बोलचाल में 'जवाबदेही' का मतलब 'उत्तरदायित्व' होता है और सीधे शब्दों में इसका अर्थ होता है कि कोई व्यक्ति अपने निर्णय और कार्यों के लिए जिम्मेदार है. यह अति महत्वपूर्ण है कि बैंकिंग के सभी पहलुओं में अनुपालन संस्कृति को आत्मसात किया जाए और एक सशक्त अनुपालन संस्कृति विकसित की जाए जो परिचालनगत/ फंक्शनल उत्तरदायित्वों की स्पष्ट समझ, निष्पादित किए जाने वाले विभिन्न कार्यदायित्वों से संबंधित अपेक्षाओं, अच्छे गवर्नेंस को बढ़ावा देने, नैतिक आचरण अपनाने के साथ-साथ गैर अनुपालन की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करने पर आधारित हो.

गैर अनुपालित बैंकिंग परिचालनों या संव्यवहारों का क्रियान्वयन आगे चलकर बड़े परिचालन जोखिमों को तेजी से बढ़ावा दे सकता है और इसके साथ ही स्टाफ सदस्यों को भी यह मुश्किल में डाल सकता है. मौजूदा जवाबदेही संबंधी प्रशासनिक प्रवर्तन संबंधी इस नीति का उद्देश्य जवाबदेही के समग्र पहलुओं को सकारात्मक परिप्रेक्ष्य में पुनः स्थापित करना है. यह नीति जवाबदेही को निम्नलिखित -3- स्तंभों के तहत परिभाषित करती है.

**पहला स्तंभ** - अनुपालन संस्कृति के अंतर्निहित हिस्से के रूप में जवाबदेही.

**दूसरा स्तंभ** - जवाबदेही का प्रशासनिक प्रवर्तन (सावधानी बरतने एवं अनुपालन व्यवहार की पहचान और गैर-अनुपालन के लिए अलर्ट सिस्टम या रेड फ्लैग की व्यवस्था).

**तीसरा स्तंभ** - गैर-अनुपालन के लिए स्टाफ जवाबदेही की जांच और परिणामस्वरूप संभावित दंडात्मक कार्रवाई.

पहला स्तंभ संपूर्ण संगठन में अनुपालन संस्कृति को मजबूत करने से संबंधित है. इसमें कर्मचारियों द्वारा बैंक की अनुपालन संबंधी नीति, जिसमें अनुपालन के क्रियान्वयन के लिए फ्रेमवर्क, अनुपालन के सिद्धांतों, अनुपालन संस्कृति फ्रेमवर्क एवं संरचना और अनुपालन में शामिल विभिन्न अधिकारियों के कार्य दायित्वों को निर्धारित किया गया है. दूसरा स्तंभ जवाबदेही संबंधी प्रशासनिक प्रवर्तन से संबंधित है. यह स्तंभ रोकथाम के बारे में है और यह कर्मचारियों को दंडात्मक कार्रवाई वाले तीसरे स्थान के दायरे में आने से बचाव पर आधारित है.

जवाबदेही संबंधी प्रशासनिक प्रवर्तन के एक भाग के रूप में, व्हाइट फ्लैग और रेड फ्लैग पॉइंट की एक प्रणाली स्थापित की जा रही है. सकारात्मक पॉइंट (जिसे व्हाइट फ्लैग पॉइंट कहा जाता है) का उद्देश्य प्रोत्साहित करना और अनुपालन तथा कार्य आचार संहिता को जारी रखने की दिशा में अभिप्रेरित करना है, जबकि नकारात्मक पॉइंट (जिसे रेड फ्लैग पॉइंट कहा जाता है) का उद्देश्य उल्लंघनों/ अतिक्रमण पर कर्मचारियों को सचेत करना और आगे की दंडात्मक कार्रवाइयों से बचने के लिए समय पर इसमें सुधार करने में उनकी सहायता करना है.

**'व्हाइट फ्लैग' पॉइंट:** कर्मचारियों को उनके सकारात्मक और पूर्ण रूप से अनुपालित व्यवहार हेतु सम्मान स्वरूप व्हाइट फ्लैग पॉइंट दिए जाने हैं.

श्रेणी 1 - 1 व्हाइट फ्लैग पॉइंट



श्रेणी 2 - 3 व्हाइट फ्लैग पॉइंट



श्रेणी 3 - 5 व्हाइट फ्लैग पॉइंट



ऐसे क्षेत्रों की सूची तैयार की जाती है जहां 100% अनुपालन की अपेक्षा की जाती है और जहां कर्मचारियों को निरंतर अनुपालित व्यवहार प्रदर्शित करना आवश्यक होता है.

**रेड फ्लैग पॉइंट :** कर्मचारियों के लिए रेड फ्लैग पॉइंट की प्रणाली बैंक में मान्य प्रमुख गैर-अनुपालन मामलों के लिए होगी ताकि इन नॉन-निगोशिएबल विषयों के प्रति वांछित रूप से सजगता पैदा करने में सहायता प्राप्त हो. गैर-अनुपालन की किसी भी एक मद के लिए रेड फ्लैग पॉइंट दिए जा सकते हैं जो गैर अनुपालन के जोखिम की गंभीरता के अनुरूप 1 पॉइंट से 5 पॉइंट तक होंगे. जोखिम की विभिन्न श्रेणियों के लिए रेड फ्लैग पॉइंट निम्नानुसार होंगे:-

**कम जोखिम क्षेत्र - 1 रेड फ्लैग पॉइंट**



**मध्यम जोखिम क्षेत्र - 3 रेड फ्लैग पॉइंट**



**उच्च जोखिम क्षेत्र - 5 रेड फ्लैग पॉइंट**



**कर्मचारियों को दिए गए रेड फ्लैग के विरुद्ध आपत्ति दर्ज करने/ अपील करने का अवसर** - उपर्युक्त दिशानिर्देशों के तहत गैर अनुपालन के लिए जिन कर्मचारियों को रेड फ्लैग पॉइंट दिए गए हैं, उन्हें दिए गए रेड फ्लैग पॉइंट के विरुद्ध आपत्ति दर्ज करने/ अपील करने का अवसर दिया जाएगा, उसके पश्चात परिचालन संबंधी चूक के लिए सामान्य कर्मचारी जवाबदेही नीति के तहत उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार जांच की जाएगी एवं जवाबदेह पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी और यदि गैर-अनुपालन के लिए जिम्मेदार नहीं पाया जाता है, तो कोई रेड फ्लैग नहीं दिया जाएगा.

पूरे बैंकिंग जगत में अनुपालन की संस्कृति में बहुत सारे सुधार किए जाने की आवश्यकता है. बैंकों के पर्यवेक्षक के तौर पर भारतीय रिजर्व बैंक इस बात को लेकर बहुत गम्भीर है कि बैंकों में सदृढ़ कार्पोरेट गवर्नेंस और स्वस्थ अनुपालन संस्कृति हो क्योंकि ये बैंकों के सुरक्षित एवं अच्छे कारोबार के लिए अपरिहार्य हैं और यदि इसका प्रभावी ढंग से पालन नहीं किया जाता, तो यह बैंक के जोखिम प्रोफाइल पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है.

संदर्भ : बीसीसी.बीआर.113:398 दिनांक 06 जुलाई 2021



**मधुरिमा पात्रा**  
प्रबंधक

खालना शाखा, कोलकाता मेट्रो 2 क्षेत्र

# JAN SAMARTH PORTAL

In June 2022, the National Portal for Credit Linked Government schemes – Jan Samarth Portal has been launched by Government of India. The Ministry of Finance has come out with the Portal for connecting the borrowers directly with the Lenders for credit-linked government schemes.

“Jan Samarth” provides single window facility for 13 Government Schemes application submission and 125+ Member Lending Institutions (including all Public Sector Banks) to choose from. The portal can be accessed in English, Hindi, Marathi, Bengali, Telugu, Gujarati, and Asami. Portal also enables real time checks with CBDT, GST, UDYAM, NeSL, UIDAI, CIBIL etc ensures faster loan processing.

“Jan Samarth” portal is developed to facilitate credit under Government Schemes under Agriculture, Livelihood, and Education categories. 13 Government schemes are on Jan Samarth portal. “Jan Samarth” portal will check eligibility, give in principle sanction and send the application to the selected Bank. It will also keep the beneficiaries updated at each stage of the journey.

## Objective of Jan Samarth Portal

The primary purpose of the portal is to develop various sectors and encourage inclusive growth by providing them with the right type of government benefits through easy and simple digital processes.

The portal ensures end-to-end coverage of all the credit-linked government schemes. This one-stop digital portal has 13 government credit initiatives on a single platform with four loan categories. With the help of this portal, the beneficiaries and lenders can connect seamlessly. This portal will quickly process the application, through which an applicant can check their criteria and eligibility, upload required documents. And at end, applicant

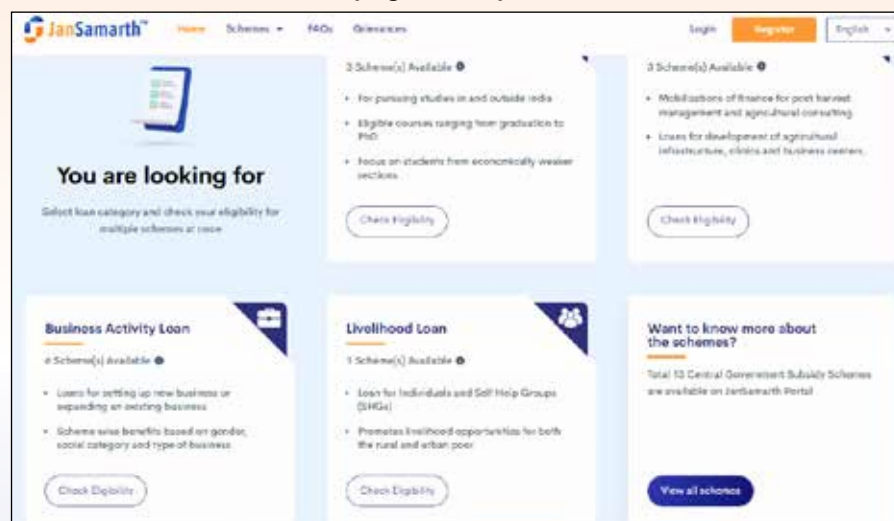
can check the status of their application. The Portal is connected with various external portal like GST, CBDT, UDYAM CIBIL which will help the Lenders in making the credit decision fast. Digital verifications made through this portal this makes the lending process hassle-free and easy.

With the help of the Jan Samarth portal, the beneficiaries and lenders can connect seamlessly.

portal and more will be on-boarded.

- It will check eligibility, give in-principle sanctions, and send the application to the selected Bank.
- It will also keep the beneficiaries updated at each stage of the journey, without necessitating multiple visits to bank branches.
- The Portal also provide the silent Features of the schemes.

## The Homepage of this portal looks like



## Salient Features of the portal

The Portal uses cutting-edge technologies and smart analytics to provide intuitive guidance to beneficiaries for checking subsidy eligibility. The auto recommendation system offers most suitable schemes as per the beneficiary's requirements and credentials. Advanced technologies automate entire lending processes based on digital verifications making the entire process simple, speedy and hassle-free.

- It will facilitate credit under **Government Schemes in the domains of Agriculture, Livelihood, Education and Business.**
- Government schemes are already on the Jan Samarth

## Jan Samarth: Partner banks

Various Ministries, nodal agencies are the members of this Portal. On the platform, there are more than 9 Ministries, at least -1- nodal agency and over 125 plus lenders. Applicant can select the loan category and check eligibility for multiple schemes at once at Jan Samarth Portal.

## Types of Loan Categories in Jan Samarth Portal

As of now, there are four main loan categories under which different credit-linked government schemes are stated. The loan categories are as follows:

### Business Loan

A beneficiary can avail of this category for expansion and new

business or activity under an existing business. Different schemes under this category provide various benefits in classification based on gender, type of business, and economic sector. As of now, six schemes are enlisted under this major business loan category:

- Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP)
- Weaver Mudra Scheme (WMS)
- Pradhan Mantri MUDRA Yojana (PMMY)
- Pradhan Mantri Street Vendor Atma Nirbhar Nidhi Scheme (PMSVANidhi)
- Self-Employment Scheme for Rehabilitation of Manual Scavengers (SRMS)
- Stand Up India Scheme

### Livelihood Loan

Only one scheme (Deendayal Antyodaya Yojana – National Rural Livelihoods Mission (DAY-NRLM)) is currently enrolled under this loan category. The primary focus for facilitating the loan is to reduce poverty by catering financial assistance to the poor, especially women, enabling them to avail themselves of an extensive array of financial institutions or credit scheme options.

### Agri-Infrastructure Loan

This section of credit schemes can be availed for post-harvest maintenance and agriculture consulting. Loans are granted to promote the development of the agricultural infrastructure of the economy; for instance, funds are provided for the construction of clinics and commercial centers related to agricultural activities.

### Three schemes have been made available under this category:

- Agri Clinics and Agri-Business Centers Scheme (ACABC)
- Agricultural Marketing Infrastructure (AMI)
- Agriculture Infrastructure Fund (AIF)

### Education Loan

Loans are granted for pursuing studies in India or even outside India. The funds are granted for almost all courses to impart quality education among the nation, especially to the poor.

### Three schemes have been made available under this category:

- Central Sector Interest Subsidy (CSIS)
- Padho Pardesh
- Dr. Ambedkar Central Sector Scheme

### JAN SAMARTH PORTAL: ELIGIBILITY



Any Individual can apply for a loan on the Jan Samarth Portal. An individual can check the eligibility by clicking on the 'Schemes' option on the homepage of the Jan Samarth portal, selecting the loan category from the drop-down list and clicking on the respective government scheme. They need to check the loan category if the individual is eligible or not. For applying online, the applicant needs to submit the documents:

- Aadhaar Number
- Voter ID
- PAN
- Bank statements

### PROCESS FOR APPLICATION

Each scheme has different documentation requirements. To apply online on the Portal, the basic document required would be an Aadhaar number and a valid bank account along with a few basic details to be filled in on the portal.

Beneficiaries can digitally check eligibility in few simple steps, apply online under eligible schemes and receive digital approval. The steps are as follows:

**Step 1:** The beneficiary can check his/her eligibility by answering a few questions and get matched with best suitable schemes.

**Step 2:** The beneficiary can then apply online by providing basic details and documents.

**Step 3:** In this step, the beneficiary can view offers from 125+ lenders and get digital approval from selected bank.

**Step 4:** Finally, the beneficiary can check his/her real time application status.

### CONCLUSION

The Jan Samarth Portal, will improve the lives of students, farmers, businessmen and MSME entrepreneurs. Jan Samarth Portal is a one-stop digital portal that links the government's credit schemes on a single platform and connects beneficiaries directly to the lenders. This saves credit-seeking individuals, MSME's significant time by saving them from searching for credit schemes on multiple government websites. The portal seeks to provide the right type of government benefits through easy digital processes.

References:

- www.jansamarth.in
- https://www.indiatoday.in/information
- https://www.bankersadda.com



**Shilpa Kukreti**  
Senior Manager (Faculty)  
Baroda Academy, Jaipur



# बैंकिंग में साइबर अपराधों के स्वरूप एवं सुरक्षात्मक उपाय

मानव इतिहास के साथ अपराध भी जुड़ा है। समय के साथ समाज में परिवर्तन के साथ होने वाले अपराधों में भी परिवर्तन आया है। आज वर्तमान समय में साइबर अपराध जैसा शब्द कुछ ज्यादा ही प्रचलित है। इन अपराधों में व्यापक वृद्धि वैश्विक चिंता का विषय बन गई है तथा साइबर अपराध एक नई चुनौती के रूप में विश्व भर के सामने आए हैं। यह अपराध कुछ यूनिक है क्योंकि अपराधी शारीरिक रूप से उपस्थित हुए बिना गुमनाम रूप से और पीड़ित से बहुत दूर रहकर अपराध कर देता है। यह साइबर अपराधी पकड़े जाने के भय के बिना दूर से ही किसी अपराध को पूरा कर देते हैं। विश्व के लगभग सभी देशों ने साइबर अपराध से निपटने हेतु कानून बनाए हैं, लेकिन इससे साइबर अपराध में कोई कमी आती हुई प्रतीत नहीं हो रही। हालांकि कानून अपना काम करता है, इसलिए कानून के महत्व को कम नहीं आँका जा सकता।

साइबर अपराध वो अपराध है जिसमें कंप्यूटर या मोबाइल या टबलेट आदि को तो क्राइम करने के साधन तौर पर इस्तेमाल अथवा कंप्यूटर या मोबाइल या टबलेट आदि को टारगेट या लक्ष्य के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इन अपराधों में पैसों की चोरी, ठगी, हैकिंग, सॉफ्टवेयर पायरेसी, कॉपीराइट उल्लंघन, आदि अपराध शामिल हैं। बैंकिंग संबंधित साइबर क्राइम में अपराधी का मुख्य उद्देश्य सामने वाले का पैसा लेना होता है, इसके लिए धोखाधड़ी के लिए निम्नलिखित हथकंडे अपनाता है:

## विशिंग :

विशिंग में अपराधी फोन कॉल के जरिए गोपनीय जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। डिटेल्स जैसे यूजर आईडी, लॉगिन और ट्रांजैक्शन पासवर्ड, ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड), यूआरएन (यूनिक रजिस्ट्रेशन नंबर), कार्ड पिन, कार्ड वैल्यू, सीवीवी या निजी जानकारी जैसे जन्म की तारीख, माता का नाम आदि हासिल कर लेते हैं। अपराधी बैंक की ओर से होने का दावा करते हैं और ग्राहकों को झांसे में लेकर फोन पर ही उनकी निजी और वित्तीय विवरण हासिल कर लेते हैं। इसके बाद इन विवरणों का

इस्तेमाल पीड़ित के खाते से बिना उसकी इजाजत के धोखाधड़ी करने के लिए होता है। इससे पीड़ित को वित्तीय नुकसान हो सकता है।

## विशिंगहमलों के विशिष्ट उदाहरण:

- **ओटीपी/ सीवीवी धोखाधड़ी** – अपराधी बैंक के ग्राहकों से धोखाधड़ी करने के लिए ओटीपी/ सीवीवी पूछकर या ग्राहक को क्रिक सपोर्ट, एनी डेस्क, टीम व्यूआर, आदि जैसे रिमोट एक्सेस ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित कर स्मार्टफोन तक पहुंच बनाकर ओटीपी/ सीवीवी को पढ़ लेते हैं।
- **लॉटरी से धोखाधड़ी** – जालसाज कॉल कर कहते हैं कि आपने लॉटरी/की बड़ी राशि जीती है। लॉटरी के पैसे प्राप्त करने के लिए आपको फर्जी वेबसाइट के एक लिंक पर क्लिक कर अपनी व्यक्तिगत जानकारी देने के लिए कहा जाता है। ऑफर स्वीकार करने के लिए टोकन के रूप में कुछ पैसे ट्रांसफर करने के लिए बताया जाता है। एक बार जब आप अपना विवरण भरकर उन वेबसाइटों के माध्यम से भुगतान करने की कोशिश करते हैं तो आपकी सभी व्यक्तिगत जानकारी और वित्तीय विवरण चोरी कर लिए जाते हैं।
- **आयकर रिफंड धोखाधड़ी** – साइबर अपराधी फोन कॉल्स के जरिए आयकर रिफंड प्राप्त करने का लालच देकर बैंक के ग्राहकों को निशाना बनाते हैं। इस तरह धोखे से ग्राहकों की संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी एकत्र किए जाते हैं।
- **केवाईसी धोखाधड़ी** – साइबर अपराधी ग्राहकों को अपने केवाईसी विवरण अपडेट करने के लिए लिंक पर क्लिक करने के लिए कहते हैं। इस तरह के कॉल इस धमकी के साथ किए जाते हैं कि अगर आप अभी अपना केवाईसी अपडेट नहीं करते हैं तो आपका खाता ब्लॉक हो जाएगा।

## विशिंग से बचने के उपाय:

- हमेशा फोन करने वाले के पहचान की पुष्टि करें.
- अपने मोबाइल या कंप्यूटर पर कोई भी अनजान सॉफ्टवेयर इंस्टॉल न करें.
- अवांछित बिक्री, मार्केटिंग या अन्य संदेशों का जवाब न दें.
- फोन पर ओटीपी, एटीएम पिन, सीवीवी शेयर न करें.
- बैंक कभी भी आपके बैंक खाते, डेबिट/ क्रेडिट कार्ड का विवरण, सीवीवी नंबर आदि की जानकारी नहीं मांगता.

## फिशिंग (fishing)

फिशिंग वह तकनीक है जिसमें किसी व्यक्ति का लॉगिन आईडी और पासवर्ड, डेबिट/ क्रेडिट कार्ड विवरण, पिन, जन्म तिथि और मोबाइल नंबर आदि निजी जानकारी धोखे से प्राप्त की जाती है. आजकल होने वाले सोशल इंजीनियरिंग हमलों में सबसे ज्यादा मामले फिशिंग के होते हैं.

## अधिकांश फिशिंग हमले निम्न उद्देश्य से किये जाते हैं:

- संक्षिप्त या भ्रामक लिंक का उपयोग करके व्यक्तिगत जानकारी जैसे नाम, पता, बैंक खाता विवरण, पैन, आधार आदि प्राप्त करना.
- उपयोगकर्ता को भय, लोभ तथा जल्दबाजी के लिए उकसा कर तुरंत कार्रवाई करने के लिए मजबूर करना.

## फिशिंग के उदाहरण

- बैंक के ग्राहक को रैंडम नंबर से एक एसएमएस प्राप्त होता है, जिसमें उन्हें एक लिंक पर क्लिक करके केवाईसी अद्यतन करने के लिए कहा जाता है अन्यथा, उनका क्रेडिट/डेबिट कार्ड ब्लॉक कर दिया जाएगा. देखने पर वो लिंक बैंक का लगता है पर वास्तव में फर्जी होता है.
- तुरंत एसएमएस पर कार्रवाई करने और अपने केवाईसी को अपडेट करने के लिए लिंक पर क्लिक किया गया.
- क्लिक करने पर जो वेबपेज दिखाई देता है वह बैंक की वेबसाइट के जैसा प्रतीत होता है लेकिन वह एक फर्जी वेबसाइट रहती है. ग्राहक ने यदि फर्जी वेबसाइट के यूआरएल की त्रुटि पर ध्यान नहीं दिया तो उनकी सारी गोपनीय जानकारी फर्जी वेबसाइट पर चली जाएगी.
- इस प्रकार से जालसाज को ग्राहक की पूरी संवेदनशील जानकारी ज्ञात हो जाती है और वह धोखाधड़ी करने में सक्षम हो जाएगा.

## फिशिंग हमलों से बचने के तरीके:

- लुभावने ऑफरों से सावधान रहें.
- किसी भी अनजान हाइपरलिंक या मेल अटैचमेंट पर क्लिक न करें.
- भेजने वाले की पहचान या प्रामाणिकता की जांच करें.

- वैध वेबसाइट की पुष्टि के लिए यूआरएल (यूआरएल) की जांच अवश्य करें.
- मेल से प्राप्त संदेश में टाइपिंग और व्याकरण की अशुद्धियों पर ध्यान दें.
- हमेशा याद रखें, बैंक कभी भी आपकी निजी जानकारी नहीं मांगता है.

## स्मिशिंग

स्मिशिंग साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली वो तकनीक है जिसमें वो किसी व्यक्ति को एसएमएस भेज कर उसे फंसाने की कोशिश करते हैं. ऐसे संदेश आपके मोबाइल पर संदेशों के रूप में भेजे जाते हैं जो वैध संस्थाओं से होने का दावा करते हैं. जालसाज एसएमएस में लुभावने ऑफर द्वारा या कानूनी कार्यवाही की धमकी द्वारा किसी लिंक पर क्लिक करने के लिए उकसाते हैं जो की वास्तव में फर्जी होता है.

## स्मिशिंग हमलों से बचने के तरीके:

- व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी मांगने वाले टेक्स्ट संदेशों से सावधान रहें.
- टेक्स्ट मैसेज पर कोई संवेदनशील जानकारी साझा न करें.
- एसएमएस से प्राप्त किसी भी लिंक पर क्लिक न करें.
- सहायता के लिए कृपया बैंक को कॉल करें या केवल आधिकारिक वेबसाइटों पर जानकारी का संदर्भ लें.

साइबर अपराधी इनके अलावा किसी और तरीके से भी आपकी गोपनीय जानकारी हासिल कर आपके खाते से पैसे ट्रांसफर करने की कोशिश कर सकते हैं या आपके क्रेडिट कार्ड की लिमिट का इस्तेमाल कर सकते हैं. इनसे बचने के लिए कुछ उपाय निम्नलिखित हैं

## बैंकिंग में किए जाने वाले साइबर अपराध से बचने के उपाय

- अपने इंटरनेट बैंकिंग और बैंकिंग के लेनदेन का प्रयोग कभी भी किसी पब्लिक साइबर कैफे और भीड़भाड़ वाले जगहों पर न करें, जहां पर आपकी निजी जानकारी आसानी से चोरी हो सकती है.
- इंटरनेट बैंकिंग के अंतर्गत किसी भी प्रकार का ट्रांजेक्शन किसी दूसरे व्यक्ति के कंप्यूटर से कदापि न करें और ट्रांजेक्शन करने के पश्चात ईमेल अकाउंट को लॉग आउट करना न भूलें. इस प्रकार के ब्राउजिंग के डाटा को उसके हिस्ट्री में जाकर डिलीट कर दें.

- लॉगिन करने के बाद कंप्यूटर द्वारा पूछे गये आप्शन जैसे कीप ऑन लागिंग या पासवर्ड रिमेम्बर वाले लिंक पर क्लिक नहीं करें.

- आप अपने ईमेल अकाउंट के इन बॉक्स में आए किसी भी स्पैम मेल को न तो ओपन करें और ना ही किसी अटैचमेंट को डाउनलोड करें.



- अपने कंप्यूटर को एंटी-वायरस और एंटी-मैलवेयर साफ्टवेयर का यूज करें ताकि कंप्यूटर को वायरस अटैक से बचाया जा सके।
- आप अपने कंप्यूटर, ईमेल अकाउंट और अन्य प्रकार के इंटरनेट ट्रॉजेंक्शन के लिए स्ट्रॉंग पासवर्ड का प्रयोग करें, जो कि शब्दों और नंबरों से मिलकर बना हो।

### मोबाइल सुरक्षा

आजकल मोबाइल पर बैंकिंग लेनदेन करने के लिए स्मार्ट फोन और ऐप आधारित सेवाओं का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यह बेहद सुविधाजनक है, लेकिन हमें अपने मोबाइल एप्लीकेशनों के उपयोग में विशेष रूप से वित्तीय लेनदेन करते समय अधिक सावधान रहने की जरूरत है।

### मोबाइल फोन के सुरक्षित उपयोग के उपाय:

- अपने फोन पर मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करें।
- मोबाइल डिवाइस गुम या चोरी होने पर सिम कार्ड को सर्विस प्रोवाइडर से तुरंत ब्लॉक करें।
- अपना बैंक खाता नंबर या पिन कभी भी मोबाइल फोन पर स्टोर न करें।
- अपने मोबाइल पर एंटी वायरस साफ्टवेयर इंस्टॉल करें और उसे अपडेट रखें।
- अपने मोबाइल में प्राधिकृत और सत्यापित ऐप्स ही इस्तेमाल करें और दी गई अनुमतियों की नियमित रूप से निगरानी करें
- मोबाइल फोन को सार्वजनिक वायरलेस नेटवर्क से जोड़ने से बचें।
- मोबाइल फोन गुम हो जाने पर बैंक को रिपोर्ट करें ताकि पिन और मोबाइल बैंकिंग ऐप के माध्यम से बैंक खाते तक पहुंच को निष्क्रिय किया जा सके।

अगर सभी सावधानियां बाद भी कोई साइबर अपराध का शिकार हो जाता है तो तुरंत संबंधित बैंक और स्थानीय पुलिस स्टेशन में उसकी शिकायत करनी चाहिए।

### ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया निम्नानुसार है:

बढ़ते साइबर अपराध को देखते हुये सरकार ने लोगो की सुविधा हेतु ऑनलाइन वेबसाइट [cybercrime.gov.in](http://cybercrime.gov.in) शुरू की है जिसके माध्यम से अपने घर बैठे शिकायत दर्ज कर सकते हैं। ऑनलाइन वेबसाइट पर साइबर अपराध की शिकायत दर्ज करने के बाद शिकायत के स्टेटस की जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है। किसी भी अपराध की ऑनलाइन शिकायत करने के बाद गृह मंत्रालय से मामला जांच के लिए प्रदेश पुलिस को भेज दिया जाता है।

साइबर अपराध प्रकृति में अंतरराष्ट्रीय है और इसका दायरा दुनिया के विभिन्न हिस्सों पर अलग अलग है। साइबर अपराध के खिलाफ लड़ने के लिए चुनौती से निपटने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए जाने के बावजूद वांछित सफलता नहीं मिली है क्योंकि इन अपराधियों को पकड़ना अत्यंत कठिनाई भरा कार्य है। दुनिया भर में विशेष रूप से साइबर अपराध के लिए कानूनों की एकरूपता साइबर अपराधों और अपराधियों के खिलाफ लड़ने की सबसे बड़ी जरूरत है। फिर भी हम सुरक्षा संबंधी छोटे छोटे कदम उठा कर साइबर क्राइम से बड़ी आसानी से बच सकते हैं।



**संजीव ठाकुर**  
मुख्य प्रबंधक  
अंचल कार्यालय, पुणे

## समाचार

### राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, अहमदाबाद की बैठक का आयोजन



22 जून, 2022 की राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, अहमदाबाद की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता अंचल प्रमुख श्री एम एम बंसल द्वारा की गई। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार से डॉ. भगवत खरात, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### Madurai Region organizes Strategy Meet



On 30th April, 2022 Madurai Region organized Strategy Meet to felicitate the performers. Zonal Head Shri Saravanakumar A, DGM (Network) Shri K V Chalapathi Naidu and Regional Head Shri M Srinivasan were present on the occasion.

### चण्डीगढ़ अंचल के नए परिसर का उद्घाटन



13 जून, 2022 को चण्डीगढ़ अंचल के नए परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय खुराना, मुख्य महाप्रबंधक श्री जैतानन्द चोपड़ा, अंचल प्रमुख श्री विमल कुमार नेगी, उप अंचल प्रमुख श्री सुरेश गजेन्द्रन, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री बलदेव राज धीमान, वरिष्ठ कार्यपालक तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### मंड्या क्षेत्र द्वारा हनकेरे शाखा के नए परिसर का उद्घाटन



04 अप्रैल, 2022 को मंड्या क्षेत्र द्वारा हनकेरे शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना, अंचल प्रमुख श्री सुधाकर डी नायक ए, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री मुरली कृष्णा, क्षेत्रीय प्रबंधक श्री कपिलेश के आर, शाखा प्रमुख श्रीमती डी. नेत्रावती तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### बांसवाड़ा क्षेत्र के नए परिसर का उद्घाटन



22 जून, 2022 को बांसवाड़ा क्षेत्र के नए परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री के के चौधरी, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री सुधांशु शेखर खमारी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री महेंद्र कुमार जैन, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री जवानमल रमेशा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### सूरत जिला क्षेत्र द्वारा कड़ोदरा शाखा के नए परिसर का उद्घाटन



22 जून, 2022 को सूरत जिला क्षेत्र द्वारा कड़ोदरा शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अश्विनी कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव कुमार श्रीवास्तव, शाखा प्रमुख श्री बृजेश श्रीवास्तव तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### नासिक क्षेत्र द्वारा त्र्यंबक शाखा के नवीन परिसर का उद्घाटन



नासिक क्षेत्र द्वारा 06 मई, 2022 को त्र्यंबक शाखा के नवीन परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्रीमती मिनी टी एम, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री राकेश कुमार, उप अंचल प्रमुख श्री चंद्रमणि त्रिपाठी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल बड़जात्या, त्र्यंबक शाखा के शाखा प्रमुख श्री मनोज देशमुख एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### Mangaluru District Region inaugurates Aranthodu Branch



On 20<sup>th</sup> June, 2022 Mangaluru District Region inaugurated the new premises of Aranthodu Branch. Shri Angara S., Govt. of Karnataka Minister, Ministry of Fisheries, Port & Inland Transport Dept., Smt Ghayatri R., Zonal Head, Shri Deviprasad Shetty, Regional Manager and other dignitaries were present on the occasion.

# Financial Inclusion & Role of e-RUPI

## Financial inclusion:

As per the World Bank, Financial inclusion means that individuals and businesses have access to useful and affordable financial products and services that meet their needs – transactions, payments, savings, credit and insurance – delivered in a responsible and sustainable way.

## Need for financial inclusion:

India is a developing nation and many people in our country are still not connected with the mainstream financial system due to lack of financial literacy, inadequate infrastructural development, income inequality and various other factors. Many programmes have been formulated by the government for the financial inclusion so far, out of which E-RUPI stands to be the newest and perhaps one of the best, if not the best, measures for financial inclusion.

Since ancient times, India has been an agrarian economy. Even on the eve of 75 years of our glorious independence, more than 50% of our population depends upon Agriculture & allied sector. A majority among them are sustainable farmers who practice agriculture for their bare survival. Since agriculture in India is mostly rain-fed with intensive labour, it becomes a serious issue for those sustainable farmers during rain deficient seasons. Many a times, their expenditure exceeds their income and it becomes inevitable for them to take the help of money lenders at hefty interest rates causing them to eventually fall in debt trap. This situation is more prevalent in rural areas where penetration of mainstream banking service is negligible due to lack of adequate financial literacy among inhabitants. Since the normal procedure of availing banking services requires different procedures/norms and documents including authentication, collateral requirements and KYC norms, many people fail to comprehend the complexity of formal banking and feel more convenient to approach money lenders. Financial Inclusion aims to bring all less serviced and untouched areas & population under mainstream financial system.



Such an integration of poor and underprivileged section of the society is pivotal for their welfare making them Atmanirbhar towards achieving the goal of a developed India.

End number of programs have been devised by various governments for the purpose of financial inclusion out of which few are as below: -

- (1) Basic Saving Bank Deposit Account
- (2) Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY)
- (3) Jansuraksha Yojana
  - a. PMSBY Scheme
  - b. PMJJBY Scheme
- (4) Financial Inclusion Delivery Channels: -
  - a. Brick and Mortar Branch
  - b. Business Correspondent Model

The above-mentioned measures need no introduction as they have already proven their worth lately. The topic for today should be "How e-RUPI may prove to be helpful in strengthening and expanding the ambit of Financial Inclusion to the section of disadvantaged and low income segments of the society".

## What is e-RUPI

Our honorable Prime Minister has launched Digital Payment solution e-RUPI, a cashless and contactless instrument for digital payment on 02-08-2021. e-RUPI is basically a prepaid voucher (one time electronic voucher system) developed by NPCI in collaboration with the department of Financial Services, Ministry of Health and Family Welfare and the National Health Authority and it is built on the UPI platform. Also, as per recent notification by NPCI circulated vide letter no. NPCI/Erupi/OC No. 04/2022 23 dated 07/07/2022 the limit for issuer bank for eRupi voucher for govt. scheme has been raised

to ₹ 1,00,000.00 whereas for private entities it shall be ₹ 10,000.00 and multi time use of vouchers has been allowed. It can be issued by Banks (Issuing entities) on behalf of Sponsor (any Corporate or Government agency) to a beneficiary (any citizen) which will be delivered in form of a QR Code or SMS string strictly in digital mode to the beneficiary's mobile phones and can be redeemed at specific centers without any credit card, mobile app or internet banking. Unlike other digital products most remarkable feature of e-RUPI is that for getting or redeeming an e-RUPI voucher, it is not necessary to have a bank account. This ensures an easy, two-step process of getting contactless payments that doesn't even require sharing of personal details. Another advantage is that e-RUPI operates on basic phones as well, so it can be used even by people who do not have a smart phone or residing at places where the internet connection is weak.

Presently -21- Public & Private sector Banks have been partnered by NPCI for Issuer & Acquirer role. Bank of Baroda is one of the leading Banks, vanguarding this project on the issuing and accepting side as well.

Currently, the Government is using this payment instrument to facilitate health care services like COVID-19 vaccination. Other than Covid 19 vaccination, Govt. is also in process of issuing vouchers for normal medical diagnosis, cycle/ mobile distribution etc. e-RUPI utility will eventually extend to provide direct benefit transfer, scholarship subsidies, disaster relief kits, pension fund and many more.

## Key features and benefits of e-RUPI

### Customers

- (1) Contactless mode of payment where beneficiaries need only a mobile phone to show a QR code or SMS. It is not necessary that the beneficiary is having a Smart Phone. Even a beneficiary having a feature phone can utilise services of e-RUPI.
- (2) Simple two step redemption process
- (3) Safe and secure as beneficiaries do not need to share any



personal information at the service provider's end

- (4) No requirement of any bank account, card, payments app or even internet.

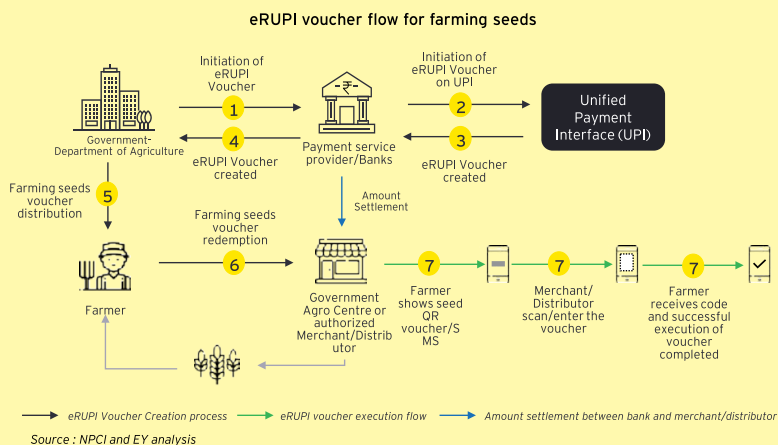
### Corporates, organizations & Governments

- (1) Any corporate or organization can easily get on boarded as a payer and issue their own vouchers on e-RUPI.
- (2) To issue the vouchers, payers need to initiate a one-time mandate which will block the specified funds in their accounts for onward payment to specific merchants or service providers.
- (3) Corporates can use e-RUPI vouchers to extend various measures for well-being of their employees.
- (4) It is a quick, safe and contactless mode of welfare distribution to all the employees.
- (5) Corporates can track the voucher redemption process too to ensure its proper end use.
- (6) e-RUPI is one of the cheapest methods of such welfare/voucher distribution for Healthcare sector and governments.
- (7) Hassle free and contactless payment collections.
- (8) Quick and error free redemption process - the voucher can be redeemed in a few steps and experiences lesser decline rates because of pre-blocked amounts.
- (9) Vouchers can be used for vaccination drives and for other medical benefits.
- (10) To distribute government schemes & addressing the social and economic welfare of the citizens, governments can issue e-RUPI vouchers directly to citizens to remove the need for any middlemen or intermediary entities.
- (11) As the entire process is digitized, leakages can also be minimized and checked as well.

### Types of Voucher:

**B2C (business to consumer):** Used by corporates/government

### Prepaid voucher process flow for distribution of farming seeds by Department of Agriculture to farmers



departments to issue vouchers to the bearers (employees/citizens)

**P2P (person to person):** A person can issue a voucher to another person. However, relevant data & instructions in this regard are yet to be announced.

### Entities involved in e-RUPI transactions:

**Issuers** - banks/entities – which initiates requests to create UPI prepaid vouchers.

**Acquirers** - banks/entities – which gain the merchants and settles the funds, acquirer banks/entities must be onboard on the UPI platform to avail e-RUPI.

**Sponsors** - government, corporate or business customers of the bank who request for creation of UPI prepaid vouchers.

**Merchants** - merchants / service providers may scan/read the QR/ SMS string from e-RUPI voucher and send information to the onboarded acquirer entities for further processing.

**Beneficiaries** - persons for whom the UPI prepaid voucher is issued. A beneficiary need not be a UPI user or have a bank account.

Now take an example: - Government of India wants to provide seeds to farmers free of cost and for that the GOI has an agreement with a Merchant who will provide seeds to farmers and will get payment for the same directly by GOI through e-RUPI. The process can be easily understood with the help of undermentioned flowchart.

### Conclusion:-

Now the question remains as to how e-RUPI is different from other digital transfer platform? As a prudent Banker, we always ensure correct and intended end use of fund. Till date, our Government used to transfer fund to beneficiaries accounts for different specific purpose through different digital transfer platforms but many a times it failed to check the end use as the beneficiary may utilise the fund so received for any other purpose other than the intended one. However, e-RUPI can be redeemed at the predefined merchant outlet counters only which will deliver the specific goods/services to the beneficiaries as instructed by the sponsor thereby preventing any misutilization or leakages.

With all perks and pros of e-RUPI there remain some challenges as well. Presently, people are familiar to other digital channel like uses of Debit Card, Net Banking, Mobile Banking, QR Code payment which are in existence for more than one decades. But due to unique property of eRUPI as mentioned above, it is safe to say that in coming days, e-RUPI is going to be a Panacea for effective implementation of Financial Inclusion with its unique and hassle-free features. It has a bright future and if adopted with right efforts & intention, it may stand out to be one of the best tools for a welfare state globally.



**Rajiv Kumar** ❖❖❖  
Dy Regional Manager  
Purnea Region

## पणजी क्षेत्र में वार्षिक अभिनंदन समारोह का आयोजन



08 अप्रैल, 2022 को पणजी क्षेत्र में वार्षिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न मानदंडों में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने वाले क्षेत्रों, शाखाओं और विभागों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सीआईएडी, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा के महाप्रबंधक श्री तपन कुमार दास, पुणे अंचल के अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा, उप अंचल प्रमुख श्री चंद्रमणि त्रिपाठी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## नागपुर क्षेत्र द्वारा एमएसएमई मेला का आयोजन



07 मई, 2022 को नागपुर क्षेत्र द्वारा महाराष्ट्र सरकार के एमएसएमई विभाग के सहयोग से एमएसएमई मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन



08 जून, 2022 को बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा राजपिपला में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वित्त राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री भागवत कराड, क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव आनंद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविंद कुमार सिन्हा, अन्य स्टाफ सदस्य तथा बड़ी संख्या में बैंक के ग्राहक उपस्थित रहे।

## अमृतसर क्षेत्र की कुंजवानी जम्मू शाखा द्वारा शिविर का आयोजन



20 अप्रैल, 2022 को अमृतसर क्षेत्र की कुंजवानी जम्मू शाखा द्वारा बैंकिंग उत्पादों की जानकारी देने हेतु शिविर लगाया गया। इस अवसर पर शाखा प्रमुख श्री विनय शर्मा तथा बड़ी संख्या में ग्राहकगण उपस्थित रहे।

## नासिक क्षेत्र द्वारा वार्षिक प्रोत्साहन समारोह का आयोजन



नासिक क्षेत्र द्वारा 10 मई, 2022 को उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाले स्टाफ सदस्यों को सम्मानित करने के लिए वार्षिक प्रोत्साहन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल बड़जात्या, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजन कुमार तिकी, विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन



17 जून, 2022 को बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा बोडेली में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव आनंद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविंद कुमार सिन्हा, अन्य स्टाफ सदस्य तथा बड़ी संख्या में बैंक के ग्राहकगण उपस्थित रहे।

## पुणे अंचल द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन



पुणे अंचल द्वारा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा, क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती नंदिनी गायकवाड, शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## सूरत शहर क्षेत्र 2 द्वारा वार्षिक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन



12 जून, 2022 को सूरत शहर क्षेत्र 2 द्वारा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को सम्मानित करने के लिए वार्षिक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री भोलानाथ त्रिवेदी, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## बड़ौदा शहर क्षेत्र 2 द्वारा बैंक मित्रों हेतु सम्मान समारोह का आयोजन



17 जून, 2022 को बड़ौदा शहर क्षेत्र 2 के अंतर्गत कार्यरत बैंक मित्रों हेतु बैठक सह-पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजन प्रसाद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री चन्द्रकान्त चक्रवर्ती तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## मेरठ क्षेत्र द्वारा बैंक मित्रों की समीक्षा बैठक का आयोजन



15 जून, 2022 को मेरठ क्षेत्र द्वारा बैंक मित्रों की समीक्षा बैठक तथा लीड जनरेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री हरीश कुमार अरोड़ा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरुण कुमार पाण्डेय तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## नवसारी क्षेत्र द्वारा ग्राहक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन



08 जून, 2022 को आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आइकोनिक सप्ताह में नवसारी क्षेत्र द्वारा ग्राहक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज गुप्ता, अग्रणी जिला प्रबंधक श्री परेश आर बरोट तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## बड़ौदा शहर क्षेत्र द्वारा क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन



बड़ौदा शहर क्षेत्र द्वारा 08 जून, 2022 को क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. भागवत कराड, वित्त राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्रीमती रंजनबेन भट्ट, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही। साथ ही, इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख, बड़ौदा शहर क्षेत्र श्री प्रदीप कुमार बारिक, क्षेत्रीय प्रमुख, बड़ौदा शहर क्षेत्र II, श्री राजन प्रसाद, क्षेत्रीय प्रमुख, बड़ौदा जिला क्षेत्र श्री संजीव आनंद, अन्य संस्थानों के प्रतिनिधिगण एवं अन्य स्टाफ सदस्यगण उपस्थित रहे।

## अहमदाबाद अंचल द्वारा कॉन्फ्लूएंस-3 टूर्नामेंट में प्रतिभागिता



प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री संजीव चड्ढा तथा कार्यपालक निदेशक श्री वी एस खीची की अध्यक्षता में अहमदाबाद अंचल की टीम ने कॉन्फ्लूएंस-3 टूर्नामेंट में प्रतिभागिता की। इस टूर्नामेंट में गुजरात राज्य के आईएसएस अधिकारीगण विपक्षी टीम के रूप में थे। उक्त टूर्नामेंट में बॉब- XI की टीम विजयी रही।

## नागपुर क्षेत्र द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन



08 जून, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में नागपुर क्षेत्र द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संजीव सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## भरतपुर क्षेत्र द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन



08 जून, 2022 को बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान, करौली में भरतपुर क्षेत्र द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री शिव राम मीणा, संस्थान के निदेशक श्री बी. एल. मीणा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## जलगांव क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



05 जून, 2022 को जलगाँव क्षेत्र द्वारा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को सम्मानित करने हेतु वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अशोकभाई यु. वाघेला, उप क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. बी आर चौधरी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा बैंक मित्रों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन



भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा 30 अप्रैल, 2022 को बैंक मित्रों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश कुमार खटोड़, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एम एल कुमावत, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## रायपुर क्षेत्र द्वारा क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन



08 जून, 2022 को अग्रणी बैंक कार्यालय, रायपुर द्वारा क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान माननीय सांसद श्री सुनील सोनी ने लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र सौंपे। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री रंजीत मंडल, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सत्यरंजन महापात्र तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## झुंझुनू क्षेत्र द्वारा व्यावसायिक समीक्षा बैठक एवं ग्राहक बैठक का आयोजन



26 मई, 2022 को झुंझुनू क्षेत्र द्वारा शाखाओं की व्यावसायिक समीक्षा बैठक एवं ग्राहक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी एल सुंडा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर एस नैन, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा ग्राहकगण उपस्थित रहे।

## रायपुर क्षेत्र द्वारा ग्राहक बैठक का आयोजन



8-9 जून 2022 को एमएसएमई ऋण को बढ़ावा देने हेतु रायपुर क्षेत्र द्वारा ग्राहक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (एमएसएमई, बीसीसी, मुंबई) श्री सिबासिस मिश्रा, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री रंजीत कुमार मंडल, क्षेत्रीय प्रमुख (रायपुर क्षेत्र) श्री सत्यरंजन महापात्र, क्षेत्रीय प्रमुख (बिलासपुर क्षेत्र) श्री बरून मेहेर, क्षेत्रीय प्रमुख (दुर्ग क्षेत्र) श्री अरविंद काटकर, क्षेत्रीय प्रमुख (धमतरी क्षेत्र) श्री अमित बैनर्जी, सम्मानीय ग्राहकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## हिसार क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



23 जून, 2022 को हिसार क्षेत्र द्वारा अंचल प्रमुख श्री विमल कुमार नेगी की अध्यक्षता में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रवीण कुमार सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अंजनी कुमार सिंगल तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## जोधपुर क्षेत्र द्वारा ऋण वितरण शिविर का आयोजन



17 मई, 2022 को जोधपुर क्षेत्र द्वारा इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चंद्र बुंटोलिया एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री ललित कु. सिपानी, नगर निगम जोधपुर (उत्तर) श्री राजेन्द्र सिंह कविया (आयुक्त) एवं श्री राकेश कुमार गढ़वाल (अतिरिक्त आयुक्त), नगर निगम जोधपुर, (दक्षिण) तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## रतलाम क्षेत्र द्वारा व्यवसाय समीक्षा बैठक का आयोजन



07 अप्रैल, 2022 को रतलाम क्षेत्र द्वारा शाखाओं के शाखा प्रमुखों की व्यवसाय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुबोध इनामदार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अंबर जोशी तथा शाखाओं के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## करनाल क्षेत्र द्वारा रिटेल ऋण शिविर का आयोजन



28 जून, 2022 को करनाल क्षेत्र की जगाधरी एवं यमुनानगर स्थित शाखाओं द्वारा रिटेल शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री डीपीएस भाटिया, शाखाओं के शाखा प्रमुख एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## कोटा क्षेत्र द्वारा प्रॉपर्टी एक्सपो मेले का आयोजन



01 मई, 2022 को कोटा क्षेत्र द्वारा प्रॉपर्टी एक्सपो मेला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश आनंद मेहरा, मिस इंटर कॉटीनेंटल इंडिया 2021 की विजेता सुश्री मिताली कौर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

## अजमेर क्षेत्र द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन



अजमेर क्षेत्र द्वारा 25 अप्रैल, 2022 को उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को सम्मानित करने के लिए वार्षिक सम्मान समारोह 2021-22 का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के बिरानी, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश माथुर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

## भरतपुर क्षेत्र द्वारा किसान चौपाल का आयोजन



भरतपुर क्षेत्र द्वारा 26 अप्रैल, 2022 को किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी" अभियान के अंतर्गत किसान चौपाल का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री शिवराम मीणा और लगभग 35 से अधिक किसान उपस्थित रहे.

## बेंगलूर मध्य क्षेत्र द्वारा आवास ऋण तथा कार ऋण कैम्प का आयोजन



08 अप्रैल, 2022 को बेंगलूर मध्य क्षेत्र द्वारा विजयवाणी रियल एस्टेट एक्सपो में आवास ऋण और कार ऋण कैम्प का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश खन्ना, एसएमएस प्रमुख श्री सुकांत सहित तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

## Madurai Region organizes Builders and Civil Engineers' Meet



On 24th May, 2022 Madurai Region organized Builders and Civil Engineers' Meet to boost the MSME portfolio and provide excellent service to our MSME customers. Prominent builders of Tirunelveli district, Regional Head Shri M Srivnivasn and SMELF Head Shri Ranjith T were present on the occasion.

## बेंगलूर दक्षिण क्षेत्र द्वारा ग्राहक बैठक का आयोजन



बेंगलूर दक्षिण क्षेत्र द्वारा सिंगेन अग्रहारा शाखा में ग्राहक बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री सुधाकर डी नायक ए, क्षेत्रीय प्रमुख श्री रितेश कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज कुमार सिन्हा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

### सवाई माधोपुर क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



सवाई माधोपुर क्षेत्र द्वारा 26 अप्रैल, 2022 को उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री वी सी जैन, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री बी एल मीना तथा शाखाओं के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### कोटा क्षेत्र द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन



05 जून, 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कोटा क्षेत्र द्वारा केन्द्रीय विद्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश आनंद मेहरा, आरबीडीएम श्री पंकज भटनागर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### तेलंगाना उत्तर क्षेत्र द्वारा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन



27 मई, 2022 को तेलंगाना उत्तर क्षेत्र द्वारा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को सम्मानित करने हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री वाई श्रीनिवासुलू, क्षेत्रीय प्रमुख श्री राविपाटि श्रीनिवास, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सीवीएस चंद्रशेखर, शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### जूनागढ़ क्षेत्र द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन



08 जून, 2022 को जूनागढ़ क्षेत्र द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख श्री पराग शिरगांवकर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### हैदराबाद अंचल द्वारा व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन



24 मई, 2022 को हैदराबाद अंचल द्वारा व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री जयदीप दत्ता राय, अंचल प्रमुख श्री मनमोहन गुप्ता, उप अंचल प्रमुख श्री के. विनोद बाबु, वरिष्ठ कार्यपालक तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### Madurai Region organizes Strategy Meet for Branch Heads



On 14th June, 2022 Madurai Region organised Strategy Meet for Branch Heads. Executive Director Shri Ajay K Khurana, Zonal Head Shri Saravanakumar A, Deputy General Manager (Network) Shri K V Chalapathi Naidu, Regional Head Shri M Srinivasan were present on the occasion.

# ग्रीन बैंकिंग

हम औद्योगीकरण और वैश्वीकरण के 21वीं शताब्दी में हैं, जिसने मानव जीवन को आरामदायक बनाया है। इसके परिणामस्वरूप भारी पर्यावरणीय संकट स्थिति का भी जन्म हुआ है। आज शिक्षा, चिकित्सा, बैंकिंग आदि जैसे विभिन्न क्षेत्र प्रगति कर रहे हैं। वैश्वीकरण और औद्योगीकरण दिन-प्रतिदिन विकास कर रहे हैं और असंभव चीजों को संभव में बदल रहे हैं। इसके साथ विश्व अर्थव्यवस्था में पूरे क्षेत्र को पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

आजकल हम लगभग सभी क्षेत्रों में "गोइंग ग्रीन" अवधारणा को पढ़ते और सुनते हैं क्योंकि लोग ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव तथा संसाधनों के महत्व के बारे में जागरूक हो रहे हैं। अधिकांश प्राकृतिक संसाधन समाप्त होने के जद में हैं और उनकी रक्षा करना आवश्यक है। इन अवधारणाओं में से एक है ग्रीन मार्केटिंग, जो आजकल अपना महत्व प्राप्त कर रहा है। इसी तरह बैंक ने "ग्रीन बैंकिंग" अवधारणा के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा के लिए अपना समर्थन दिया है।

इंडियन बैंक्स एसोसिएशन ने इसे "ग्रीन बैंक प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए सामाजिक और पर्यावरणीय कारकों पर विचार करने के साथ-साथ एक सामान्य बैंक की तरह काम करता है" के रूप में परिभाषित किया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आईडीआरबीटी, 2013) के अनुसार ग्रीन बैंकिंग का उद्देश्य आंतरिक बैंक प्रक्रियाओं, भौतिक बुनियादी ढांचे और सूचना प्रौद्योगिकी को पर्यावरण पर इसके नकारात्मक प्रभाव को न्यूनतम स्तर तक कम करके पर्यावरण को साफ-सुथरा बनाना है। ग्रीन बैंकिंग एक नैतिक बैंकिंग है जिसमें ऋणदाता ऋण देने के पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में भी सोचता है। साथ ही, इसका मतलब बैंक में पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देना भी है। मूल रूप से ग्रीन बैंकिंग जहां तक संभव हो उतना कागजी काम से बचता है और प्रोसेसिंग के लिए ऑनलाइन/इलेक्ट्रॉनिक लेन-देन पर भरोसा करता है।

ग्रीन बैंकिंग का उद्देश्य पेपरलेस के माध्यम से बैंकिंग परिचालन और लेन-देन में सुधार करना है क्योंकि कम कागजी काम का मतलब पेड़ों की कम कटाई है। यह बैंकिंग के पर्यावरण के अनुकूल तरीकों का उपयोग करके प्राप्त किया जा सकता है क्योंकि पर्यावरणीय प्रभाव भी बैंकों के लिए लंबे समय में आस्तियों की गुणवत्ता और रिटर्न की दर को प्रभावित कर सकता है। इसलिए बैंकिंग उद्योग को उन परियोजनाओं और प्रौद्योगिकी का वित्तपोषण करना चाहिए जो पर्यावरण के अनुकूल हैं। ग्रीन बैंकिंग में ग्रीन सेविंग्स बैंक अकाउंट, ग्रीन चेकिंग अकाउंट्स, ग्रीन मॉर्गेज, ग्रीन लोन, ग्रीन क्रेडिट कार्ड, ग्रीन मनी मार्केट अकाउंट्स, मोबाइल बैंकिंग, ऑनलाइन बैंकिंग आदि जैसे कई प्रॉडक्ट्स और सर्विसेज शामिल हैं।



## उभरते हुए रुझान

आम तौर पर बैंकिंग को प्रदूषण के मामले में पर्यावरण के अनुकूल माना जाता है और बैंक भी देश की अर्थव्यवस्था में प्रमुख भूमिका निभाते हैं लेकिन बैंक अप्रत्यक्ष रूप से परियोजनाओं और उद्योगों के वित्तपोषण द्वारा पर्यावरणीय गिरावट में योगदान देते हैं जिनकी गतिविधियों ने पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। बैंकों को उन क्षेत्रों के लिए ऋण को बढ़ावा देना शुरू करना चाहिए जो विभिन्न पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं जो पर्यावरण और सामाजिक जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता पैदा करेंगे। इससे वे पर्यावरण के अनुकूल व्यापार प्रथाओं को करने में सक्षम होंगे और हमारी भविष्य की पीढ़ियां लाभान्वित होगी।

बैंकों ने विभिन्न दृष्टिकोणों को अपनाना शुरू कर दिया है जहां परियोजनाओं की जांच उन उपकरणों के एक सेट का उपयोग करके की जाती है जो पर्यावरण संरक्षण पर विचार करते हैं। बैंक उन परियोजनाओं को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं जो नवीकरणीय प्राकृतिक संसाधनों, अपशिष्ट न्यूनीकरण, प्रदूषण रोकथाम, स्वास्थ्य और सुरक्षा, ऊर्जा कुशलता और कई समान विशेषताओं के उपयोग से पर्यावरण के लिए अपनी चिंता दिखाते हैं जो समाज की बेहतरी के लिए प्रयास करते हैं। बैंकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ग्राहक अपनी परियोजनाओं का संचालन करते समय पर्यावरणीय मानदंडों को पूरा करें और विभिन्न पर्यावरणीय मानदंडों पर नियमित रूप से रिपोर्टिंग करें। किसी इकाई को पर्यावरण की दृष्टि से तभी स्वच्छ कहा जा सकता है जब उसका प्रदूषण स्तर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या किसी प्रमाणित एजेंसी द्वारा निर्धारित अनुमेय स्तर के भीतर हो। इस उपाय के लिए प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों को प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए बैंकों के प्रयासों को पूरक करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की आवश्यकता है।



भारत में, कुछ बैंकों ने अपनी खपत के लिए विद्युत उत्पादन के लिए पवन चक्कियों की स्थापना जैसी विभिन्न ग्रीन पहलों को शुरू किया है। बैंकों ने शाखाओं में बैंकों की विभिन्न पेपरलेस लेनदेन गतिविधियों जैसे नकद जमा, नकद निकासी और निधि अंतरण शुरू करने के लिए काउंटर शुरू किए हैं। बैंकों ने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए हर साल प्रति घंटे ऊर्जा की बचत करने के लिए सौर ऊर्जा एटीएम की स्थापना करने का विचार किया है। बैंक अपनी रिटेल शाखाओं में स्वच्छ और हरित ड्राइव ऊर्जा कुशल प्रथाओं और स्थानीय आपदा प्रबंधन योजनाओं को भी बढ़ावा दे रहे हैं। बैंक पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के प्रबंधन के लिए धन प्रदान करके ग्रीन फिलॉसफी को अपनाने के लिए अन्य संगठनों का समर्थन कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, आईएफसी (इंटरनेशनल फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन) के साथ बैंकों का एक छोटा समूह अक्टूबर 2002 में सामान्य दिशानिर्देशों को डिजाइन करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए एक साथ आया और जून 2003 में एक दिशानिर्देश बनाया गया जिसे भूमध्य रेखा सिद्धांतों के रूप में जाना जाता है, जिसमें 10 प्रमुख वाणिज्यिक बैंकों ने सिद्धांतों के इन स्वैच्छिक सेट को अपनाया है। इस भूमध्य रेखा सिद्धांत को बाद में अद्यतन किया गया था और सिद्धांतों के नए संशोधित सेट जुलाई 2006 में लॉन्च किए गए थे। वर्तमान में 100 से अधिक देशों में व्यापार संचालन वाले 16 देशों के 46 वित्तीय संस्थानों ने इस भूमध्य रेखा सिद्धांत को अपनाया है। तो यह सिद्धांत परियोजना वित्त का एक सामान्य मानक बन गया है जिसमें परियोजना वित्त में पर्यावरण और सामाजिक मुद्दों को शामिल किया गया है। भूमध्य रेखा के किनारों (भूमध्य रेखा सिद्धांतों को अपनाने वाले बैंक) की गतिविधियों की दुनिया भर में गैर-सरकारी संगठनों द्वारा समीक्षा की जा रही है।

इसके अलावा बैंकों ने पैमाने, प्रकृति और पर्यावरणीय प्रभाव के परिमाण के संदर्भ में परियोजना का विश्लेषण करना शुरू कर दिया है। परियोजना

का मूल्यांकन संभावित नकारात्मक और सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों के आधार पर किया जाना चाहिए। अन्य आकलनों की तरह बैंक आमतौर पर ऋण स्वीकृत करते समय कुछ अहम् आकलन करते हैं, कुछ बैंकों ने पहले ही प्रत्येक परियोजना के लिए पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन शुरू कर दिया है। बैंकिंग संस्थानों को वास्तविक संपत्ति के मूल्य और वास्तविक संपत्ति से जुड़े संभावित पर्यावरणीय देयता का मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। इसलिए, बैंकों को संपत्ति का निरीक्षण करने या ऋण चक्र के माध्यम से एक पर्यावरणीय लेखा परीक्षा करने का अधिकार होना चाहिए।

बैंकों ने पर्यावरणीय परियोजनाओं (रिसाइकल, खेती, प्रौद्योगिकी, अपशिष्ट आदि), सौर ऊर्जा प्रणाली परियोजनाओं, ऐसे उधारकर्ताओं के लिए ब्याज की कम दर में निवेश करना शुरू कर दिया है। ब्याज सब्सिडी भी सरकार द्वारा प्रदान की जाती है। बैंक ग्राहकों को पर्यावरण के अनुकूल बैंकिंग उत्पादों में निवेश करने का विकल्प प्रदान कर रहे हैं और पारिस्थितिक चिंताओं और सामाजिक चिंताओं को संयोजित करने वाले संसाधनों में भी निवेश कर रहे हैं। चूंकि मोबाइल उपकरणों और नेटवर्क ने वैश्विक स्तर पर क्रांति ला दी है, बैंक अपने ग्राहकों को पेपरलेस बैंकिंग का उपयोग करने के लिए कह रहे हैं। साथ ही, लेनदेन को आसान और तेज़ बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के इंटरनेट बैंकिंग एप्लिकेशन और मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन लांच कर रहे हैं, जिससे कागजी काम कम हो जाता है। बैंक ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए अधिकांश लेनदेन लागत मुक्त कर रहे हैं ताकि वे पेपर बैंकिंग पर भरोसा न करें और पेपरलेस बैंकिंग का उपयोग करके हरे रंग में जाएं और अप्रत्यक्ष रूप से एक बैंक एक "ग्रीन बैंक" को बनाने में योगदान दें।

भारत में बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा इस संबंध में बहुत अधिक पहल नहीं की गई है, हालांकि वे भारत की उभरती अर्थव्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। जहां तक ग्रीन बैंकिंग की बात है तो भारत के बैंक और वित्तीय संस्थान द्वारा अभी बहुत कुछ निर्णायक किया जाना है। अब समय आ गया है कि भारत परियोजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए वित्तीय के अलावा पर्यावरण-संवेदनशील मापदंडों का उपयोग करने वाले भूमध्य रेखा सिद्धांतों-दिशानिर्देशों का धीरे-धीरे पालन करने की दिशा में आगे बढ़े। ग्रीन बैंकिंग को ईमानदारी से लागू किया जाता है, तो बैंकों को जोखिम में कमी के साथ-साथ बैंक की लागत में कमी जैसे बहुत सारे लाभ होंगे, बैंकों की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और यह पर्यावरण के सामान्य अच्छे की दिशा में योगदान देगा। इसलिए ग्रीन बैंकिंग बैंक के वाणिज्यिक उद्देश्य के साथ-साथ कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी को भी पूरा करती है। इस प्रकार, यह महत्वपूर्ण है कि भारतीय बैंकों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने और जीवित रहने के लिए पर्यावरण के साथ-साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास होना चाहिए।

❖❖❖



जेन मीता रेबोल्लो  
अधिकारी  
मंगलूरु जिला क्षेत्र

# Banking Transformation: Aligning with Emerging Trends

Conventional banking has undoubtedly become inconspicuous today. The advent of new information and internet technology and faster digital adoption among the new generation of customers has transformed the Banking space and disrupted traditional banking all over the world, India being no exception. Enhanced usage of digital banking products and new technologies brought in by fintechs have transformed the banking industry phenomenally. Banks have also geared up to meet the new challenges and are constantly working on adapting to the changes. In line with the changing times and trends, even our bank has also taken various new initiatives and come out with innovative products to suit the current day needs of the business.

## Expanding the usage of mobile banking:

Nowadays smartphones are a very important tool, we can't imagine a day without them, even the regularly used computers and laptops seem to have become absolute now. Similarly, the conventional mobile banking services like checking balances, funds transfer, and payment of bills, etc., are slowly seeming to be things of the past now, the required add-on like Shop & Pay, travel, explore etc., have become essential to keep the new generation of customers engaged. Our BOB World has already equipped with those features.

We have seen the way new regeneration technology-driven firms like Amazon, Facebook & WhatsApp are diversifying their business and entering into banking and payment services. Along similar lines, we as a bank also have to think beyond the box and start providing online services to our customers to have a better online presence on all social networks.

## Adopting emerging technologies to innovate new products.

Several emerging technologies such as API, Artificial Intelligence & cloud computing are expected to enhance customer experience through their improved responsiveness, transparency, and efficiency. Nowadays, start-ups are not only introducing new products, but also they are getting the basic right of the product.

By timely imbibing and effectively leveraging the technology, Banks are also coming up with much more creative products than before to be relevant in today's markets, our bank is no exception.

Almost all banks in India are now actively promoting Digital lending platforms, which are to provide customized lending experiences to customers. Our bank is at the forefront in providing digitizing banking services/operations and has launched GST, ITR & Bank Statement analyser, which is not only used to supplement the credit assessment but also to ensure faster credit decisions, Integration of the same with LLPS is expected to further simplify the process of MSME lending leading to better customer service.

## Buy Now Pay Later (BNPL) & Multiple Payment Gateways:

In India, with the rise in fintech companies, the concept of Buy Now and Pay Later has changed the banking ecosystem of consumer lending for ever. It is like a dream come true for consumers but banks will be collecting its charges indirectly through fintech companies. Now, the BNPL market is around Rs. 26,000 crore and it is expected to cross Rs.3.75 lakh crore by 2026. Multiple payment gateways allow the business owner to use multiple payment methods. It enables customers to pay in their preferred mode. It makes business flexible, and scalable and also helps to expand the business globally. Apart from having an array of digital platforms supporting multiple payment gateways, our bank has entered into a tie-up with Fintech companies such as PineLabs for On the Fly- Debit Card EMI (OTF-DCEMI). Digital Loans & OTF-DCEMI has expected to be a considerable portion of the retail credit portfolio of the bank in days to come.

## Financial Inclusion:

Even though the concept of Financial Inclusion was introduced in 2006 by RBI with an aim to extend the banking services to the unbanked section of society at an affordable cost, banks have now scaled up their financial inclusion efforts by effectively leveraging current day's technology and started working on value addition by increasing the customer base through Business Correspondents. Under BOB NOWW, our bank has re-defined the retail distribution network and appointed a huge number of BCs to tap the rural business.

## Customer connect in Digital era

Definitely, banks have spent a lot on adopting digital technology to make banking easier, efficient, and

convenient for customers. However, these digital products while providing the best of the products and services to the customers that the banking industry has ever known, do not ensure their loyalty. Still, the majority of the customers expect human touch while being catered to, banks will have to bear this in mind while providing banking products and services. In the interest of good customer service and relations, banks have to ensure that whatever new technology or AI banks use in providing services, end of the day it should have a human touch to keep the customer contented with our services.

### Onboarding Talent:

In order to be relevant in today's markets, it is inevitable that banks have to keep themselves abreast with the ever-changing technologies, which would invariably require the best talent available. Banks will have to ensure that such talent is spotted, hired, and retained in the bank, and make the necessary changes to the HR policies if required to support such efforts. In line with this, our bank aims to introduce new ways of working such as a

Hybrid remote working model with enhanced employee experience and flexibility, workforce re-skilling, etc., under BOB NOWW initiative.

### Conclusion:

In days to come, there would be many changes in the conventional banking known to us, banks will try to utilize the latest technologies and implement artificial intelligence-driven services to their advantage to provide the best of the best services to the customer, which are more efficient, effective, and economical than ever before. As referred to earlier, our bank is at the forefront of identifying and adopting such technologies to be one step ahead of emerging trends to become the market leader in banking.



**Kshema Kumar B R**  
Chief Manager & Learning Head  
Baroda Academy, Hyderabad

## आयोजन / Celebrations

### जयपुर अंचल द्वारा ग्राहक संवाद कार्यक्रम का आयोजन



जयपुर अंचल द्वारा 11 जून, 2022 को ग्राहक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री महेन्द्र मुंजपारा, अंचल प्रमुख श्री के के चौधरी, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### बड़ौदा अंचल द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन

25 मई, 2022 को बड़ौदा अंचल द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री जयदीप दत्ता राय, अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।



### नोएडा क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



नोएडा क्षेत्र द्वारा 07 अप्रैल, 2022 को शाखा प्रमुखों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री अमित तुली, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री घनश्याम सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती कोमल त्रेहन, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री पृथ्वी सिंह, शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## वाराणसी क्षेत्र को कृषि संबंधी लक्ष्य प्राप्ति पर सम्मान



3-4 जून, 2022 को नाशिक में आयोजित एग्री फेस्ट-2022 कार्यक्रम में वाराणसी क्षेत्र को कृषि क्षेत्र से संबंधित लक्ष्यों की प्राप्ति पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधान कार्यालय, बड़ौदा से मुख्य महाप्रबंधक श्री संजीव डोभाल, महाप्रबंधक श्री नित्यानन्द बेहरा, क्षेत्रीय प्रमुख श्री नीलमणि तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## ऋण निगरानी कॉन्फ़े्र में मुंबई अंचल एवं मुंबई मेट्रो उत्तर क्षेत्र को सम्मान



27-28 मई, 2022 को कोवलम, केरल में आयोजित ऋण निगरानी कॉन्फ़े्र में मुंबई अंचल एवं मुंबई मेट्रो उत्तर क्षेत्र को ऋण निगरानी के विभिन्न लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री जयदीप दत्ता राय ने उप अंचल प्रमुख श्री पीतबाश पटनायक, सहायक महाप्रबंधक श्री दीपेश कुमार को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

## कलर ऑफ कासा अभियान के अंतर्गत राजकोट अंचल को सम्मान



27 मई, 2022 को आयोजित कार्यक्रम के दौरान कलर ऑफ कासा अभियान के अंतर्गत स्टार हेल्थ तथा चोला हेल्थ इंश्योरेंस के तहत राजकोट अंचल को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री विजय कुमार बसेठा ने पुरस्कार ग्रहण किया।

## ऋण निगरानी कॉन्फ़े्र में जयपुर क्षेत्र को सम्मान



27-28 मई, 2022 को कोवलम, केरल में आयोजित ऋण निगरानी कॉन्फ़े्र में जयपुर क्षेत्र को ऋण निगरानी के विभिन्न लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री जयदीप दत्ता राय ने वसूली विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक श्री महेश शर्मा को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

## बड़ौदा शहर क्षेत्र 2 द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



19 जून, 2022 को बड़ौदा शहर क्षेत्र 2 द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजन प्रसाद तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

## उदयपुर क्षेत्र की एसएमईएलएफ को उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु सम्मान



07 जून, 2022 को उदयपुर क्षेत्र की एसएमईएलएफ को उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री के. के. चौधरी द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल कुमार माहेश्वरी एवं एसएमईएलएफ टीम को सम्मानित किया गया।

जयपुर को व्यावसायिक मानदंडों में श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु शीर्ष प्रबंधन से पुरस्कार



20-21 मई, 2022 को बेंगलुरु में आयोजित वार्षिक व्यवसाय सम्मेलन के दौरान जयपुर क्षेत्र को लगातार 9 महीने अखिल भारतीय स्तर पर शीर्षस्थ क्षेत्र, वर्ष 21-22 के दौरान कंसिस्टेंट परफॉर्मर क्षेत्र एवं वर्ष 2021-22 के लिए ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया है. इस अवसर पर प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री संजीव चड्ढा, कार्यपालक निदेशकगण द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री संतोष कुमार बंसल को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया.

अंतर अंचल सांस्कृतिक प्रतियोगिता में राजकोट अंचल द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित



14 मई, 2022 को कोलकाता में आयोजित अंतर अंचल सांस्कृतिक प्रतियोगिता में राजकोट अंचल के सब स्टॉफ श्री प्रकाश चौहान को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

राजकोट अंचल चैम्पियंस ऑफ लाइफ अंचल रोलिंग शील्ड से सम्मानित



02 मई, 2022 को प्रधान कार्यालय, बड़ौदा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राजकोट अंचल को चैम्पियंस ऑफ लाइफ अंचल रोलिंग शील्ड से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री विजय कुमार बसेठा एवं उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री नरेंद्र सिंह ने रोलिंग शील्ड प्राप्त किया.

अहमदाबाद अंचल को एनपीए वसूली में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु सम्मान



20-21 मई, 2022 को बेंगलुरु में आयोजित वार्षिक व्यवसाय सम्मेलन में अहमदाबाद अंचल को एनपीए वसूली में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु सम्मानित किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना ने अंचल प्रमुख श्री एम एम बंसल को ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया.

बेंगलूर मध्य क्षेत्र को आवास ऋण तथा कार ऋण में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु सम्मान



20-21 मई, 2022 को बेंगलुरु में आयोजित वार्षिक व्यवसाय सम्मेलन में बेंगलूर मध्य क्षेत्र को गृह ऋण तथा कार ऋण में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु सम्मानित किया गया. इस अवसर पर प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री संजीव चड्ढा, कार्यपालक निदेशकगण द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश खन्ना को सम्मानित किया गया.

रतलाम क्षेत्र को कृषि संबंधी लक्ष्य प्राप्ति पर सम्मान



3-4 जून 2022 को प्रधान कार्यालय, बड़ौदा द्वारा नाशिक में आयोजित एपी फेस्ट-2022 कार्यक्रम में वित्तीय वर्ष 2021-2022 के दौरान कृषि सेगमेंट के दो क्षेत्रों क्रमशः किसान पखवाड़ा एवं बीकंसीसी रोलओवर में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने हेतु रतलाम क्षेत्र को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुबोध इनामदार को सम्मानित किया गया.



# Artificial Intelligence in Banking

Artificial intelligence has the potential to disrupt and transform key business functions in financial services (FS). We expect to see the continued application of AI to automate processes, improve management of credit risk and reduce fraud. However, the ability for banks to create tailored customer experiences is where the key challenge and opportunity lies, especially for incumbents.

With the ability to collect and analyze vast quantities of data, AI can enable a deep understanding of customers and deliver highly personalized services at scale. But to achieve realistic AI goals, financial services players need to identify and respond to a set of challenges.

To unlock the potential of AI, Banks and FS companies should focus on three key areas in the next few years:

- Improving technology infrastructures
- Developing robust AI strategies
- Delivering personalization at scale

Outdated banking infrastructures are a significant problem in the pursuit of collecting and organizing essential customer data. Accelerated computing platforms are required to train, deploy and manage AI models; improve existing applications and enable new use cases.

The maturing capabilities of AI and the increasing amount of data available mean that banks and FS firms need to implement AI strategies or risk being left behind by their competitors. To scale AI across financial organizations, challenges such as data silos, data protection, industry regulations and cultural change must be addressed.

Personalization at scale is becoming a critical strategy for any banking organization that aims to drive successful customer engagement for both acquisition and retention.

With an aggregate view of prospective customers' journeys, companies are not able to be specific about the identities of, for example, website visitors. They are not able to deeply understand their patterns, preferences and locations and therefore use information to drive the right interactions with the right customer through the right channel.

## Technology infrastructure

Technology infrastructure is where digital, customer data platforms, cloud, adaptive interfaces and computational design all merge. Having the right infrastructure for data acquisition is key. In fact, it's important to choose the right technology infrastructure for data acquisition, storage and utilization. The number one requirement for updating banking tech infrastructure is knowing how to select and acquire the right data—whether internal or external—and understanding how it should be saved (the format or type of database). Database technologies such as relational databases or graphical databases are relevant. Second, all that data must go into a repository where the data need to be transformed. Some of the data may be taken out for model training. In other cases, subsets of the data can be used as experimental samples by adding new features. The use case, type and amount of data determine which approach to AI is most appropriate; these approaches include supervised learning, unsupervised learning and reinforcement learning.

In operation, the organization must enable the quick extraction of data for model training. This process helps circumnavigate data silos that can exist within the structure.

Banks and other FS organizations must ask questions like these: What kind of data should they get? How does governance feed into that? And should sensitive data be

saved? There is a risk to saving sensitive data, but it could also be the key to making the best recommendation, personalization, or prediction. Once these big questions around data protection and industry regulation are understood and the required data is identified, unique rules need to be created to govern how long the data are saved. This is individual to each use case.

Financial services companies can learn about solving key problems with AI by studying how other companies in other industries did the same.

### **Developing a data strategy for AI capabilities**

Data are the source of AI development. Executing the right data strategy will ensure that correct decisions are made regarding data acquisition, storage, transformation, utilization, governance and monetization. With a development strategy-driven infrastructure, the right tooling and process will enable organizations to increase success rates and their return on investments in AI.

All data sources must be vetted for potential insights and incremental uplift. This includes selecting an alternative data ecosphere and identifying areas for data instrumentation.

### **Personalization at scale**

Information sharing is risky and can be costly in FS because of governance. Therefore, an FS organization must understand what data it may have and what data it may not share with people. Meanwhile most banks' digital transformation programs are about providing the best experience for everyone. But how can personalization be driven at scale in the FS industry?

Personalization at scale really goes in opposite directions—personalization is micro, but "scale" means to increase in size. That's why organizations should use data science because ML and AI can interpret and utilize very large data sets better than a human can. Data science enables us to hyper-personalize at scale by finding the unique data inputs that are signals to the type of product or by determining how a company should personalize the customer's experience.

AI enables the identification, classification, and automation of personalized customer experiences at an infinite scale. In fact, the larger the data sets the more ML and AI can learn to increase the accuracy of the model's intended output.

In this way a model can come up with a unique message for every person, every time, derived from specific attributes of the individual user.

There is a lot that goes into creating a personalized experience for customers in FS. Especially because most FS organizations have multiple brands and organizational siloes (for example Banking and Car insurance), the

operations of personalization can be highly complex. This is an area where AI can be used to help understand the customer.

Machine learning finds patterns and anomalies and classifies individuals by using large data sets that a human cannot correlate or understand because of their size and complexity.

The data features that ML uncovers from large data sets can then be fed into neural network models on a per-customer level to create unique content based on the exact inputs of the data features. NLP can be trained to create hyper-personalized communications, and computer vision can create personalized images that increase engagement.

AI and data science give organizations the opportunity to create personalized messages for the right person in the right channel

at the right time, even in a world of increasing privacy and more opaque data. By utilizing zero-party data, first-party data, second-party data and third-party data, organizations can create automated models designed to drive messaging at scale through segmentation, optimization and other techniques.

Models that are created using advanced analytics and data science offer the opportunity to supercharge quantitative research and identify similarities in audience segments that wouldn't be obvious to the naked eye. This can allow FS organizations to better understand and message their customers while also continuously optimizing their understanding of consumers.

Whether through automated content construction (e.g., dynamic creative optimization (DCO), continuous optimization or deeper content and audience analysis, data science and AI can help drastically increase an FS organization's personalization capability.

### **Cultural change—bringing it all together**

Scale, agility and resiliency are always at the heart of every technology implementation. When becoming data-led companies and implementing AI, banks and other FS organizations will nearly always have a more difficult time because of tough and ever-evolving regulations. But they can overcome specific AI challenges through cultural change within the organization. FS companies should focus on strategy—and develop a process to get all departments working toward the same goal in the same way. Some of this will be automated in the future, but people and culture will remain at the center to build a legitimate, agile and resilient technology infrastructure.



**Rajesh Gulia**  
Manager  
Old Bus Stand Branch,  
Jhajjar

# भारत में साइबर कानून : प्रभावशीलता एवं सुधारों की आवश्यकता

स्वतंत्रता से लेकर आज तक भारत की विकास यात्रा शानदार रही है। चाहे क्षेत्र कोई भी हो, कृषि से लेकर अंतरिक्ष तक संचार क्रांति से लेकर ट्रेन बनाने तक, हर कार्य व क्षेत्र में भारत ने सफलता प्राप्त की है। नित नए आविष्कारों और नवीनीकरण से भारत विश्व में अपनी एक अलग पहचान बना रहा है।

भारत के इस नए आयाम पर पहुंचाने में ग्लोबलाइजेशन और प्रौद्योगिकरण ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज के दौर में इंटरनेट हमारी ज़रूरत बन गया है। रोटी, कपड़ा और मकान के साथ-साथ अब इंटरनेट हमारी बुनियादी ज़रूरत बन गया है। लेकिन हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। एक और जहां सूचना क्रान्ति ने समाज के सब क्षेत्रों की कायापलट कर दी है वही इसके सुरक्षा में सेंध लगाया जा रहा है। आए दिन हमें साइबर धोखाधड़ी से संबंधित किस्से भी सुनने को मिलते हैं। किसी भी क्षेत्र में अनुशासन और नियम ज़रूरी होता है। इंटरनेट के इस दौर में उसकी सुरक्षा व बचाव के लिए कुछ नियम कायदे ज़रूरी हैं। इन्हीं नियम कायदों के लिए साइबर कानून प्रभाव में आया है ताकि इंटरनेट पर की गई धोखाधड़ी के लिए अपराधी को सजा दिलाई जा सके।

## साइबर कानून क्या है:

साइबर कानून या साइबर अपराध कानून ऐसा कानून है जो कंप्यूटर हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर, इंटरनेट और नेटवर्क सहित प्रौद्योगिकी के स्वीकार्य व्यावहारिक इस्तेमाल पर केंद्रित है। साइबर कानून उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन आपराधिक गतिविधि की जांच और अभियोजन को सक्षम करके साइबर अटैक जैसे क्राइम से होने वाली हानि से बचाने में मदद करता है। देश में ई-कॉमर्स और गवर्नेंस के लिए अधिकतम कनेक्टिविटी और न्यूनतम साइबर सुरक्षा जोखिम की आवश्यकता है। साइबर कानून के कारण इंटरनेट के इस्तेमाल का दायरा बढ़ा है और डिजिटल माध्यमों के उपयोग का विस्तार भी भारत में हुआ है।

साइबर कानून डिजिटल कानूनी प्रणाली का एक हिस्सा है जिसे इंटरनेट, साइबर स्पेस और इसमें होने वाले समस्याओं जैसे मुद्दों के लिए बनाया गया है। साइबर कानून ने इंटरनेट के बहुत बड़े क्षेत्र पर अपनी पकड़ बना रखी है लेकिन इसके बावजूद साइबर कानून की जानकारी के अभाव में अपराधी प्रवृत्ति के लोग इंटरनेट की दुनिया में बड़े पैमाने पर अपराध को अंजाम दे रहे हैं। आज हम बेफिक्र होकर अपनी महत्वपूर्ण जानकारी और डेटा स्टोर करने के लिए कंप्यूटर की मदद लेते हैं और उसमें स्टोर करते हैं। हमारे महत्वपूर्ण डेटा और जानकारी धोखाधड़ी का शिकार ना हो जाए इसलिए साइबर कानून बनाए गए हैं।

साइबर कानून के अनुसार हर एक साइबर अपराध के लिए अलग से धारा एवं सजा का प्रावधान है।

इसी प्रकार बहुत से कानून बनाए गए हैं, जिससे लोगों के लिए खतरा ना बढ़े। भारत में साइबर कानून नागरिकों की संवेदनशील जानकारी अजनबी को ऑनलाइन भेजने से बचाता है। भारत में साइबर कानून की शुरुआत 2008 में, आईटी अधिनियम 2000 के रूप में हुई थी और भारत में साइबर कानून के तहत निम्नलिखित प्रकार के अपराधों को कवर किया जाता है :

- साइबर अपराध/ जुर्म
- इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल हस्ताक्षर में धोखाधड़ी
- इंटेलेक्टुअल प्रॉपर्टी (IP) में धोखाधड़ी
- डेटा संरक्षण/ गोपनीयता मामले में धोखाधड़ी

साइबर कानून इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इसमें इंटरनेट पर लेन-देन के पहलू, इंटरनेट एवं साइबरस्पेस पर होने वाली गतिविधियां शामिल हैं। भारत में टेक्नोलॉजी के उपयोग पर निर्भरता वृद्धि के साथ साइबर कानून की आवश्यकता महत्वपूर्ण है।

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार साइबर कानून इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों, ई-फाइलिंग और ई-कॉमर्स के लेन-देन का समर्थन करने के लिए एक कानूनी मान्यता देता है। यह भारत में साइबर अपराधों को कम करने व उनकी जांच करने के लिए एक कानूनी संरचना प्रदान करता है। भारत में साइबर कानून का अनुबंध, डेटा संरक्षण और गोपनीयता कानूनों का एक संयोजन है। साइबर कानून सूचना, सॉफ्टवेयर, सूचना सुरक्षा, ई-कॉमर्स और मौद्रिक लेन-देन के डिजिटल संचलन की निगरानी करता है। सभी आपराधिक गतिविधियां जैसे कि चोरी, धोखाधड़ी, जालसाजी, मानहानि आदि साइबरस्पेस का हिस्सा हैं, इन्हें भारतीय दंड संहिता में शामिल किया हुआ है।

सभी ऑनलाइन गतिविधियां साइबर कानून के तहत जांच के दायरे में आती हैं लेकिन कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं जिन पर भारत में साइबर क्राइम कानून लागू नहीं होता है :

- पॉवर ऑफ अटॉर्नी
- विल या वसीयतनामा
- अचल संपत्ति की बिक्री या संप्रेषण का अनुबंध
- केंद्र सरकार अधिसूचित दस्तावेज और लेनदेन

अपराध	अधिनियम	दंड
Online Harassment	IT Act 2009	धारा 66(ए) तीन साल तक की जेल या जुर्माना.
Copyright Infringement	Copyright law 1957	धारा 14, 63(B) सात दिन से तीन साल तक जेल या 50 हजार से 2 लाख रुपए तक जुर्माना.
Data Theft	IT Act 2008	धारा 43(B), 66(E), 67(C) आईपीसी धारा 379, 405, 420, 3 साल जेल या 2 लाख रुपए तक जुर्माना.
Hacking	IT Act 2008	धारा 43(A), 66 आईपीसी धारा 379 और 406 3 साल जेल या 5 लाख रुपए तक जुर्माना.



## भारत में साइबर कानून का इतिहास

**सूचना तकनीक अधिनियम, 2000** (Information Technology Act 2000) भारतीय संसद द्वारा पारित एक अधिनियम है जो 17 अक्टूबर 2000 को पारित हुआ. 27 अक्टूबर 2009 को एक घोषणा द्वारा इसे संशोधित किया गया.

संयुक्त राष्ट्र संकल्प के बाद भारत ने मई 2000 में **सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000** पारित कर दिया और 17 अक्टूबर 2000 को अधिसूचना जारी कर इसे लागू कर दिया. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 को सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन अधिनियम, 2008 के माध्यम से काफी संशोधित किया गया है, जिसे 23 दिसंबर को भारतीय संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया था.

### साइबर कानून के उद्देश्य

भारत में साइबर कानून बनाने के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

1. इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों को कानूनी मान्यता
2. डिजिटल हस्ताक्षर को कानूनी मान्यता
3. अपराध और उल्लंघन के लिए दंड
4. साइबर अपराधों के लिए न्याय व्यवस्था
5. सभी ई-लेनदेन के लिए कानूनी मान्यता प्रदान करना.
6. ऑनलाइन समझौतों को स्वीकार करने के लिए वैध हस्ताक्षर के रूप में डिजिटल हस्ताक्षर को कानूनी मान्यता देना.
7. बैंकों के साथ-साथ अन्य संगठनों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रूप में लेखांकन पुस्तकों को रखने के लिए कानूनी मान्यता देना.
8. ऑनलाइन गोपनीयता की सुरक्षा को बढ़ाना.
9. साइबर अपराधों को रोकना.

### साइबर कानून की प्रभावशीलता

साइबर सुरक्षा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारे संवेदनशील डेटा, व्यक्तिगत रूप से पहचान योग्य जानकारी, संरक्षित स्वास्थ्य सूचना, व्यक्तिगत जानकारी, बौद्धिक संपदा और डेटा चोरी होने से बचाव तथा साइबर अपराधियों से डेटा को सुरक्षित रखने का एक माध्यम है.

इस कानून में हैकिंग, क्रेडिट कार्ड फ्रॉड, साइबर स्टॉकिंग, कंप्यूटर सोर्स कोड के प्रसारण, बौद्धिक संपदा, कॉपीराइट तथा ट्रेडमार्क से जुड़े अपराध के खिलाफ प्रावधान बनाए गए हैं. साइबर कानून बनने के बाद इन कानूनी प्रावधानों तथा इनका उपयोग कर साइबर क्राइम पर रोक लगाने तथा ऐसे अपराध की पहचान कर अपराधियों को सजा दिलाने वालों की अति आवश्यकता होती है.

कंप्यूटर, इंटरनेट, डिजिटल डिवाइसेज, वर्ल्ड वाइड वेब आदि के जरिए किए जाने वाले अपराधों के लिए छोटे-मोटे जुर्माने से लेकर उम्र कैद तक की सजा दी जा सकती है. दुनिया भर में रक्षा और जांच एजेंसियां साइबर अपराधों को बहुत गंभीरता से ले रही हैं. ऐसे मामलों में सूचना तकनीक कानून 2000 और सूचना तकनीक (संशोधन) कानून 2008 तो लागू होते ही हैं. मामले के दूसरे

पहलुओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), कॉपीराइट कानून 1957, कंपनी कानून, सरकारी गोपनीयता कानून और यहां तक कि कई मामलों में आतंकवाद निरोधक कानून भी लागू किए जा सकते हैं. कुछ मामलों पर भारत सरकार के आईटी विभाग की तरफ से अलग से जारी किए गए आईटी नियम 2011 भी लागू होते हैं. कानून में निर्दोष लोगों को साजिश की गई शिकायतों से सुरक्षित रखने की भी मुनासिब व्यवस्था है, लेकिन कंप्यूटर, दूरसंचार और इंटरनेट यूजर को हमेशा सतर्क रहना चाहिए कि उनसे जाने अनजाने में कोई साइबर क्राइम तो नहीं हो रहा है.

**हैकिंग** – हैकिंग का मतलब है किसी कंप्यूटर, डिवाइस, इंफॉर्मेशन सिस्टम या नेटवर्क में अनधिकृत रूप से घुसपैठ करना और डेटा से छेड़छाड़ करना है. यह हैकिंग उस सिस्टम की फिजिकल एक्सेस के जरिए भी हो सकती है और रिमोट एक्सेस के जरिए भी. जरूरी नहीं कि ऐसी हैकिंग के नतीजे में उस सिस्टम को नुकसान पहुंचा ही हो. अगर कोई नुकसान नहीं भी हुआ है, तो भी घुसपैठ करना साइबर क्राइम के तहत आता है, जिसके लिए सजा का प्रावधान है.

**कानून** – आईटी (संशोधन) एक्ट 2008 की धारा 43 (ए), धारा 66 – आईपीसी की धारा 379 और 406 के तहत कार्रवाई की जा सकती है और अपराध साबित होने पर तीन साल तक की जेल और/ या पांच लाख रुपये तक जुर्माना हो सकता है.

**डेटा की चोरी** – किसी और व्यक्ति, संगठन आदि के किसी भी तकनीकी सिस्टम से निजी या गोपनीय डेटा (सूचनाओं) की चोरी की जाती है और अगर किसी संगठन के अंदरूनी डेटा तक आपकी आधिकारिक पहुंच है, लेकिन अपनी जायज पहुंच का इस्तेमाल उस संगठन की इजाजत के बिना उसके दुरुपयोग की मंशा से करता है, तो वह भी इसके दायरे में आएगा. कॉल सेंटरों, दूसरों की जानकारी रखने वाले संगठनों आदि में भी लोगों के निजी डेटा की चोरी के मामले सामने आते रहे हैं.

**वायरस-स्पाईवेयर फैलाना** – कंप्यूटर में आए वायरस और स्पाईवेयर के सफाए पर लोग ध्यान नहीं देते हैं. उनके कंप्यूटर से होते हुए ये वायरस दूसरों तक पहुंच जाते हैं. हैकिंग, डाउनलोड, कंपनियों के अंदरूनी नेटवर्क, वाई-फाई कनेक्शनों और असुरक्षित फ्लैश ड्राइव, सीडी के जरिए भी वायरस फैलते हैं. वायरस बनाने वाले अपराधियों की पूरी इंडस्ट्री है जिनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होती है. **इन सभी मामलों में कड़ी सजा का प्रावधान रखा गया है जिससे साइबर कानून की प्रभावशीलता बरकरार रहे और अपराधियों में एक डर बना रहे और साइबर अपराध की संभावनाएं कम हो.**

हमारे देश ने जैसे हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त की है, उसी प्रकार साइबर कानून के लागू होने के बाद साइबर अपराधों को काबू में किया है. ग्लोबलाइजेशन और प्रौद्योगिकीकरण के इस दौर में हर क्षेत्र को नयी उचाइयां मिल रही हैं लेकिन वहीं साइबर अपराध की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है. ऐसी चुनौतियों से निपटने एवं अपराधियों को सजा दिलाने के लिये साइबर कानून प्रभावशाली है.

❖❖❖



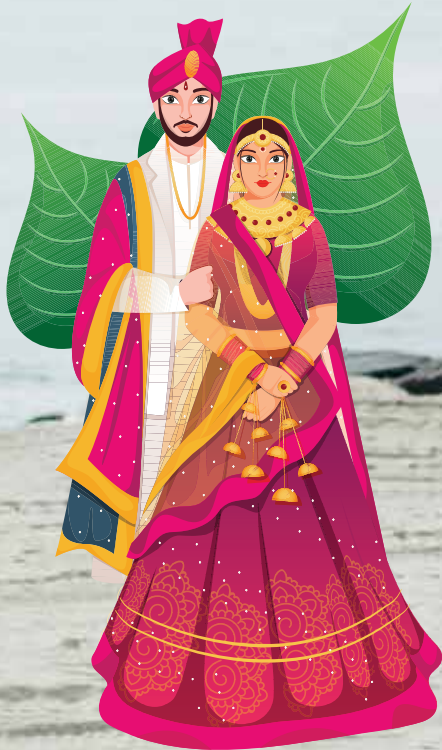
**अंशिता वर्मा**

अधिकारी

सावरकर पाथ विदिशा शाखा, सागर क्षेत्र

# Wedding Industry

**Introduction:** Marriages are made in heaven but celebrated on Earth. Marriage is a holy union that binds together two people for the entire life. Marriages have been the pride of place in every society since time immemorial. Marriage is a holy union that binds together two people for the entire life. The idea behind the institution of marriage is to foster not self-interest, but love for the entire family. Furthermore, there are weddings and then there are Indian Weddings. Weddings in India celebrate marriage as a sacrament. It not only represents the formation of a bond between two people but the uniting of two families as well.



Every girl and boy dreams of a perfect wedding. In addition, weddings are used as opportunities for families to show off their financial might as well as declare their social class. However with lack of time due to career commitments which has led the society to embrace the idea of professional weddings and hence the wedding ceremonies today are proving that marriages are made on earth and by wedding managers. According to Chetan Vohra, Wizcraft (an event management company), "The grandeur of wedding ceremonies has in no way diminished with time. In fact, this untapped industry is gradually growing to be a successful business venture. The wedding industry is associated with glamour, fun, and excitement, which makes it highly attractive as a career opportunity also.

## **Marriages as business opportunity:**

Now with changing trend of event organization, there is a huge scope for wedding planners in the market. Today marriage ceremonies are a big scale celebration and require an organized approach to ensure success. With the advent of theme based marriages and destination weddings, professional wedding planners are the need of the hour. In India, weddings are a mega-industry. While many of us don't consider it a career path or business opportunity, weddings are actually a huge source of revenue for many people. From the outside, we think of them as emotional celebrations full of love and laughter, but there's so much more that goes into a wedding. If you're married or have had someone close to you get hitched, you know that there's loads of planning and detailing that go into one week of festivities like mehndi, haldi, sangeet and sagai. From every last ingredient of the dishes to be served, to every move that friends and family perform at the sangeet, decisions are seemingly never-ending.

## **Market Needs and Potential:**

The market needs of wedding services are largely driven by the desire to have an efficiently planned as well as a perfectly executed wedding ceremony. The market also has a lot of potential as both the upper and middle class members seek to outdo each other by taking the wedding as an ample opportunity to show off their financial might and clout of wealth. When it comes to Indian weddings, the term 'extravagant' instantly springs to mind. Vivaah, a Sanskrit word meaning 'special dedication', represents the grandeur, tradition, colours and elaborate celebrations associated with the sacred event. Celebrations can last as long as four or five days, irrespective of the size and style of the wedding. Today organizing an event or hosting an event needs lots of time and attention. To arrange everything in just a couple of months is not an easy task. A wedding is to be enjoyed, especially by the bride and groom. But copious amounts of planning and coordination can make it seem like a chore instead of something beautiful. The stress that comes with doing everything yourself might have you wishing for things to just be over already, instead of looking forward to the big day. Thus they prefer to handover the whole event's responsibility to the wedding planner. One just needs to

give a budget outline and rough idea about the type of wedding they want, the planners will work it all out and give their creative inputs and plan the perfect wedding without exceeding the budget. A wedding planner can help the happy couple create an occasion that they'll always remember and will likely consider as one of the most special days in their lives. Successful events are beautiful, memorable and as stress-free as possible for the bride, groom, and all of their guests.

### Wedding Planning and Management:

Earlier, the wedding industry was unorganised, but a lot of entrepreneurs have now jumped into the field realising the potential of the industry. Tailor-made weddings are the order of the day.

Wedding planners handle complete designing and coordination of weddings right from designing invitation cards, deciding venues and decor to trousseau packing, designing the stage for the couple, providing dancers, bands, singers, catering and much more. Couples hire wedding planners to take care of the things they prefer not to do themselves, to handle the variety of tasks that comprise throwing a wedding or any other event that is Budgeting, Negotiating, Planning and Organizing, Managing Time, Solving Problems and Networking.

A planner must know the wedding events and rituals of different castes and religions to plan it accordingly. A wedding can be an elaborate affair lasting from two days to 15 days depending upon the customs of a particular caste.

### Economics of it all:

It is not a compulsion to have a wedding planner for coordinating a marriage. There are various people round the world who get married even without doing any consultation with any wedding planner. However, gone are the days when weddings were pure fun. There was a time when immediate family and friends would gather together and make sure that they took care of the entire business. In fact, the family of the groom or bride just had to show up on time. However, thanks to changing times arranging the entire wedding has become a cumbersome process. It is no longer possible for the families of the bride and groom alone to take care of the entire programme without someone having a temporary nervous breakdown. A wedding is now an expression of a person's wealth and social standing. And that is why people don't hesitate to spend. According to experts, the industry is estimated to be anywhere between Rs. 1,90,000 crore and Rs. 2,25,000 crore.

In 2013, Conde Nast India estimated the size of the Indian wedding business at \$38 billion per year. Based on a KPMG report, approximately, 60.5 million weddings will take place in India from 2017 to 2021. The wedding cost in

metropolitan cities is estimated to be anywhere between Rs. 25 lakhs to 70 lakhs.

### Breaking down the costs for an upper – middle class wedding

The venue, cuisine and the traditional decorations are responsible for the bigger chunk of wedding expenses. Booking a hotel or a banquet for the venue can cost anywhere between Rs. 1,00,000 – Rs. 2,00,000, while the cuisine during the wedding can cost up to Rs. 5,00,000. The traditional decorations can contribute to around 10 percent of the total cost, ranging from Rs. 2,50,000 – Rs. 5,00,000. Buying designer clothes for the wedding would cost a around Rs. 2,50,000,

while families tend to spend lavishly during weddings on jewellery. A safe estimate for embellishing oneself with designer jewellery would be anywhere between Rs. 3,00,000 – Rs. 5,00,000, while the cost for printing the wedding cards would be around Rs. 20,000 – Rs. 30,000. Furthermore, the cost to acquire the services of a professional photographer could set the families back by around Rs. 1,50,000 – Rs. 2,00,000. A traditional Indian wedding lasts up to three days, with different ceremonies and rituals taking place over the course of the three – day celebration. A single ceremony could cost anywhere between Rs. 6,00,000 – Rs. 10,00,000, which can significantly increase average cost of a wedding. The fee for making weddings memorable is quite steep — wedding planner's charge 10 per cent of the wedding budget as consultation fees. This means a Rs. 1 crore wedding will leave the planner richer by Rs. 10 lakh. While for most upper class people wedding budgets start at Rs. 70-80 lakh, it can go up to even Rs. 10 crore for industrialists and businessmen.

Despite these high expenses, the Indian wedding industry is growing at over 25 per cent annually. And this is just the tip of the iceberg.

It is safe to say that no matter the state of the economy, the wedding planning business will always be in the black thanks to the value we give time. A large wedding can cost anywhere from a few dozen lakhs to several crores. But wedding planning isn't for the mild and easily stressed – it requires plenty of time, talented coordination and a cool head. A wedding planner can help the happy couple create an occasion that they'll always remember and will likely consider as one of the most special days in their lives. Successful events are beautiful, memorable and as stress-free as possible for the bride, groom and all of their guests. Thus the wedding industry can never die, it will only flourish with the tastes of the rich.



**Dinesh Kumar**  
Manager (HR)  
Regional Office, Hissar

Dear Payal Madam,

**Attaching stop payment letter for your kind reference.**

**Shikha Mehta**

Cool Comfort Corner.

(Names changed to maintain privacy)

Almost lunch time and the email pops up on the screen as I think of picking up the fruit bowl for a light healthy munch. This is important. I call back Cool Comfort Corner (names changed to maintain privacy) Now we all are on the same page.

An inadvertent amount of 27 lakhs would have been passed off instead of 5 lakhs as intended by one of our Radiance customers. Inter-sol and off sol clearing cheques have been assigned to me now and by previous senior authorities and branch heads too.

"Well, we're going to give you very little work. You have a visual limitation. Banking is risky business. Frauds may happen with you, chances are more of frauds occurring in your case."

The above remarks may well be true in a particular case but for me, neither words nor remarks rather the quality of work defines my capabilities. An unkept window at my house is no reason to blame the stains on clothes on my neighbour's line. Born with congenial cataract and having developed glaucoma in both eyes during college, neither did my parents nor did I let situations or circumstances define my worth as life sails me through this beautiful journey.

# Flipping Through Golden Pages

"You all can see. God has given you everything. She can't see like you can. All her French language exercises are perfect. Because she can't see, her only focus is her task. You all need to learn from her." Words from Mrs. Rodrigues a French teacher in a fifty students grade nine from a convent school I was fortunate to be educated in have etched themselves in the cave of my mind, reminding me time and again of how outperforming in an inclusive school has gone a long way in sowing seeds of determination, faith and confidence that now garnishes my work assignments in an inclusive organization.

**"If you look at what you have in life, you'll always have more. If you look at what you don't have in life, you'll never have enough".**

**-Oprah Winfrey**

On the evening of Saturday 30<sup>th</sup> April, as the team assembled to discuss targets achieved during third party campaigns, I took the opportunity to cross check with my branch head about taking the day off on 2<sup>nd</sup> May, 2022. My teenager and I had planned a modest Birthday Bash to go for a movie and light dinner. However, after finding out about other officers already on leave



and keeping customer centricity in mind, the young man and I realigned plans wherein we'd go celebrate late Monday evening after Mom returns from office. Besides we'd have Tuesday Id holiday all day to chill.

Little did I know what this drama of life would unravel as the marvellous Monday morning hours rolled by? Whilst the Malad west team relished some homemade savouries, I got to work. Browsing through emails, I happen to set sight on this high value intersol transaction of Cool Comfort Corner, one of our long time valued Radiance customer.

I dialled their registered mobile number, whilst simultaneously listening to my screen reader diligently read out details and figures through the earphones

plugged into my right ear, I read out the transactions to the accounts team of the client.

“Could you repeat the cheque number ma’am, Shikha cheerfully prompted, “Sure” I smiled through the receiver on my left ear. “27 lakhs it reads.”

There was a momentary pause and the voice over the wire came, “There’s some communication gap because according to our records, the amount is 5 lakhs though the cheque number tallies with the one you mentioned, Ma’am.”

Happy that we had figured this well in time, Shikha and I decided that the accounts team at their end would wish to have a look at the email that was now flashing on the monitor of my desktop for them to take this further so I forwarded the intersol email to them immediately.

Shikha promised to cross check and revert as we hung up. I picked up the colourful fork that had been packed into my fruit bowl and relished some fresh melon cubes.

Whatever be the task assigned, banking is all about alertness, focus and a sharp intellect. Seeing is not always believing. There’s always more than meets the eye. Most customers with whom I interact telephonically or via email have no knowledge about my visual impairment. It’s better that way. It tends to cloud judgements. Ignorance is bliss. If there is a need, when there is a real-time challenge, where documents need to be scanned like pictures or inaccessible documents, that’s when we

mention the challenge. We cross every bridge when we come to it. Fortunate to be pampered by the Branch Head, Joint Manager and team at this branch, my good wishes go out to all visually impaired colleagues who too are making a mark in their respective work places. Generating daily reports makes me feel like a good deal of contribution goes toward compliance, connecting with customers for on boarding them on digital banking products is service toward moving a country toward digitalization. Patience and perseverance pay off. You can’t keep pulling up the roots to see how the plant is coming along.

Branch Head Madam has been with Malad West for over six months now and I owe most of my motivation to work to the energy and enthusiasm her presence commands. “You don’t need to find your way through the hallway into the cabin or fumble around for colleagues at different counters,” she assures as we enjoy a friendly chat in her cabin, “all you need to do is dial me direct- cell phone to cell phone.” And even at times when there have been visitors when sahayaks reach me to the cabin, she makes it a point to visit my desk soon as the task at hand is done to understand what the reason for my visit to the cabin was. We work through queries, co-ordinations and so called complaints which are mere gaps in communication more often than not, unattended or unsorted simple thoughts in the minds of customers which when resolved, bring in surprisingly more business than one could have anticipated.

Well, steering back our thoughts to the task at my desk, had I taken Monday, 2<sup>nd</sup> May, 2022 day off, wouldn’t I have missed out on this opportunity to serve? The accounts team from the Radiance customer called back soon and we cleared the miscommunication wherein they clarified and we wrote back to the branch from another zone. The cheque for an amount of 5 lakhs was confirmed. What I earned was blessings. Isn’t the thought of that so fulfilling?

This incident and several others add to a bunch of cherished memories in an invisible album called “Golden Moments at Bank of Baroda” tucked away in one corner of my mind.

I refuse to exaggerate or allow all the energy of mind to direct itself toward a mere visual challenge. There’s so much more to life than “meets the eye” Yes, wherever required there will be sighted assistance undoubtedly there is technology and assistive devices whenever required but there’s a wiser way to strike a balance so that both tyres of this wonderful bicycle called life, glide along through national and international highways. Stopping, staring or twisting-turning into each and every narrow lane on the way isn’t worth the time and energy.

**“Do not go where the path may lead, go instead where there is no path and leave a trail. -Ralph Waldo Emerson**



**Payal Jethra**  
Officer  
Malad (west) Branch,  
Mumbai Metro West.

# A TRIP TO ALI BEDNI BUGYAL: MY QUEST TO EXPLORE HIMALAYAS

Ever dreamt of trekking to the endless lush green grassy highlands just like the movies picture huge Castles located in the middle of nowhere amidst huge gigantic alpine mountains with beautiful cattle grazing and adding beauty to such meadows. This is where I wanted to go and the perfect destination for this is HIMALAYAS. I have always felt a longing to go there.

I searched for my perfect first trek in the Himalayas and I came across the two best Bugyals of Uttarakhand called The Ali Bedni Bugal. "Bugyal" which means Meadows, there's no doubt that Uttarakhand being God's Land has such beautiful meadows comparable to the Scottish Highlands.

The term "bugyal" originates from the Garhwali word "bugi", which refers to the grass endemic to Uttarakhand. These grasslands grow only at an altitude of 11000 – 12000 feet, and the grass itself does not grow beyond 2- 4 inches in height. This height is maintained without any external influence, like grazing animals or extreme snowfall.

According to Ved Puran, Parvati and Shiv had performed a part of their marital customs in Bedni Bugyal. They then proceeded towards Kailash on foot. This whole trail derives its name and relevance from Parvati's life and journey.

Going to this most anticipated trekking location is a dream come true. Hiking in the Himalayas is not always about climbing high peaks or reaching high passes, it's about witnessing every element of the mountains. Amongst that is the never-ending eye-soothing greenery. The trek I did is the epitome of the meadows with stupendous Himalayan peaks standing tall in the background.

The surprise of finding myself in Ali Bugyal after trekking through dense forests is unbeatable. The moment you get out of the shades of the forest cover, you see acres and acres of green carpet sprawled out in front of you. Mt Trishul, stands tall against the blue skies, making for a formidable backdrop. Horses and their foals tear



themselves across the turf in an uninhibited abandon while the cattle graze lazily on this bounty.

Numerous huge Mountains can be seen all around you welcoming you to enjoy their Sunrise and Sunsets turning the whole place into a Golden Hue. Trekking through the meandering ascents and descents of the Himalayan trail, via dense forests of Oak, Pine, Deodar and other Conifers will lead you to an array of wide 360° panoramic views of Meadows where all of a sudden, the forests disappear and all you would see is endless acres of grasslands with lush green nature, the blue sky boasting and layering its bed of clouds with the gigantic mountains standing tall around you nestling the best kind of landscape. I came across various unknown mountainous flora blooming all over the carpet of grasslands in the summertime.

Ohh... awesome... still, I feel the freshness and the cool breeze while writing this.

I perceived every bit of the view and imprinted the same in my memory.

The Himalayas humble you. You feel like a speck of dust in this vast expansive world. You would be in absolute silence. This is one place where music was deep inside the silence for me.

I can assure you that walking through this magnificent path would take you to a silent zone of tranquility restructuring your mind to inhabit the place for the rest of your lives.

Traveling and finding yourself is good for the soul.

STAY TUNED TO YOURSELF.



**P Shivchander Ram**

Chief Manager & Faculty  
Baroda Academy, Ernakulam.



# जीआई टैग – जिओग्राफिकल इंडिकेशन

क्या होता है भौगोलिक संकेत? यह एक ऐसा संकेत है जो उन उत्पादों पर उपयोग किया जाता है जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है एवं इनमें उस क्षेत्र की विशेषताओं के गुण और प्रतिष्ठा का प्रभाव भी पाया जाता है। इसके कुछ उदाहरण हैं बनारसी साड़ी, मैसूर सिल्क, कोल्हापुरी चप्पल, दार्जिलिंग की चाय। ये अपने नाम से ही स्पष्ट है कि जीआई टैग का काम उस खास भौगोलिक परिस्थिति में पाई जाने वाली वस्तुओं के दूसरे स्थानों पर गैर-कानूनी प्रयोग को रोकना है, हालांकि इनका उत्पादन कोई भी कर सकता है।

जीआई टैग-जिओग्राफिकल इंडिकेशन कौन जारी करता है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड – डीपीआईआईटी) द्वारा जीआई टैग जारी किया जाता है। भारतीय संसद ने 1999 में रजिस्ट्रेशन एंड प्रॉडक्शन एक्ट के तहत 'जिओग्राफिकल इंडिकेशन ऑफ गुड्स' लागू किया था, जिस आधार पर भारत के किसी भी क्षेत्र में पाए जाने वाली विशिष्ट वस्तु का कानूनी अधिकार उस राज्य को दे दिया जाता है।

जीआई टैग को औद्योगिक संपत्ति के संरक्षण के लिये पेरिस कन्वेंशन (Paris Convention for the Protection of Industrial Property) के तहत बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के एक घटक के रूप में शामिल किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जीआई का विनियमन विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलुओं (Trade Related Aspects of Intellectual Property Rights-TRIPS) पर समझौते के तहत किया जाता है। भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री का मुख्यालय चेन्नै, तमिलनाडू में स्थित है। जीआई टैग की समय अवधि 10 वर्ष के लिए मान्य होती है।

**जीआई टैग-जिओग्राफिकल इंडिकेशन किसको दिया जाता है।**

किसी भी वस्तु को जीआई टैग देने से पहले उसकी गुणवत्ता, क्वालिटी और पैदावार की अच्छे से जांच की जाती है। कई वस्तुओं की पैदावार किसी विशेष स्थान पर ही मुमकिन होती है। इसके लिए वहाँ की जलवायु से लेकर उसे आखिरी स्वरूप देने वाले कारीगरों तक का हाथ होता है। भारत में जीआई टैग किसी खास फल, फसल, प्राकृतिक और निर्मित सामान को दिया जाता है।

**जीआई टैग के फायदे**

जीआई टैग मिलने के बाद अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में उस वस्तु की कीमत और महत्व दोनों ही बढ़ जाते हैं जिसके कारण उसका एक्सपोर्ट बढ़ता है। साथ ही, देश विदेश से लोग एक खास जगह पर उस विशिष्ट समान को खरीदने आते हैं जिससे हमारे देश का टूरिज्म क्षेत्र भी तरक्की करता है। उस विशिष्ट समान को बनाने वाले कारीगर, मजदूर गरीबी रेखा से ऊपर आते हैं जो कि देश कि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनती है।

**जीआई टैग से जुड़े कुछ विवाद**

कई बार दो या अधिक राज्यों में इसको लेकर विवाद की स्थिति भी बन जाती है कि कोई वस्तु किस जगह की मूल रूप से पैदावार है? जैसे की बासमती चावल पर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के कुछ हिस्सों का अधिकार है, ऐसे में सभी राज्यों की सहमति के आधार पर जीआई टैग देने का प्रावधान बनाया जाना चाहिए।

दूसरा विवाद रसगुल्लों पर 2015 से पश्चिम बंगाल और ओडिसा के बीच हो रहा था जिसमें पश्चिम बंगाल का दावा था कि रसगुल्ले सबसे पहले सन् 1860 के दशक में श्री नोबिन चन्द्र दास नाम के हलवाई ने बनाए थे। वहीं ओडिसा का कहना था कि 12वीं शताब्दी से जगन्नाथ पूरी मंदिर में भोग प्रसाद के लिए रसगुल्लों का उपयोग किया जाता है। दो साल तक चली इस कानूनी लड़ाई में आखिरकार जीत बंगाल की हुई और यह बताया गया कि पश्चिम बंगाल में बनने वाले रसगुल्ले



अन्य प्रदेश में बनने वाले रसगुल्लों से ज्यादा नरम और स्वादिष्ट हैं। अतः रसगुल्ले बंगाल की अमानत हैं। परंतु हाल ही में उड़ीसा को भी 'रसागोला' मिठाई के लिए जीआई टैग से नवाजा गया है जो कि बंगाल के 'रोशोगुल्ला' से स्वाद में कम मीठा व नरम होता है।

**जीआई टैग में भारत के कुल अपलब्धि**

अब तक भारत के खाते में कुल 370 जीआई टैग की उपलब्धियां हासिल हुई हैं जिसमें कर्नाटक को सबसे ज्यादा 47 तिरुपति के लड्डू और मध्य प्रदेश के झाबुआ के कड़कनाथ मुर्गा एवं इंदौर के लेदर टॉय्स, रतलामी सेव, चंदेरी एवं बनारस के भदोही की हस्तनिर्मित कालीन, बनारस के काँच के मोती और बिहार की मधुबनी पेंटिंक्स एवं भागलपुरी सिल्क सहित कई उत्पादों को जीआई टैग मिल चुका है।

**2021-22 में जीआई टैग प्राप्त करने वाला नवीनतम उत्पाद**

- कश्मीरी सैफ्रन – जम्मू व कश्मीर
- मणिपुरी काला चावल – मणिपुर
- कांधामल हल्दी, रोशोगुल्ला – उड़ीसा
- तिरु बोटल लीफ – केरल
- डिंडुगुल लोक्कस, कंदंगी सारी, श्रीविलीपुट्टूर कोवा – तमिलनाडू

**2019-2020 जीआई टैग प्राप्त करने वाला नवीनतम उत्पाद**

- तेलिया रुमाल (तेलंगाना) – तेलिया रुमाल हैदराबाद के निजाम के दरबार में अधिकारियों द्वारा बनाई जाती थी।
- कश्मीरी केसर – यह कश्मीर की कई क्षेत्र जैसे पुलवामा, किश्तवाड़, बड़गांव, श्रीनगर आदि क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- सोहराई खोबर पेंटिंग (झारखंड) – यह पेंटिंग झारखंड में स्थानीय एवं प्राकृतिक रूप से विभिन्न प्रकार की मिट्टी का उपयोग कर शादी समारोह एवं फसल के मौसम में इस्तेमाल किया जाता है।
- मणिपुर का काला चावल (मणिपुर) – इसे चाकहाओ के नाम से भी जाना जाता है, यह एक सुगंधित एवं चिपचिपा चावल होता है।
- तिरु सुपारी (केरल) – यह सुपारी मुख्य रूप से मलपपुरम जिग में पाई जाती है।
- पंचामृत (तमिलनाडु) – इस पंचामृत को शहद, गुड, केला, घी एवं इलायची मिलाकर बनाया जाता है।
- डिंडीगुल का ताला (तमिलनाडु) – यह अपनी बेहतरीन गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है।
- कांदगी साड़ी (तमिलनाडु) – कांदगी साड़ी को वाइंडिंग मशीन, करघा एवं बाँबिन का उपयोग कर बनाया जाता है।
- दार्जिलिंग का ग्रीन एवं वाइट चाय (पश्चिम बंगाल) – यह दार्जिलिंग की बहुत ही महत्वपूर्ण एवं प्रसिद्ध चाय है, भौगोलिक संकेत जी आई टैग पानी वाला प्रथम भारतीय उत्पाद भी दार्जिलिंग चाय ही है।

हाल ही में वर्ष 2021-22 में खोला चिली गोवा का व काजी नेमू आसाम का एवं 2020-21 में हिमाचल का काला जीरा, छत्तीसगढ़ का जीराफूल और ओडिशा की कंधमाल हल्दी, कर्नाटक की कुर्ग अरेबिका कॉफी, केरल के वायनाड की रोबस्टा कॉफी, आंध्र प्रदेश की अराकू वैली अरेबिका, कर्नाटक की सिरिसी सुपारी और हिमाचल का चूली तेल सहित 14 उत्पादों को सरकार ने इस साल अब तक भौगोलिक संकेतक (जीआई) की पहचान रखने वाले उत्पादों का दर्जा दिया है।



**श्री सत्यदीप मुखर्जी**

अधिकारी

एसएमईएलएफ, वाराणसी

# बचपन की कुछ सुनहरी यादें



“कितना प्यारा होता है बचपन,  
जिसमें खिला रहता हमेशा मन।  
खेल-कूद में बीत जाता सारा दिन,  
और रातें कट जाती तारें गिन-गिन।”

मनुष्य जीवन का सबसे सुनहरा पल बचपन है, जिसे पुनः जी लेने की लालसा हर किसी के मन में हमेशा बनी रहती है। परंतु जीवन का कोई बीता पहर लौटकर पुनः वापस कभी नहीं आता, रह जाती है तो बस यादें जिसे याद करके सुकून महसूस किया जा सकता है।

“वो सुनहरा बचपन था  
यहां ना किसी से बैर था और न किसी से द्वेष,  
यहाँ ना समय की कोई फिक्र थी और  
ना किसी चीज की चिंता,  
बस हंसना, खेलना, खाना-पीना,  
वो सुनहरा बचपन था...”

जब हम छोटे थे अक्सर मन में ये खयाल आता था कि हम बड़े कब होंगे, पर आज पुनः उसी बचपन में लौट जाने का दिल करता है। चलिये पुनः बचपन की यादों में

**बचपन में लोरी** – आपको तो याद भी नहीं होगा जब आप चंद कुछ महीनों के होंगे तब शायद आप भी अन्य बच्चों की तरह आआ... की आवाज करते सो जाते होंगे। उसके बाद आपको अपनी माँ या घर के किसी अन्य सदस्य के मुंह से लोरी सुनकर सोने की आदत हो गई होगी। मुझे लगता है कि अधिकतर भारतीय बच्चों द्वारा बचपन में सुनी गई पहली लोरी चंदा मामा दूर के ही होगी। जरा सोचिए कितना सुनहरा होगा वो समय जब आपको किसी चीज की समझ ना होते हुए भी आप लोरी में आने वाली उस आवाज से सो जाते होंगे।

**दादी नानी की कहानियाँ** – आज के समय में ये चीज कम ही देखने मिलती है, समय की व्यस्तता के चलते ना दादी नानी बच्चों को कहानियाँ सुना पाती है, और ना ही टीवी और मोबाइल के बढ़ते प्रचलन के कारण बच्चे उसमें इंटरैस्ट ले पाते हैं। हम ये भी कह सकते हैं कि आज के इस डिजिटल युग में दादी-नानी की जगह मोबाइल ने लेली है।

**बचपन के खेल :-**

खेला करते थे कूदा करते थे,  
मौज-मस्ती में जीया करते थे।  
वो मासूम बचपन ही था जहां ,  
सभी से दोस्ती कर लिया करते थे।

स्कूल से आकर सबका ध्यान एक ही चीज में होता था कि आज क्या खेल खेला जाएगा, कहीं पढ़ाई के लिए मम्मी जल्दी घर वापस ना बुला ले। बचपन में खेले जाने वाले खेल कुछ इस प्रकार होते थे –

• **छुपन-छुपाई** –



यह बचपन में खेला जाने वाला सबसे आसान और मजेदार खेल था। इसके एक साथी दाम देता था और अन्य सब छुप जाते थे, फिर कुछ देर रुककर वह अपने अन्य साथियों को ढूँढता और जो सबसे पहले आउट होता वही अगला दाम देता था। बचपन के इस खेल में कब स्कूल से लौटने के बाद खेलते हुए अंधेरा हो जाता था कुछ पता ही नहीं चलता था। बचपन का यह खेल वाकई में मनोरंजक था।

• **पिट्टू** –



निमोर्चा जिसे कुछ लोग सितोलिया या पित्तुक के नाम से भी जानते हैं, बचपन में मेरा पसंदीदा खेल था।

इस खेल को दो टीमों में विभाजित होकर खेला जाता था। इसमें कुछ पत्थर के टुकड़ों को एक के ऊपर एक रखा जाता था और जहां एक टीम का खिलाड़ी इन पत्थर के टुकड़ों को गेंद की मदद से कुछ दूरी पर खड़े होकर गिराता था और फिर उसकी टीम उन पत्थर के टुकड़ों को पुनः सामने वाली टीम की गेंद से आउट होने से बचते हुए जमाती थी। अगर टीम यह पत्थर पुनः जमाने में कामयाब होती थी तो उसे एक पॉइंट मिल जाता था वरना यह पॉइंट सामने वाली टीम को मिलता था। और बचपन में इन्हीं पत्थरों को गिराने जमाने में शाम कब बीत जाती थी कुछ पता ही नहीं चलता था।

• **गिल्ली डंडा** –



बचपन का ये खेल भी बहुत ही अनूठा था इसे खेलने में समय कब निकल जाता और मम्मी कब आवाज लगाने लगती कुछ याद ही नहीं रहता था।

• **खो- खो** :



इसे तो सभी बहुत ध्यान से खेलते थे क्योंकि ये कॉम्पिटिशन में आने वाला खेल जो होता था। साल के शुरू में ही हर क्लास की टीम तैयार की जाती थी जिसमें सभी बहुत मेहनत करते थे।

• **घोड़ा बादाम छाई** :



जहां स्कूल की रिसेस होती और सब दौड़ कर मैदान में अपनी क्लास के बच्चों के साथ जगह बनाते और इस खेल को खेलते। जिसमें जोर जोर से चिल्लाते घोड़ा बादाम छाई पीछे देखी मार खाईं।



• पतंग -



उन रंग बिरंगी डोरियों में उड़ती रंग बिरंगी पतंगों से आसमान भी खूबसूरत सा लगने लग जाता

था. वो अपनी पतंग को दूर आसमान में सबसे ऊपर पहुंचाने की चाह और इसके कटने पर दूर तक दौड़ लगाना भी अजीब था. अब आज जब थोड़ी दूर चलने पर सांस फूलने लगती है तब बचपन की वो पतंग के पीछे की लंबी दौड़ पुनः याद आने लगती है, जो चंद रुपयों की पतंग के लिए बिना थके लगाई जाती थी.

गर्मी की छुट्टी में खेले जाने वाले खेल -

स्कूल के समय जहां केवल शाम के कुछ घंटे खेलने के लिए मिलते थे वहीं गर्मी की छुट्टियों में पूरा दिन खेल के लिए ही होता था. पर गर्मियों की धूप के कारण घर से बाहर जाकर खुले में खेलने की भी मनाही थी, इसलिए गर्मियों के खेल भी कुछ अलग थे. गर्मियों में खेले जाने वाले खेल इस प्रकार है -

• केरम -



गर्मी की छुट्टी आई नहीं की घर में केरम बाहर निकल आते थे. और इसे खेलते हुए कब दोपहर निकल जाती थी, पता ही नहीं चलता था.

• राजा मंत्री चोर सिपाही -



घर में चार चिटों पर बनाया हुआ यह खेल घंटों चलता था. इस चार चिट पर राजा, मंत्री चोर

और सिपाही लिखा जाता था. और चार अलग - अलग व्यक्तियों को यह चिट उठानी होती थी, इसमें जिसके पास राजा की चिट होती वह कहता मेरा मंत्री कौन. अब मंत्री बने व्यक्ति को चोर और सिपाही का पता लगाना होता था. अगर वह सही चोर और सिपाही बता देता तो उसे मंत्री के 500 अंक मिल जाते वरना उसकी चिट चोर की 0 वाली चिट से बदल दी जाती और राजा व सिपाही को

1000 व 250 अंक मिलते. इस प्रकार फिर अंत में टोटल कर खेल का विजेता घोषित किया जाता था.

• ताश -



ताश के उन 52 पत्तों से सत्ती सेंटर, चार सौ बीस, तीन दो पांच और सात-आठ जैसे खेल खेलते हुए कब समय निकल जाता कुछ पता ही नहीं चलता. आज भी जब किसी सफर में ताश खेले जाते हैं तो बचपन की यादें ताजा हो उठती हैं.

• क्रिकेट -



बचपन में गर्मियों की सुबह में जल्दी उठना और सब दोस्तों को इकट्ठा कर उजाला होने से पहले ही मैदान में पहुंच जाना भी अनूठा ही था. जहां परीक्षा के दिनों में पढ़ने के लिए आंखे खोलें नहीं खुलती थी वही क्रिकेट के लिए बिना किसी के उठाए ही उठना भी अजीब था.

• लड्डू -



भंवरा घुमाना और उसके लिए घंटो उस पर रस्सी को लपेटना. साथी का घूम जाए और हमारा नहीं, तो दिल में गुस्सा आता

था, वो शाम को घर पर निकलता था. दिन रात प्रेक्टिस करके अगले दिन लड्डू घुमाकर दिखाए बिना चैन नहीं आता था.

• कंचे -



कंचे खेलने से ज्यादा उसे जितने में मजा आता था, गिनते वक्त जितने ज्यादा कंचे हाथ में आते उतना

दिल खुश हो उठता और जितने कम उतना ही उदास.

• गुलेल -



निशाने बाजी का शौक बहुत भारी पड़ता था, पड़ौसी के घर के शीशे टूट जाते और वो घर लड़ने आ जाता था. फिर भी छिपते छिपाते गुलेल ले कर घर से भाग ही लेते थे.

• सांप- सीढी / लूडो -



यह एक ऐसे खेल जिन्हें हम अक्सर अपने माँ, पापा या भाई बहन के साथ खेलते. जब दिन भर के बाद पापा घर आते तो हम जिद्द करते. थके होने के बाद भी पापा बच्चों की मुस्कान देख पिघल जाते और खेलने लगते. कभी कभी तो जान बुझकर हार भी जाते. और आज बच्चे पापा के आते ही बस उनका मोबाइल ले लेते हैं और सर उठाकर अपने पापा से बाते भी नहीं करते.

“बचपन वाकई में सुहाना था, काश की वो बचपन फिर लौट आए और हमारी जिन्दगी पुनः सभी टेंशन से मुक्त सुहानी हो जाए.”



नेहा पाटनी कपूर

प्रबंधक

डीएलएफ फेज-1, गुरुग्राम



Today, investing in life insurance policies is viewed differently in comparison to the last couple of decades. Traditionally, life insurance in India has been viewed as a mode of savings, and yes, a safety net for the family in the unfortunate event of death of an earning member.

# An Insurance Policy for Every Life Goal

Over the years, as life expectancy in India increased, thanks to the medical advances and improved quality of life, there has been a need for life insurance products to evolve and become more meaningful. This has led to the development of a host of life insurance products that offer the customer various options: from being a pure insurance policy to savings to growth and more.

In this article, we take a quick look at four key life insurance products and the life situations they cater to including Term Plan, Savings – ULIP, Savings – Traditional, Retirement.

**Life situation 1: I want to guarantee my family's well-being**

**Recommended: Term Plan**

When you have liabilities such as debt or a home loan and you want to ensure your family is not burdened with the repayment, a Term Plan works well. It gives your family an assured lumpsum amount which you would have earned throughout the years.

Under this policy, the family receives the entire amount insured, in case of death. This money serves

as replacement of income, offers financial security to sustain the existing lifestyle, and keeps assets secure against any outstanding loans.

The best part of Term Insurance is that the annual premiums are low and can purchase a large cover. But customers must note that term insurance, if not claimed in a particular year do not accumulate or earn bonus as in the case of a traditional life insurance policy. This is a pure insurance product that can be claimed only in the event of death of the insured.

**Life situation 2: I have two young children; I want to save for their higher education**

**Recommended: Savings – ULIPs**

This life insurance product has been created in response to the growing life expectancy in India. Today, the average Indian lives beyond 70 years, which means most of one's life responsibilities towards children and spouse is done by this time.

In light of these changes, ULIP plans have gained popularity in recent years. These policies serve two purposes: one they provide insurance and a financial safety net, plus they serve as investments that grow.

As the name suggests, ULIPs are unit linked life insurance policies where policy funds are invested in capital markets to offer customers the benefit of market growth. These policies are useful when planning for future expenses such as children's higher education, marriage, home purchase etc. ULIP investments enable your money to grow in pace with the market and enable you to reduce the impact of inflation on your investment.

These policies are a good way to create wealth through market related returns at lower levels of risk. The ULIP policies have been made more meaningful with various riders that cover disability and critical illness, enhanced life cover through term rider, etc. In case of death of insured, the policy also comes with the option of absolving the family from the burden of premium payment with WoP rider.

For investors, looking for transparency and flexibility in their insurance policies, ULIPs offer the options of an initial lock in period, backed by options of regular payouts that include a fixed amount with bonuses.

Note of caution: the bonus returns are market linked and are subject to market risks. This type of insurance plans work well when you are investing for a long term horizon.

**Life situation 3: I am the sole earning member in my family, I need to assure a guaranteed sum of funds to my family in any unfortunate situation.**

**Recommended: Savings – Traditional**

If you are looking for a fixed amount of insurance to be paid to your family upon the death of the life insured, the traditional insurance built as a savings model is the safest. Here the premiums are on the higher side, but funds are assured.

This type of policy is ideal if you have other market linked investments and are looking for a safety net that your family can depend on in emergencies. It lets you build stability into your investments, giving you savings with life cover. You can amp up the benefits of this policy by opting for disability and critical illness riders, enhanced life cover through term rider.

This type of policy comes with a WoP rider that absolves the family from the burden of premium payment in certain specified cases. The tenure and returns of this policy are fixed, are such policies can



also be used as collateral when applying for loans as all monies in this policy are assured.

**Life situation 4: I wish to put away funds for the future that will allow me to live a good life during my retired years.**

**Recommended: Retirement Plan**

The need for a well thought out retirement investment plan cannot be emphasised enough in today's day and age. With rising costs of lifestyle, medical expenses, good health that allows seniors to live a good life, and the need to live a financially independent life – making retirement plans is imperative.

A retirement corpus allows one to live a secure life in the absence of the spouse, get guaranteed income till death, and also have the option of leaving a legacy

for future generations. As lifestyles improve, life after 60 years of age still consists of couples travelling and pursuing other interests. Ensuring access to funds through one-time payouts or monthly credits, gives one greater control on cash flow and keeps elders secure in the knowledge of their own funds.

This type of policy benefits most through the principle of compounding and must

be planned as soon as one starts earning. This will help you build a large corpus over the span of your working life.

**Guarantee The Certainties Of Life**

Insurance policy is not something you invest in only as a safety net for your family in case of death. Contemporary insurance policies are designed to help you meet your financial goals during your lifetime and come with a fixed tenure. If not claimed, the funds can be claimed back as corpus for various expenses in varying timelines.

These policies are a great way to mitigate risks and beat inflation as you grow through different life situations. You would do well to invest in these policies and regularly review your financial goals to accordingly map your policies. Remember, a good life is an insured one!



**Sunanda Roy**

Country Head – IndiaFirst Life for Bank of Baroda Channel  
IndiaFirst Life Insurance Company Ltd.

# अखिल भारतीय वार्षिक राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन



बैंक ने अंचलों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में पदस्थ राजभाषा प्रभारियों के लिए दिनांक 25-27 मई, 2022 तक गंगटोक में अखिल भारतीय वार्षिक राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंक के मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) श्री अजय के खोसला ने की। समारोह के पहले दिन अंचलों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में पदस्थ राजभाषा प्रभारियों द्वारा वर्ष 2021-22 में किए गए राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा शुरू की गई तथा नए वित्तीय वर्ष में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत कोलकाता अंचल के तत्कालीन नेटवर्क उप महाप्रबंधक श्री सोनाम टी भूटिया के स्वागत संबोधन के साथ हुई। तत्पश्चात् प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह ने बैठक की पृष्ठभूमि से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) श्री अजय के खोसला ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में भाषा को संस्कृति का वाहक बताया और अपनी भाषा की समृद्धि हेतु इसके प्रचार-प्रसार पर बल दिया जिसके लिए सभी के द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अंचलों एवं क्षेत्रीय राजभाषा प्रभारियों की समीक्षा बैठक दो दिनों में सम्पन्न हुई।

कार्यक्रम के तीसरे दिन महाराजा सयाजीराव लोकभाषा सम्मान एवं बड़ौदा राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रारम्भिक संबोधन सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र ने दिया। इस अवसर पर प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति)

श्री संजय सिंह ने बैंक में हिंदी प्रयोग संबंधी संक्षिप्त प्रस्तुति दी। कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना ने अध्यक्षीय वक्तव्य के माध्यम से प्रतिभागियों

को संबोधित किया। तत्पश्चात् उन्होंने पद्मश्री मालिनी अवस्थी को महाराजा सयाजीराव लोकभाषा सम्मान - 2021-22 अर्पण किया। उसके बाद बड़ौदा राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसके तहत 'क', 'ख' एवं 'ग' भाषिक क्षेत्र अनुसार अंचल कार्यालय श्रेणी एवं क्षेत्रीय कार्यालय श्रेणी में आने वाले विजेता कार्यालयों, अंचल की श्रेष्ठ पत्रिकाओं तथा बैंक के संयोजन में कार्यरत नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही इस दौरान प्रधान कार्यालय द्वारा बैंक के सभी स्टाफ सदस्यों के लिए आयोजित हिंदी का सरताज

प्रतियोगिता तथा हम से बढ़कर कौन जैसी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर बैंक की गृह पत्रिका 'बॉबमैत्री' अक्षय्यम् एवं बॉब अभिव्यक्ति ऐप पर चर्चा की गई एवं वर्ष 2022-23 की वार्षिक राजभाषा कार्य योजना के संबंध में परिचर्चा एवं समूह अभ्यास किया गया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों के बीच सार्थक संवाद और रोचक गतिविधियों के आयोजन के साथ हुआ। तीन दिवसीय इस भव्य समारोह में धन्यवाद ज्ञापन अंचल प्रमुख, कोलकाता श्री देवब्रत दास एवं क्षेत्रीय प्रमुख, सिलीगुड़ी श्री दिलीप कुमार प्रसाद ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध साहित्यकार, पत्रकार एवं अनुवादक श्री सुवास दीपक भी उपस्थित रहे।





# Narrowing Down The Gap: The Bank Job

The word, Bank can be traced to ancient Roman Empire where money lenders would set up their stalls on a bench called Bancu. Some economists trace the origin of the word to the French word, Banque as it is believed that earlier banker transacted their business on benches placed in a market place. Still, others believe that the word Bank was originated from German word Bancor the Italian word Banco. In any case, the first public Bank was Bank of Venice, founded in Italy in 1157 A.D. However, the first modern bank, named Banco Di San Giorgio, was established in Genova, Italy in 1406.

We are the citizens of largest democracy of the world. We have travelled the 75 years of independence journey with successful accomplishment of several uphill tasks and challenges. The way forward is filled with hope, aspirations of 1.38 billion people.

Bengal famine of 1943 was one of most disastrous policy failure during the British era. It was not only the draught that led to the death of more than 3 million people. Out of total population of 60.3 million, nearly 5 percent of population died of starvation, malaria and other diseases aggravated by malnutrition, population displacement, unsanitary conditions and lack of health care.

Today our motherland is able to feed 1.38 billion people, which was facilitated by green revolutions in 60s and 70s. Still the greater cause of concern is uneven, disproportionate and irrational distribution of wealth and resources among citizens of country. In India, the rate of increase of private wealth and its concentration at the top has been even sharper. The poorest half of the population have less than 6 percent of wealth, the top 1 percent grab more than one third and top ten percent nearly two thirds.

The pandemic that wreaked havoc on poor was extremely benign to the rich. An Oxfam report said the

wealth of 10 richest men in the world doubled, while 99 percent of the world's people are worse-off.

The rise in the private wealth has been accompanied by a reduction in public wealth, which is a bad news for government looking to increase spending on citizens based on return on public assets. According to world inequality report, income in India increased from 290 percent to 555 percent in 2020, one of the fastest increase in world's history. The rise of private wealth at the cost of public wealth and the phenomenal increase in wealth of riches, brings us to the issue of Crony Capitalism.

Crony Capitalism distorts the economic playing field to suit a few who are close to the party in government, with a mutual exchange of favours, from the corporates in return for policies and decisions beneficial to them. That has implications for the democratic polity as well as governance and economic development.

In India public sector Banks have been in the forefront of mobilizing resources from far flung areas as well as extending banking services in the remotest parts of the country. The burden of social agenda has largely been shouldered by PSBs without any compensation.

We the employees of public sector banks are fortunate to play a role in narrowing the gap between the rich and poor. PSBs have been the backbone of Indian financial architecture since nationalisation of State Bank of India in 1955, followed by more in 1969 and 1980. Despite critical global conditions and turbulence in Indian economy PSBs have been successful in meeting their mandate with support from Government and RBI.



**Ajay Dhankhar**  
Senior Manager  
Regional Office, Hissar



# NON-VERBAL COMMUNICATION AND BODY LANGUAGE

While the key to success in both personal and professional relationships lies in your ability to communicate well, it's not the words that you use but your nonverbal cues or "body language" that speak the loudest. Body language is the use of physical behaviour, expressions, and mannerisms to communicate nonverbally, often done instinctively rather than consciously.

Whether you're aware of it or not, when you interact with others, you're continuously giving and receiving wordless signals. All of your nonverbal behaviours—the gestures you make, your posture, your tone of voice, how much eye contact you make—send strong messages. In some instances, what comes out of your mouth and what you communicate through your body language may be two totally different things. When faced with such mixed signals, the listener has to choose whether to believe your verbal or nonverbal message. Since body language is a natural, unconscious language that broadcasts your true feelings and intentions, they'll likely choose the nonverbal message.

The importance of nonverbal communication

If you want to become a better communicator, it's important to become more sensitive not only to the body language and nonverbal cues of others, but also to your own.

Nonverbal communication can play five roles:

- **Repetition:** It repeats and often strengthens the message you're making verbally.
- **Contradiction:** It can contradict the message you're trying to convey, thus indicating to your listener that you may not be telling the truth.
- **Substitution:** It can substitute for a verbal message. For example, your facial expression often conveys a far more vivid message than words ever can.
- **Complementing:** It may add to or complement your verbal message. As a boss, if you pat an employee on the back in addition to giving praise, it can increase the impact of your message.

- **Accenting:** It may accent or underline a verbal message. Pounding the table, for example, can underline the importance of your message.

Source: *The Importance of Effective Communication*, Edward G. Wertheim, Ph.D.

## Types of nonverbal communication

**Facial expressions.** The human face is extremely expressive, able to convey countless emotions without saying a word. And unlike some forms of nonverbal communication, facial expressions are universal. The facial expressions for happiness, sadness, anger, surprise, fear, and disgust are the same across cultures.

**Body movement and posture.** Consider how your perceptions of people are affected by the way they sit, walk, stand, or hold their head. The way you move and carry yourself communicates a wealth of information to the world. This type of nonverbal communication includes your posture, bearing, stance, and the subtle movements you make.

**Gestures.** Gestures are woven into the fabric of our daily lives. You may wave, point, beckon, or use your hands when arguing or speaking animatedly, often expressing yourself with gestures without thinking. However, the meaning of some gestures can be very different across cultures. While the "OK" sign made with the hand, for example, usually conveys a positive message in English-speaking countries, it's considered offensive in countries such as Germany, Russia, and Brazil. So, it's important to be careful of how you use gestures to avoid misinterpretation.

**Eye contact.** Since the visual sense is dominant for most people, eye contact is an especially important type of nonverbal communication. The way you look at someone can communicate many things, including interest, affection, hostility, or attraction. Eye contact is also important in maintaining the flow of conversation and for gauging the other person's interest and response.

**Touch.** We communicate a great deal through touch. Think about the very different messages given by a weak

handshake, a warm bear hug, a patronizing pat on the head, or a controlling grip on the arm, for example.

**Space.** Have you ever felt uncomfortable during a conversation because the other person was standing too close and invading your space. We all have a need for physical space, although that need differs depending on the culture, the situation, and the closeness of the relationship. You can use physical space to communicate many different nonverbal messages, including signals of intimacy and affection, aggression or dominance.

**Voice.** It's not just what you say, it's how you say it. When you speak, other people "read" your voice in addition to listening to your words. Things they pay attention to include your timing and pace, how loud you speak, your tone and inflection, and sounds that convey understanding, such as "ahh" and "uh-huh." Think about how your tone of voice can indicate sarcasm, anger, affection, or confidence.

#### How nonverbal communication can go wrong

What you communicate through your body language and nonverbal signals affects how others see you, how well they like and respect you, and whether or not they trust you. Unfortunately, many people send confusing or negative nonverbal signals without even knowing it. When this happens, both connection and trust in relationships are damaged.

#### How to improve nonverbal communication

Nonverbal communication is a rapidly flowing back-and-forth process that requires your full focus on the moment-to-moment experience. If you're planning what you're going to say next, checking your phone, or thinking about something else, you're almost certain to miss nonverbal

cues and not fully understand the subtleties of what's being communicated. As well as being fully present, you can improve how you communicate nonverbally by learning to manage stress and developing your emotional awareness.

#### How to read body language

Once you've developed your abilities to manage stress and recognize emotions, you'll start to become better at reading the nonverbal signals sent by others. It's also important to:

**Pay attention to inconsistencies.** Nonverbal communication should reinforce what is being said. Is the person saying one thing, but their body language conveying something else. For example, are they telling you "yes" while shaking their head no.

**Look at nonverbal communication signals as a group.** Don't read too much into a single gesture or nonverbal cue. Consider all of the nonverbal signals you are receiving, from eye contact to tone of voice and body language. Taken together are their nonverbal cues consistent or inconsistent with what their words are saying.

**Trust your instincts.** Don't dismiss your gut feelings. If you get the sense that someone isn't being honest or that something isn't adding up, you may be picking up on a mismatch between verbal and nonverbal cues.

In conclusion, body language plays an essential role in all forms of communication as it can help break the barriers as well as form a better connection with other individuals.



**Capt. Gauri Mahajan**  
Senior Manager (Security)  
Mumbai Metro North Region

## Overseas News

### Bank of Baroda (Kenya) Ltd. held its Annual General Meeting



On 20<sup>th</sup> May, 2022 Bank of Baroda (Kenya) Ltd. organised its Annual General Meeting. Managing Director Shri Vinay Rathi, Dy. Managing Director Shri Ravi Pathak, Directors of the Bank, Shri Ramesh Mehta, Dr. Winifred Karugu, Shri Stephen Lugalia and other dignitaries were present on the occasion.

# Doorstep Banking Services – An Alternate Channel



## Introduction

Since ancient times banking services have been confined within four walls of banking institution. Banks create various products and services and deliver them to their customer by brick and mortar structure of banking i.e. through Branch Model. Banks have got branches across the geographies to deliver their services for their far reaching and wide base of customers. Evolution of banking with the passage of time gave rise to innovation due to governments ever pushing growth for financial inclusion. And with India becoming a technological hub with its fast-paced advancements coupled with techno-savvy people, wireless banking in the form of Digital banking has also made great strides particularly in post corona phase. Digital banking has rapidly advanced and customers prefer to get services at their fingertip largely thanks to the advent of smart phones. Now Smartphones have given lot of convenience to the customers so much so that even loans, credit cards etc. are easily available to the customers without setting foot outside their home or office. Firstly there was traditional way of banking, and then came Digital mode of delivering banking services. The Buck does not stop here, now there is another mode of delivering banking services and that is DOOR STEP BANKING services. It means providing some banking services at the door step of the customers. In the year 2017 RBI instructed banks to provide Door step banking services for senior citizens above 70 years, visually impaired and infirm persons etc. Subsequently many nationalized banks launched it but without much success. Here the mode of delivery of banking services were bank's staff and due the shortage of staffs across banks it could not be successful during its first launch.

As a part of EASE program, DFS & IBS have decided to relaunch door step banking services by forming an alliance of 18 PSBs under single umbrella where UCO bank has been chosen as an anchor bank. Here in DSB 2.0 there is a change made i.e. two private agencies namely M/s. Atyati technological pvt ltd and M/s. Integra Microsystem Pvt ltd have been appointed as vendors for delivering banking services at the customers' doorstep. It has a vision of serving more than 19 crore customers in 100 cities across the country by 2021. Customer can book for banking services at their door step through 3 channels which are as follows:-

1. Mobile Applications
2. Web Portal
3. Toll Free Number (18001213721/ 1800890155)

## Services

There are two types of services available through Door Step Banking namely, 1. Financial services 2. Non-financial services. Customers can opt for financial services such cash deposit and cash withdrawal and non-financial services such as pick up of cheques, drafts and new requisition slip and delivery request for account

statement, Non-personalized cheque books, drafts, term deposit receipts, acceptance of form 15G /form 15H submission, acceptance of IT challan, delivery of prepaid instruments and issuing standing instruction etc. Presently Cash deposit services has not been launched but cash withdrawal services can now be availed by the customers. Customer of any Public Sector Bank can book Cash Withdrawal Service using DSB App / Web Portal or by calling on the Toll Free Number. The Bank Account of the Customer should be either linked to Aadhaar or Debit Card for availing real time Cash Withdrawal facility. DSB Agent will visit Customer's address for providing service through Micro ATM based secure technology. The Per transaction limit is minimum Rs. 1,000/- and Maximum Rs 10,000/-. In the current pandemic situation, it is difficult for customers, especially pensioners to visit branch for Submission of Life Certificate. PSB Alliance has brought the Submission of Digital Life Certificate facility through Door Step Banking. Pensioners may book the service through any of channel i.e. DSB App / Web Portal / Toll Free Numbers. DSB Agent will visit the doorstep of the customer and collect online Life Certificate using Jeevan Pramaan Application. These whole gamut of services provided in door step banking is chargeable @ 75/- plus taxes per service.

## Eligibility

Door step banking services are available to all the individual customers except the following:-

- Joint accounts operated jointly, Former or survivor.
- Minor accounts including guardianship.
- Accounts operated through power of attorney
- Non-kyc complied accounts and Inoperative accounts
- Illiterate Customers
- Savings bank account opened under MACT claims

## Conclusion

The Success of DSBS 2.0 largely depends on the popularity and wide usage of this channel of delivering services amongst bank's customers. As the onus of delivering banking services is now on appointed vendors, success the same can be ensured by making it highly secured, convenient and popular channel. Firstly we had Branch as a channel for delivery of services then came Digital mode and now Door step banking services. This is relatively new and still to become a full-fledged mode of delivery, it remains to be seen that how it attracts the Customers for the use of this platform.



**Sumit Prasad Paul**  
Manager & Faculty  
Baroda Academy, Hyderabad



संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, हल्द्वानी का निरीक्षण दौरा



06 जून, 2022 को संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, हल्द्वानी का राजभाषा विषयक निरीक्षण किया गया. इस निरीक्षण बैठक की अध्यक्षता माननीय सांसद डॉ. मनोज राजोरिया ने की. इस अवसर पर माननीय सांसद श्री दिनेश चंद्र यादव, सुश्री सरोज पाण्डेय, श्रीमती कांता कर्दम, डॉ. अमी याज्ञिक, श्री धर्मराज खटीक, समिति सचिवालय के पदाधिकारीगण, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारीगण, मेरठ अंचल के महाप्रबंधक श्री अश्विनी कुमार, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा से प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह, हल्द्वानी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री विपिन आर्य, उपस्थित रहे.

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा शिमला क्षेत्र की कुल्लू शाखा का राजभाषा विषयक निरीक्षण

13 अप्रैल, 2022 को संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा शिमला क्षेत्र की कुल्लू शाखा का राजभाषा विषयक निरीक्षण किया गया. इस अवसर पर समिति के माननीय सदस्यों तथा वित्तीय सेवाएँ विभाग के पदाधिकारियों के अतिरिक्त श्री विमल कुमार नेगी, अंचल प्रमुख, चंडीगढ़, श्री संजय सिंह, प्रमुख, राजभाषा एवं संसदीय समिति, श्री भूपेन्द्र रोहिल्ला, उप क्षेत्रीय प्रमुख, शिमला क्षेत्र, श्री रणजीत सिंह, शाखा प्रमुख, कुल्लू शाखा उपस्थित थे.



Study visit of House Committee, Rajya Sabha to Regional Office, Madurai



On 14th June, 2022 the House Committee, Rajya Sabha visited Madurai and had detailed discussion with our Bank on "Involvement of MPs of Tamil Nadu and other Southern States in various schemes of banking sector and Grievance redressal Mechanism". The meeting was chaired by Shri Om Prakash Mathur, Hon'ble MP & Chairperson of the committee. Our Executive Director Shri Ajay K Khurana, Zonal Head (Chennai) Shri Sarvankumar A., Deputy General Manager (Network) Shri KV Chalapathi Naidu, Regional Head (Madurai) Shri M Srinivasan and other staff members were present on the occasion.



हम अप्रैल-जून, 2022 के दौरान पदोन्नत हुए मुख्य महाप्रबंधकों, महाप्रबंधकों और उप महाप्रबंधकों को बॉबमैत्री की ओर से हार्दिक बधाई देते हैं और इनके उज्वल भविष्य की कामना करते हैं. - संपादक

### मुख्य महाप्रबंधक



श्री ललित त्यागी,  
यूएसए, न्यूयॉर्क



श्री शैलेंद्र एच सिंह,  
बॉब फाइनेंसियल, मुंबई



श्री विनयकुमार सत्यनारायण राठी,  
बीओबी (केन्या) लि., नैरोबी



श्री अनुज भार्गव,  
आईएफएससी बैंकिंग यूनिट, गिफ्ट सिटी, गांधीनगर



श्री समीर रंजन पंडा,  
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा



श्री योगेश कुमार अग्रवाल,  
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री टी एन सुरेश,  
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

### उप महाप्रबंधक



श्री सुरेन्द्र कुमार बिरानी,  
गिफ्ट सिटी, गांधीनगर



श्री रंजन कुमार,  
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री ए पी दास,  
अंचल कार्यालय, लखनऊ



श्री शरत कुमार पाणिग्रही,  
अंचल कार्यालय, बड़ौदा



श्री एम वी एस सुधाकर,  
क्षेत्रीय कार्यालय, राजमंड्री



श्री अरुण मिश्रा,  
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री ई शिवकुमार,  
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री प्रशांत सिन्हा,  
जेडआईएडी, कोलकाता



श्री जे वी रोहडा,  
अंचल कार्यालय, राजकोट



श्री संजीव सिंह,  
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री रवीश कुमार,  
सिडनी, ऑस्ट्रेलिया



श्री विमल चंद्र जैन,  
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अजमेर



श्री ट्रिडिबेश प्रसाद नन्दा,  
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री सत्य नारायण पात्रा,  
न्यू यॉर्क, यूएसए



श्री मनोज कुमार बक्शी,  
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

# कॉर्पोरेट एल्बम

## Corporate Album

### Our Bank wins the Express BFSI Technology Awards 2022



On 19<sup>th</sup> May, 2022 at Mumbai our Bank was awarded with the Express BFSI Technology Awards 2022 in two categories. BOB World, the Bank's mobile banking platform, won in the Enterprise Mobility category and analytics-driven lending through the Bank's Digital Lending Platform was adjudged the best in the Analytics/Big Data category. On behalf of the Bank, Network Dy General Manager (Pune Zone) Shri Rakesh Kumar and Regional Head (Pune District Region) Shri T P Nanda received the Awards.

### Our Bank wins the prestigious Banking Frontiers' Finnoviti 2022 Award

Our Bank was conferred with the prestigious Banking Frontiers' Finnoviti 2022 Award for bob World. On behalf of the Bank, Head - Digital Platforms (Payments & Deposits), Digital Group Shri Girish Manashani received the Finnoviti 2022 award.



### BOB Financial and HPCL launch co-branded contactless RuPay Credit Card



On 23<sup>rd</sup> May, 2022 BOB Financial Solutions Limited (BFSL) and Hindustan Petroleum Corporation Ltd. (HPCL) in partnership with National Payments Corporation of India (NPCI) launched HPCL BoB co-branded contactless RuPay Credit Card at Mumbai. The card is designed to reward customers for spends at HPCL fuel pumps as well as the HP Pay app. Shri Shailendra Singh, MD & CEO, BFSL, Shri Praveena Rai, COO, NPCI, Shri Sandeep Maheshwari, HPCL Executive Director – Retail and Shri Yoshiki Kaneko, President and COO, JCB International Co. Ltd were present on the occasion.



स्केच: यात्रा पारिख, अधिकारी, अंचल कार्यालय, अहमदाबाद